प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

आपको खेल के नियम सीखने चाहिए और आप किसी भी खिलाड़ी से बेहतर खेलेंगे।
अल्बर्ट आइंस्टीन

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➢ दिल्ली ➢ देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 104 | दैनिक | रांची | गुरूवार 28 नवंबर 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

अबुआ सरकार का शपथ ग्रहण समारोह

दिनांक: 28 नवंबर, 2024 | समय: अपराह्न 04 बजे
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

इस अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं

जोहार

विधानसभा चुनाव में झारखण्ड की जनता ने सोना झारखण्ड के निर्माण के लिए अनेकता में एकता का जो संदेश दिया है, वह ऐतिहासिक है, अद्भुत है, अविस्मरणीय है।

वीर पुरुखों के सपनों और राज्यवासियों के आशाओं-आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अबुआ सरकार पूरी संवेदनशीलता और नई ऊर्जा के साथ काम करेगी।

आप सभी का बहुत-बहुत आभार, जोहार!

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR - 340590 (IPRD) 2024 - 25

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

एलएपी की चुनावी समीक्षा बैठक एक दिसम्बर को होना सुनिश्चित- सुनील साहू

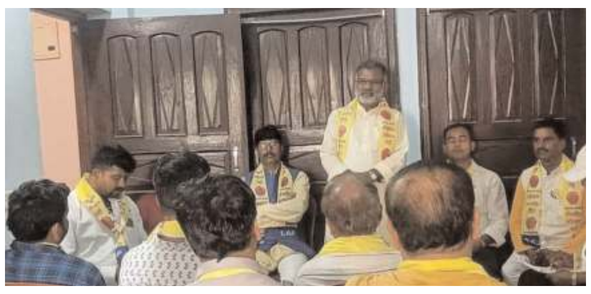

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रमुख पदाधिकारियों की विचार-गोष्ठी प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई ।सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि एक दिसम्बर को चुनावी समीक्षा बैठक रॉची अशोक नगर के देशी ढ़ाबा में आयोजित की जाएगी ।मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी (एलएपी) विधानसभा का चुनाव कूल तीस सिटों पर लड़ी । आशानुकूल चुनाव परिणाम नहीं आयाइस विषय को लेकर प्रदेश स्तरीय चुनावी समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता जी एवं राष्ट्रीय महासचिव सतीश गाँधी जी की गरीमामय उपस्थिति रहेगी। इनके अलावे चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों के साथ-साथ पार्टी के प्रदेश पदाधिकारिगण एवं जिलाध्यक्षगण भी उपस्थित रहेंगे ।चुनावी समीक्षा करने के उपरांत आगामी पांच साल को ध्यान में रखकर आगे की रणनीति पर भी विचार किया जाएगा ।

अगले पांच साल में देश के 80 प्रतिशत जिलों में जिला सहकारी बैंक खोलना मोदी सरकार का लक्ष्य

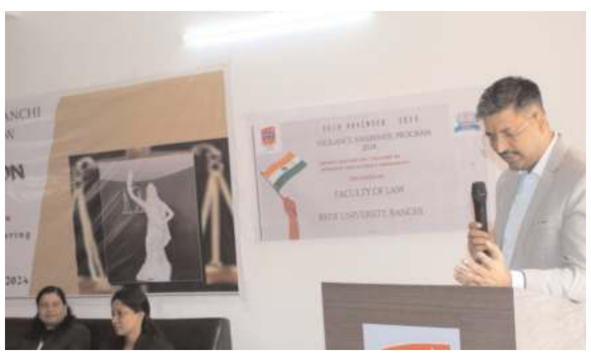

संवाददाता,रांची । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत मंडपम में राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक महासंघ लिमिटेड के हीरक जयंती समारोह एवं ग्रामीण सहकारी बैंकों की राष्ट्रीय बैठक में अपनी मौजूदगी दर्ज करते हुए यह स्पष्ट किया कि, पैक्स के माध्यम से जल्द ही लॉन्ग टर्म एग्रीकल्चर फाइनेंस की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा, जिससे देश के किसान और भी सशक्त होंगे।

बाल-विवाह रोकथाम को लेकर छात्रों ने निकाली प्रभातफेरी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में स्थित उत्क्रमित कन्या प्लस टू उच्च विद्यालय बेलकप्पी के छात्र छात्राओं ने बुधवार को बाल विवाह रोकथाम को लेकर एक दिवसीय प्रभात फेरी निकाली है। कार्यक्रम प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय कुमार दास के नेतृत्व में निकाली गई। प्रभात फेरी के दौरान विद्यालय के छात्र छात्राओं ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, दहेज प्रथा बंद करो, शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता को लड़कियों के बीच बढ़ाने पर जोर दिया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक छ्वु प्रसाद, मुकेश कुमार पाण्डेय, संजय मेहता, राकेश प्रसाद, ब्रह्मदेव कुमार, हरिकांत पाण्डेय, अवधेश यादव, मुकेश कुमार, ईश्वर कुमार, इंद्रजीत प्रसाद, अकांक्षा चौबे, ममता कुमारी, रेखा कुमारी वर्णवाल,गुलाम कौशर, एवं विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष रंजीत तिवारी समेत सैकड़ों छात्र छात्राएं शामिल थे।

रियलमी का भारत का पहला स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप, रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च

रांची। रियलमी ने भारत के पहले स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप चिपसेट के साथ रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च किया। जीटी की हर सीरीज़ का डिज़ाइन ÷बॉर्न टू एक्सीड की अवधारणा पर आधारित है। रियलमी जीटी 7 प्रो कई अत्याधुनिक विशेषताओं के साथ परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित करने वाली एक असाधारण डिवाइस है। यह भारत की पहली डिवाइस है, जिसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप चिपसेट लगा है और इसका एंट्टू स्कोर 3 मिलियन है। रियलमी जीटी 7 प्रो में सोनी पेरिस्कोप कैमरा लगा है, जो फोटोग्राफी का अतुलनीय अनुभव प्रदान करता है। इसमें उद्योग का पहला अंडरवाटर फोटोग्राफी मोड दिया गया है, जिसकी मदद से पानी के अंदर भी बेहतरीन इमेज प्राप्त होती हैं। इसमें सैमसंग डिस्प्ले के साथ मिलकर विकसित किया गया रियलवर्ल्ड इकोद डिस्प्ले दिया गया है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस और अत्याधुनिक फीचर्स के साथ इस स्मार्टफोन में डॉल्बी विज़न दिया गया है। डॉल्बी विज़न फीचर की मदद से यूज़र्स अधिक जीवंत रंगों, शार्प कंट्रास्ट और शानदार डिटेल्स के साथ बेहतरीन वीडियो कैप्चर कर सकते हैं। लॉन्च के बारे में रियलमी प्रवक्ता ने कहा कि जीटी सीरीज़ में रियलमी जीटी 7 प्रो पेश करके उत्साहित हैं। रियलमी जीटी सीरीज़ ने हमेशा सीमाओं को आगे बढ़ाया है। इस सीरीज़ में अत्याधुनिक इनोवेशन, जीटी 7 प्रो भारत का पहला 8 एलीट फ्लैगशिप स्मार्टफोन है।

श्री कृष्ण प्रणामी के सौजन्य से सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में ऊनी वस्त्र वितरित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता , रांची। एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के पदाधिकारीगण एवं ट्रस्ट के सदस्यों के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 37 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच ऊनी टोपी,मोजा एवं ट्राउजर का वितरण किया गया। सेवा कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान,राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी,संस्था के वरिष्ठ सदस्य पुर्णमल सर्राफ, सुरेशअग्रवाल, सज्जन पाडिया,नन्द किशोर चौधरी,विशाल जालान, ओमप्रकाश सरावगी सहित अन्य उपस्थित थे। यह जानकारी आश्रम के उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर दिलाई गई शपथ

सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय संस्था ने दिया समर्थन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के उद्घाटन के मौके पर प्रखंड प्रशासन ओरमांझी और बेड़ो में बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैर-सरकारी संगठन सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के साथ मिलकर जागरूकता कार्क्रम का आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 400 से भी ज्यादा जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी सदस्य संस्था है।

इस मौके पर ओरमांझी और बेड़ो प्रखंड में हुए समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों ने महिलाओं, स्वास्थ सहिया, आगंवाडी सेविका, एएनएम और

पंचायत प्रतिनिधियों व अन्य को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। जिले में जगह-जगह हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) के अलावा बाल विवाह पीड़िताओं ने भी भागीदारी की और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली।

यह कार्यक्रम देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत' के आह्वान के समर्थन में किया गया, जिसका उद्घाटन 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया। उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही शपथ लेने वालों की संख्या 25 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया।इस मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया ने कहा, कि ÷बाल विवाह के खात्मे के लिये जरूरी है इच्छा शक्ति की और मुखर होकर आवाज उठाने की है ? । इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के सचिव राजेन कुमार ने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है। संस्था ने ओरमांझी पंचायत के ओरमांझी गांव में वृहत कैंडल मार्च निकाला जिसमें महिलाओं, युवक /युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 5000 लोगो ने बाल विवाह के विरुध शपथ लिया।

इफको के एमडी को मिला रोशडेल पायनियर्स अवार्ड

रांची। इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) के प्रबंध निदेशक डॉ.उदय शंकर अवस्थी को प्रतिष्ठित रोशडेल पायनियर्स अवार्ड 2024 प्रदान किया गया।

विदित हो कि डॉ. वर्गीस कुरियन के बाद यह पुरस्कार पाने वाले डॉ. अवस्थी दूसरे भारतीय हैं। डॉ. कुरियन को वर्ष 2001 में यह पुरस्कार दिया गया था। रोशडेल पायनियर्स अवार्ड इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस (आईसीए) द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।

केमिकल इंजीनियर डॉ. अवस्थी 1976 में इफको में नियुक्त हुए। उनके नेतृत्व में इस सहकारी संस्था ने अपनी उत्पादन क्षमता में 292 प्रतिशत और शुद्ध संपत्ति में 688 प्रतिशत की वृद्धि की। उनके नेतृत्व में इफको ने विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में कदम रखा है।

आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने भारत में पहली बार आयोजित हो रहे आईसीए के वैश्विक सहकारी सम्मेलन में एक विशेष समारोह के दौरान नई दिल्ली में 25 नवंबर को डॉ.अवस्थी को यह पुरस्कार प्रदान किया।

पुरस्कार ग्रहण करने के बाद इफको के एमडी डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने कहा, ÷मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷सहकार से समृद्धि÷ के दृष्टिकोण का प्रतीक है। साथ ही यह गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इफको के असाधारण प्रयासों को उजागर करता है।

डॉ.अवस्थी ने कहा कि इफको ने नैनो डीएपी और नैनो यूरिया (तरल) जैसे नैनो उर्वरकों के माध्यम से टिकाऊ कृषि का समर्थन किया, कृषि पद्धतियों में बदलाव किया और पर्यावरण-अनुकूल समाधानों की मांग को पूरा किया है।

इफको का कुल उर्वरक उत्पादन 88.95 लाख टन तक पहुंच गया, जिसमें 48.85 लाख टन यूरिया और 40.10 लाख टन एनपीके, डीएपी, डब्ल्यूएसएफ और विशेष उर्वरक शामिल हैं।

सीसीएल एवं बोकारो जिला प्रशासन के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। महाप्रबंधक, ढोरी क्षेत्र, सीसीएल, रंजय सिन्हा एवं उपायुक्त बोकारो के प्रतिनिधि शक्ति कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी सी.एस.आर., बोकारो के बीच क्षतिपूर्ति निवारण योजना (डैमेज रेमेडीशन प्लान) एवं प्राकृतिक एवं सामुदायिक संसाधन संवर्धन योजना (नेचुरल एंड कम्युनिटी रिसोर्स ऑग्मेंटेशन प्लान) के अंतर्गत उपलब्ध राशि कुल 111.00 करोड़ रुपया का समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया।

इस राशि का उपयोग झारखंड सरकार द्वारा विभिन्न सामुदायिक कल्याणकारी योजनाओं में किया जाएगा जिससे जिले के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। ज्ञात हो कि सीसीएल अपने कल्याणकारी एवं समावेशी पहलों द्वारा अपने हितधारकों एवं कमान क्षेत्र के नागरिकों के विकास हेतु कृतसंकल्पित है।

अवसर विशेष पर सीसीएल की ओर से परियोजना पदाधिकारी, एस.डी.ओ.सी. एम, शैलेश प्रसाद एवं नोडल पदाधिकारी (वन एवं पर्यावरण), एसडीओसी एम, अच्युतानंद कुमार भी उपस्थित थे। उपर्युक्त समझौता ज्ञापन सीसीएल द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

जेंडर आधारित हिंसा के विरूद्ध जनजागरूकता हेतु कार्यशाला आयोजित

● जेंडर आधारित हिंसा तो रोजाना हमारे घर से ही शुरुआत होती है, जिसपर अंकुश लगाना हमलोगों की पहली प्राथमिकता है, तभी आप दुसरों को जागरूक कर सकते हैं- शिप्रा सिन्हा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

हजारीबाग। जेंडर आधारित हिंसा के विरूद्ध जनजागरूकता अभियान के मद्देनजर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बुधवार को समाहरणालय सभागार में किया गया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग भारत सरकार के द्वारा नई चेतना 3.0 लैंगिक हिंसा के विरुद्ध जेंडर अभियान दिनांक 25 नवंबर 2024 से 23 दिसंबर 2024 तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेंडर आधारित हिंसा तो रोजाना हमारे घर से ही शुरुआत होती है, जिसपर अंकुश लगाना हमलोगों की पहली प्राथमिकता है, तभी आप दुसरों को जागरूक कर सकते हैं। साथ ही रोजाना के जीवनशैली के आधार पर बहुत ही सरल भाषा में विस्तृत जानकारी दी गई, कैसे हम सभी मिलकर जेंडर आधारित महिलाओं एवं बच्चों पर हिंसा पर जागरूकता लाते हुए अंकुश लगा सकते है। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग से मिलने वाली सरकारी योजनाओं को विस्तृत जानकारी दी गई एवं पलाश जेएसएलपीएस के सहयोग से शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने के लिए अपील की गई। कार्यक्रम मुख्य रूप से वन स्टॉप सेंटर, आँगनबाड़ी केन्द्र, पुलिस केन्द्र, विद्यालयों, बाल देखरेख गृह, गैर सरकारी संस्थाओं, जेंडर रिसोर्स सेंटर, नेहरू युवा केन्द्र द्वारा संचालित युवा क्लबों आदि सेंटरों में किया जाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा ने कहा कि कार्यक्रम के तहत तत्सम्बन्धी विषयों से संबंधित रैली, प्रभात फेरी, मानव श्रृंखला, साईकिल रैली, मैराथन दौड़, चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, खेल-कूद प्रतियोगिता, कैंडल मार्च, सांप-सीढ़ी खेल, नुक्कड़ नाटक का आयोजन पूरे जिले में पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर किया जायेगा। मौके पर बताया गया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नोडल के रूप में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं जेएसएलपीएस को नामित किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के जेएसएलपीएल के पदाधिकारी, पंचायती राज संस्थाएँ, गैर सरकारी संस्थान, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं वन स्टॉप सेंटर के पदाधिकारी/कर्मी शामिल रहेंगे। साथ ही कार्यक्रम में जेंडर आधारित हिंसा एवं बाल विवाह के खिलाफ शपथ भी दिलायी गयी।

इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद, राकेश कुमार सिंह, दीप नारायण चैधरी, युनिसेफ- ड्रइस्ट राजनंदनी गैर सरकारी संस्था के प्रतिनिधिगण, सभी महिला पर्यवेक्षिकाएँ, जेएसएलपीएस के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

माले के बुलावे पर सैकड़ो उपभोक्ता पहुंचे डांडेडीह बिजली ऑफिस - राजेश सिन्हा

जनता को जो भी विभाग सताएगा उस विभाग के विरोध में होगा बड़ा आंदोलन-सीपीआई माले

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। सुबह से देर शाम तक बिजली ऑफिस में माले के गिरिडीह विधानसभा प्रभारी के बुलावे पर लगभग सैकड़ों की संख्या में बिजली कंज्यूमर अपने बिजली बिल को माफ कराने के लिए कार्यालय पहुंचे।

श्री सिन्हा ने कहा कि पिछले बार लगभग 250 आवेदन दिया गया था। जिसने 100 की संख्या में कंज्यूमर के बिल माफ किए गए,बाकी बचा हुआ आवेदन पर भी कार्य करने को कहा है।

सिन्हा ने बिजली विभाग के जीएम महाप्रबंधन प्रदोष कुमार से भी भेट कर बात की है।उन्होंने कहा कि पिछले आवेदन पर काम हुआ है आगे भी कार्य होगा।

सिन्हा ने शास्त्री नगर बौसीडीह और शीतलपुर का पोल हटा कर रेलवे पोल लगाने की बात कही है। जबकि शीतलपुर में और बक्शीडीह में एक घर में बिजली पोल लगा है उसको घर से अलग करने के लिए बोला गया है। जीएम ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर संज्ञान लिया जाएगा।

माले ने आम जनता को बिजली विभाग बुलाया था काफी भीड़ हो गई थी सबने कहा कि माले के राजेश सिन्हा के द्वारा सराहनीय कार्य हो रहा है,हम सब आभारी है।

बिजली विभाग हो या सरकारी, कोई विभाग हो सभी विभागों में जनता के लिए माले कार्य कर रहा है। कहा,भविष्य में सभी विभाग में आंदोलन के जरिए जनता का काम करवाएंगे,जनता से भी अपील है माले के साथ खड़ा रहे।

बिजली विभाग के ट्रिपल ई श्याम कुमार पासवान, रोहित कुमार,बड़ा बाबू विशाल कुमार,बिजली विभाग के गौरव सिन्हा और जितेंद्र पण्डित आदि ने मोर्चा संभाल रखा था।सभी के आवेदन लेना और मुसीबत को सुनना बेहतर तरीके से विभाग द्वारा किया जा रहा था।

सिन्हा ने कहा कि यदि जल्द सभी कार्यों को ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ा आंदोलन करेगा माले,दर्जनों महिला भी पहुंची थी। इधर माले के तरफ से मोर्चा अजहर अंसारी,नौशाद चुन्नू,एकराम के अलावा गेस्ट के रूप में आलम राजा भी पहुंचे हुए थे। कई बुद्धिजीवी,मजदूर,युवा और महिला भी पहुंची थी,कंज्यूमर जो सैकड़ों आए थे। उनका कहना था, जब सरकार कर रही है तो अफसर का रवैया इसपर ध्यान क्यों नहीं दे रहा है। हीरा दास,चंद्रकली देवी,सोनू दास,रमेश सिंह,रूपेश कुमार,माधुरी देवी,, दिवाकर, मुख्तार अंसारी, मिन्हाज,प्रभा देवी संतोष शर्मा,नासिर अंसारी ऐसे सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे।

अर्पिता महिला मंडल द्वारा भगवान बिरसा जैविक उद्यान में सामाजिक कार्य संपन्न

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। अर्पिता महिला मंडल, सीसीएल मुख्यालय के ऑफिसर्स वाइफ एसोसिएशन की अध्यक्षा प्रीति सिंह के कुशल नेतृत्व में भगवान बिरसा जैविक उद्यान, ओरमांझी में सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना और उनके प्रयासों को सम्मानित करना था।

अर्पिता महिला मंडल के इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान अर्पिता महिला मंडल ने उद्यान में जानवरों के लिए एक दिन के भोजन की व्यवस्था भी की। यह पहल जानवरों की बेहतर देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी के भाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई। इस अवसर पर 85 कर्मचारियों को उपहार स्वरूप कैप, तौलिए और भोजन के पैकेट वितरित किए गए। इसके अलावा, उद्यान में साफ-सफाई और जानवरों की देखभाल की प्रशंसा करते हुए, सभी ने उद्यान प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बिरसा जैविक उद्यान के कर्मचारियों ने

कार्यक्रम में अर्पिता महिला मंडल की सभी सदस्य पूरी सक्रियता और उत्साह के साथ उपस्थित रहीं। इनमें प्रीति सिंह, रेखा सिन्हा, प्रीति झा, सीमा प्रसाद, ममता शरण, कृष्णा पांडे,अनु मलिक, रूबी, नीतू गुप्ता, नीरजा कुमार, सीमा सिंह, संगीता, निर्मला सिंह, नेहा प्रसाद और मंजू सिंह सहित पांच अन्य समिति सदस्य शामिल थीं।

महिला मंडल के सदस्यों ने इस सामाजिक कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करने में सहयोग प्रदान करने के लिए भगवान बिरसा जैविक उद्यान के प्रशासन का आभार प्रकट की।

बाल विवाह मुक्त, एक दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और कानून का उल्लंघन है- शिप्रा सिन्हा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

हजारीबाग। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण सभागार में की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा ने दीप करके किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और कानून का उल्लंघन है, जो बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा स्वास्थ्य और विकास में बाधा है, तथा उनके सपनों को साकार होने से रोकता है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ भी दिलायी गयी। महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में माननीय मंत्री, महिला एवं विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभांरभ वेबकास्टिंग के माध्यम से किया गया। इसी के तहत सभी आँगनबाड़ी केन्द्रों पर भी आयोजित की गई। विभाग द्वारा बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 को अधिक प्रभावी बनाने हेतु अधिनियम अंतर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभागीय अधिसूचना संख्या 645 दिनांक-13.03.2023 द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी के

अतिरिक्त निदेशक, समाज कल्याण, सभी प्रमंडलीय आयुक्त, सभी उपायुक्त, सभी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सभी महिला पर्यवेक्षिका तथा सभी पंचायत सचिव को उनके निर्दिष्ट क्षेत्राधिकार अंतर्गत बाल विवाह निषेध अधिकारी के रूप में अधिसूचित किया गया है। इस अभियान को अधिक प्रभावी बनाने हेतु गैर सरकारी संगठनों का एक समूह(जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन) का सहयोग प्राप्त है। इसके तहत बाल विवाह के विरूद्ध शपथ लिया जाना, बाल विवाह के कारण स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों पर सत्र, बाल विवाह के विरूद्ध वाद-विवाद/नारा लेखन/पोस्टर बनाना आदि का प्रतियोगिता, बाल विवाह के विरूद्ध मानव श्रृंखला बनाने हुए शपथ सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। गतिविधि में भाग लेने वाले लक्षित समूह में प्रार्थना सभा के दौरान स्कूली बच्चे, सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मीगण, सभी सखी मंडल, ग्राम संगठन, संकुल स्तरीय फेडरेशन के सदस्यगण, आँगनबाड़ी केन्द्र से जुड़ी किशोरियाँ एवं धातृमाताएँ, एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट एवं थानों में पदस्थापित बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य पुलिसकर्मी शामिल है। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद, राकेश कुमार सिंह सहित गैर सरकारी संस्था के प्रतिनिधिगण सहित अन्य लोग शामिल थे।

प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

आप कुछ देखते हैं; तो कहते हैं, क्यों?, लेकिन मैं असंभव से सपने देखता हूँ और कहता हूँ, क्यों नहीं?

जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 104 | दैनिक | रांची | गुरुवार 28 नवंबर 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

झारखंड में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आज

हेमंत सोरेन की होगी ताजपोशी

राहुल गांधी, शरद पवार, ममता बनर्जी सहित 10 पार्टियों के 18 नेता होंगे शामिल

लुईस मरांडी, मथुरा महतो, स्टीफन मरांडी व योगेंद्र प्रसाद हो सकते हैं मंत्री

जितेन्द्र ज्योतिषी

रांची। राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इंडिया गठबंधन की नई सरकार में संभवत हेमंत सोरेन अकेले मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंत्रिमंडल का विस्तार बाद में किया जाएगा।

इस अवसर पर देश भर के आईएनडीआईए के बड़े नेताओं का जुटान होगा। शपथ ग्रहण समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। समारोह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, राजद सुप्रीमो लालू यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित अन्य नामचीन हस्तियां शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

दीपक बिरुआ, रामदास सोरेन, हफीजुल हसन व इरफान अंसारी के नाम लगभग तय

नई सरकार में झारखंड मुक्ति मोर्चा कोटे से छह मंत्री शामिल होंगे। हालांकि इस पर अभी अंतिम मुहर लगना बाकी है। इसके बारे में मुख्यमंत्री व अन्य शीर्ष नेताओं का मंथन चल रहा है। शीर्ष नेतृत्व को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है। अनुमान है कि नई सरकार में लुईस मरांडी, योगेंद्र प्रसाद महतो, मथुरा प्रसाद महतो एवं स्टीफन मरांडी को मंत्री पद सुशोभित करने का अवसर दिया जा सकता है। वहीं,पुरानी सरकार में शामिल रहे मंत्रियों दीपक बिरुआ, रामदास सोरेन, हफीजुल हसन व इरफान अंसारी का नाम लगभग तय माना जा रहा है। वहीं, मंत्री पद की रेस में राजमहल के नवनिर्वाचित विधायक एमटी राजा भी हैं। वरीयता और अनुभव के आधार पर प्रो. स्टीफन मरांडी का नाम आगे है। इसके अलावा लुईस मरांडी भी मंत्री पद की रेस में शामिल हैं।

गौरतलब है कि लुईस मरांडी रघुवर दास सरकार में मंत्री पद पर रह चुकी हैं। वहीं, कुर्मी कोटे मे टुंडी के विधायक मथुरा प्रसाद महतो और गोमिया के विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो का नाम भी आ रहा है। मथुरा महतो झामुमो के वरिष्ठ नेता हैं, तो योगेंद्र प्रसाद महतो राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. सुधीर महतो की पत्नी व इचागढ़ की विधायक सविता महतो को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस पर अंतिम निर्णय लेगा।

सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद

राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहेगी। पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के निर्देशन में लगभग 2000 से अधिक पुलिस बल तैनात होंगे। इस संबंध में मुख्य सचिव अल्का तिवारी और कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल व डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बुधवार को सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

दिसंबर के प्रथम सप्ताह में पहला सत्र संभावित

छठी झारखंड विधानसभा का पहला सत्र दिसंबर के प्रथम सप्ताह में आहुत होने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पांच या छह दिसंबर से विधानसभा का पहला सत्र शुरू होगा। इस सत्र में पांच य छह कार्य दिवस संभव होगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की पहली बैठक में विधानसभा का सत्र आहूत करने का निर्णय लिया जाएगा। तत्पश्चात प्रोटेम स्पीकर का चयन होगा। सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे। इसके बाद स्पीकर के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। राज्यपाल ही नए स्पीकर के चुनाव की तिथि तय करेंगे। संभव है कि इस सत्र के दौरान अनुपूरक बजट भी पेश हो।

मुख्यमंत्री ने शहीद सोबरन सोरेन को दी श्रद्धांजलि,हेमंत सोरेन ने कहा–उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता

रामगढ़। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को शहीद सोबरन सोरेन के 67वें शहादत दिवस पर लुकैयाटांड (नेमरा, गोला) पहुंचे। यहां उन्होंने शहीद स्थल स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज के दिन प्रत्येक वर्ष हम सभी लोग एकत्रित होकर शहीद सोबरन सोरेन के शहादत दिवस पर उन्हें याद कर नमन करते हैं। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। हेमंत सोरेन ने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 28 नवंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह ऐतिहासिक होगा। मैं आज आप सभी को शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित करता हूं।

विशेष संपादकीय

समृद्ध झारखंड बनाने का लें संकल्प

सुमन कुमार

झारखंड विधानसभा चुनाव में जनता ने मर्यादाओं का ध्यान रखते हुए अपना बहुमूल्य वोट देकर अपने-अपने जनप्रतिनिधियों का चयन किया है। अब चुने गए जनप्रतिनिधियों की जिम्मेवारी है कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें। मतदाताओं की मर्यादाओं को खंडित न होने दें। झारखंड विधानसभा का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। अब जनहित में काम करने की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों की है। आज (28 नवंबर को) एक बार फिर से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में नई सरकार का गठन होगा। कई विधायकों को मंत्री पद की जिम्मेवारी सौंपी जाएगी। अपेक्षा की जाती है कि झारखंड का सर्वांगीण विकास नई सरकार की प्राथमिकता होगी। यह जरूरी है कि जनहित से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं को अमली जामा पहनाने में जनप्रतिनिधि ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। राज्यहित और जनहित को सर्वोपरि समझें।

विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों द्वारा राज्य के विकास और जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विभिन्न वादे किए गए। उन वादों पर जनता ने भरोसा किया।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि आज भी झारखंड की बहुसंख्यक जनता मुश्किलों के दौर से गुजर रही है। सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए वादों और दावों से जनता की उम्मीदें बढ़ी हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि जनता का भरोसा कायम रहे।

महज आश्वासनों के पुराने दौर की तरह जनता के साथ छलावा न हो, जनोपयोगी कार्यों को तरजीह दी जाय। सरकारी तंत्र को चुस्त-दुरुस्त रखने में सरकार सक्रिय रहे। जनप्रतिनिधि जनता के दुख-दर्द को अपना समझें।

यह वास्तविकता है कि आज भी झारखंड के अधिकतर गांवों में समस्याओं का अंबार लगा है।

विकास के तमाम दावों के बावजूद ग्रामीण जनता पानी,बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है।

युवा वर्ग रोजगार के लिए इधर-उधर भटकने को विवश हैं। इसलिए जनप्रतिनिधियों से आशा की जाती है कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करें और जनहित के कार्यों को तवज्जो दें। जनोपयोगी कार्यों को अपनी प्राथमिकताओं में शुमार कर ईमानदारी से प्रयासरत रहें। तभी खुशहाल झारखंड का सपना साकार हो सकेगा।

अडाणी मुद्दे पर संसद ठप्प, विपक्ष का भारी हंगामा

राहुल बोले-उन्हें जेल में होना चाहिए,सरकार बचा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को दूसरा दिन था। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने अडाणी मुद्दे पर हंगामा किया। 12 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। विपक्ष ने यूपी के संभल में हिंसा का मुद्दा भी उठाया। जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा दोनों को 28 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी ने संसद के बाहर कहा कि अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। उन्हें जेल में होना चाहिए। मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। दरअसल, 21 नवंबर को यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस की ओर से कहा गया था कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे। इस पर बुधवार को अडाणी ग्रुप ने साफ किया है कि चेयरमैन गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी और सीनियर एग्जीक्यूटिव विनीत जैन पर अमेरिका में रिश्वत से जुड़े कोई आरोप नहीं हैं। अडाणी ग्रुप के मुताबिक, कई मीडिया हाउस में चल रही खबरें 'गलत' हैं। उधर प्रियंका गांधी 28 नवंबर को सांसद पद की शपथ लेंगी। वह केरल के वायनाड से सांसद हैं। बुधवार को उन्हें जीत का सर्टिफिकेट मिला। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह शुरू होने के साथ ही कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और अडानी समूह से जुड़े मामले को उठाने की कोशिश करने लगे। वहीं समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा की घटना को उठाने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच प्रश्नकाल शुरू कराया। इस बीच, कांग्रेस और सपा के कई सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। बिड़ला ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने बीजेपी के सदस्य अरुण गोविल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह पहली बार प्रश्नकाल में प्रश्न पूछ रहे हैं, ऐसे में सदन की कार्यवाही चलने दी जाए। हालांकि, हंगामा नहीं थमा और विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। लोकसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय है, सबका समय है। आप प्रश्नकाल चलने दें, आपको हर मुद्दे पर चर्चा करने का अवसर दिया जाएगा। हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ने 11 बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे निचले सदन की बैठक फिर शुरू हुई तो वही नजारा देखने को मिला। विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। शोर-शराबा जारी रहने पर 12 बजकर 10 मिनट पर लोकसभा की बैठक दिनभर के स्थगित कर दी।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी का विरोध प्रदर्शन खत्म

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने अपना विरोध-प्रदर्शन खत्म कर दिया है। पाकिस्तानी वेबसाइट द डॉन के मुताबिक पार्टी ने बुधवार सुबह इसका ऐलान किया। पीटीआई ने कहा कि इमरान खान की सलाह पर आगे कोई फैसला किया जाएगा। पीटीआई ने एक प्रेस रिलीज में कहा है, सरकार क्रूरता से निहत्थे नागरिकों की हत्या के लिए तैयार है। इस्लामाबाद को कत्लगाह बनने से रोकने के लिए वे अपने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को अस्थायी तौर पर स्थगित कर रहे हैं। इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक गंडापुर ने मंगलवार देर रात प्रदर्शनकारियों को घर चले जाने को कहा था।

तमिलनाडु से 2 दिन में टकरा सकता है फेंगल तूफान

75 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी हवा, 6 जिलों में स्कूल बंद, 7 फ्लाइट्स लेट

चेन्नई (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान आज चक्रवात में बदल गया है। अगले दो दिन यह तमिलनाडु की तरफ बढ़ेगा। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान 75-80 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से हवाएं चलेंगी। चेन्नई, चेंगलपेट, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर, कुड्डालोर, नागापट्टिनम में लगातार बारिश जारी है। इन 6 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। चेन्नई में मंगलवार को 7 फ्लाइट्स लेट हो गईं। तूफान के असर को लेकर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हाई-लेवल बैठक की। एनडीआरएफ की 7 टीमों को तिरुवरुर, मयिलादुथुरई, नागापट्टिनम और कुड्डालोर जिले में तैनात किया गया है। 7 नवंबर को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, 28 और 29 नवंबर को भी तटीय इलाकों में बारिश होगी।

महाराष्ट्र की नई सरकार के आगे बनते ही होगी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में फिलहाल सरकार गठन को लेकर रस्साकशी चल रही है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर दावेदारी का दौर जारी है। जल्दी ही नए मुख्यमंत्री को लेकर फैसला हो सकता है, लेकिन नई सरकार को सत्ता में आते ही एक चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती है, मराठा आरक्षण की। चुनाव में मराठा आरक्षण आंदोलन का कोई खास असर नहीं दिखा और सत्ताधारी दलों को बड़ी जीत के साथ वापसी का मौका मिला है। इसके बाद भी मराठा आरक्षण की मांग करने वाले नेता मनोज जारांगे पाटिल ने नए सिरे से आंदोलन का फैसला लिया है। उनका कहना है कि वह अब सामूहिक भूख हड़ताल करेंगे। जालना के अपने गांव अंतरवाली में मनोज जारांगे पाटिल ने यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बीड़ जिले में इस भूख हड़ताल का आयोजन होगा।

हमारे बीच कोई मतभेद नहीं, सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे:एकनाथ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा। शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब एनडीए का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर होगा। कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे। शिंदे बोले, मैं कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। यह जनता की विजय है। समर्थन के लिए जनता को धन्यवाद। इलेक्शन के वक्त सुबह 5 बजे तक काम करते थे। सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की। एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है, वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे। शिंदे ने कहा,जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्ममंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं।

आईआईएफटी-2024:मत्स्य निदेशालय के स्टॉल को उत्कृष्ट साज-सज्जा व प्रदर्शन के लिए मिला तृतीय पुरस्कार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईएफटी-2024) के झारखंड पवेलियन में लगे मत्स्य निदेशालय के स्टॉल को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

झारखंड सरकार के उद्योग विभाग के पवेलियन निदेशक द्वारा मत्स्य निदेशालय के स्टॉल को पुरस्कृत किया गया। विभाग द्वारा स्टॉल की उत्कृष्ट साज-सज्जा और विभागीय योजनाओं को बेहतरीन तरीके से प्रदर्शित कर दर्शकों को आकर्षित करने के लिए यह सम्मान दिया गया। मत्स्य निदेशालय के उप मत्स्य निदेशक अमरेन्द्र कुमार ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड में अभूतपूर्व प्रगति: डॉ.ताराचंद

- केज कल्चर और मोती उत्पादन की विधियों से अवगत हुए लोग
- मत्स्य निदेशालय के स्टॉल पर पहुंचे हजारों दर्शक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची/नई दिल्ली। भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईएफटी-2024) के झारखंड पवेलियन में लगे मत्स्य निदेशालय के स्टॉल पर गुरुवार को झारखंड के कृषि विभाग के निदेशक डॉ. ताराचंद पहुंचे। उन्होंने मत्स्य विभाग की केज कल्चर योजना की सराहना की। साथ ही मछलियों के मूल्य संवर्धन उत्पाद के बारे में विशेष रूचि ली। उन्होंने कहा कि झारखंड मत्स्य पालन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा आरएएस, बायोफ्लाक तकनीक के क्रियान्वयन में भी सराहनीय प्रयास किये गये हैं। उन्होंने कहा कि रंगीन मछलीपालन तथा मोती पालन राइजिंग इंडस्ट्री के रूप में उभर रहा है। डॉ.ताराचंद ने मछली पालन से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर उप मत्स्य निदेशक अमरेंद्र कुमार,मत्स्य प्रसार पदाधिकारी रणविजय कुमार, प्रगतिशील मोती पालक बुधन सिंह पुर्ति, आशीष तिर्की, डाटा मैनेजर, सुश्री सांभवी मिश्रा, शुभ पल्लव भट्ट, छात्र मात्स्यिकी महाविद्यालय, गुमला सहित अन्य उपस्थित थे।

बालूमाथ में भाजपा का विजय जुलूस, बाजे की धुन पर थिरके कार्यकर्ता

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

लातेहार। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बुधवार को बालूमाथ के भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रखंड कार्यालय के समीप से लातेहार विधानसभा के विजय प्रत्याशी प्रकाश राम का विजय जुलूस निकाला। कार्यकर्ता और जनता गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते जुलूस में शामिल थे। जिसमें शहर के अलावा विभिन्न पंचायत के कार्यकर्ता व समर्थक पहुंचे थे। जुलूस के दौरान बाजे की धुन पर समर्थकों ने जमकर नाचा। इस दौरान आतिशबाजी की गई। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर भाजपा की जीत की बधाइयां दी। जुलूस प्रखंड कार्यालय के समीप से निकलकर न्यू शहीद चौक,बस स्टैंड,छठ तलाब,टमटम टोला,थाना चौक पहुंचा।जहां जुलूस का समापन किया गया। सभी कार्यकर्ता पूरे जोश और उत्साह में दिख रहे थे। विधायक प्रकाश राम के समर्थन में नारेबाजी करते हुए जमकर नाचा। विधायक राम ने कहा कि यह जीत पूरे लातेहार विधानसभा के एक-एक कार्यकर्ता और समर्थकों की जीत है। हमारी जीत में सभी कार्यकर्ताओं ने जी तोड़ मेहनत की है। मेरा लक्ष्य लातेहार विधानसभा क्षेत्र के सभी सुदूर गांव को प्रखंड मुख्यालय व जिला मुख्यालय से जोड़ना,शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास कार्य करना तथा जरूरतमंदों की हर आकांक्षाओं को पूरा करना होगा। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा, कृष्णा यादव, संजीत साव,सुनील पांडेय, संजीव सिन्हा, रविंद्र सिन्हा,शैलेश सिंह,रवि सिंह,उपेंद्र यादव,अरविंद यादव,प्रेम प्रसाद गुप्ता, धर्मेंद्र रंगीला,अमित कुमार त्रिवेणी साव के अलावे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

बच्चों को मैत्रीपूर्ण कानूनी सेवा इकाई से संबंधित दो दिवसीय ओरिएंटेशन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

पाकुड़। झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को नालसा(बाल अनुकूलन कानूनी सेवाएं) बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण कानूनी सेवा इकाई (एलएसयूसी) के अंतर्गत बच्चों के लिए नव संचालित बाल कल्याण योजना 2024 से संबंधित नवगठित टीम सदस्य को ओरिएंटेशन सह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डालसा सभागार में किया गया।

उक्त कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुधांशु कुमार शशि, अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार क्रांति प्रसाद, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शिल्पा मुर्मू, सचिव अजय कुमार गुड़िया, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ सुबोध कुमार दफादार ने दीप प्रज्वलित कर की। उक्त कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेष नाथ सिंह ने बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं नव संचालित योजना-2024 सहित बच्चों से संबंधित विभिन्न कानूनी पहलुओं पर अपनी बातों से नवगठित कानूनी सेवा इकाई के सदस्य को जानकारी से अवगत कराया। न्यायिक पदाधिकारी ने बच्चों के हित से संबंधित हितधारकों को विधि का उल्लंघन और देखभाल के योग्य बालकों के मामले में बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, बाल न्यायालय, डीसीपीओ, बाल गृहों तथा बाल पुलिस की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी।बच्चों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए मामलों में समिति और बोर्ड निर्णय लेती है, बच्चों के पुनर्वास के संबंध में उन्होंने बताया कि बच्चों को परिवार आधारित देखभाल उनकी प्राथमिक आवश्यकता है। मौके पर अन्य न्यायिक पदाधिकारी समेत बच्चों के लिए नवगठित कानूनी सेवा इकाई के सदस्य उपस्थित रहे।

मुखिया बेलाल हुसैन ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच बांटा स्वेटर

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,पाकुड़। बुधवार को सदर प्रखंड पाकुड़ अंतर्गत बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सबिता कुमारी के निर्देशानुसार नवादा पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र नवादा (हरिजन टोला) में नवादा पंचायत के मुखिया बेलाल हुसैन के द्वारा 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों को बढ़ते हुए ठंड को देखते हुए स्वेटर का वितरण किया गया। जिसमें सेविका जासमिनारा बीवी उपस्थित थी। बच्चों और बच्चों के माता-पिता के द्वारा मुखिया बेलाल हुसैन के द्वारा स्वेटर वितरण करने पर खुशियां ज़ाहिर किया।

पंचम राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष ने संसाधनों के सुदृढ़ीकरण के दिए सुझाव

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। पंचम राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष ए.के.सिंह ने बुधवार की संध्या सर्किट हाउस में नगर निगम, चिरकुंडा नगर परिषद, अर्बन लोकल बॉडीज तथा नगर निगम क्षेत्र में कार्यरत अन्य एजेंसी के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संसाधनों के सुदृढ़ीकरण के सुझाव दिए। जिसमें राजस्व बढ़ाने के लिए ठोस तरीके ढूंढने तथा होल्डिंग धारकों की संख्या बढ़ाने के लिए वार्ड में सर्वे कराने का सुझाव दिया। समीक्षा के क्रम में उन्होंने जन्म मृत्यु पंजीकरण, मैरिज सर्टिफिकेट, सार्वजनिक स्वास्थ्य, ट्रेड लाइसेंस, स्ट्रीट वेंडर पॉलिसी, पर्यावरण को बेहतर बनाने के तरीके, स्वरोजगार सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की।

अध्यक्ष ने कहा कि धनबाद में वर्किंग वूमेन हॉस्टल का निर्माण तथा आम लोगों की विभिन्न शिकायतों के निवारण की व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, शिखा कुमारी, चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा, सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन के अलावा विभिन्न अर्बन लोकल बॉडीज एवं नगर निगम क्षेत्र में कार्यरत एजैंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

पंचायती राज विभाग से संबंधित विषयों पर हुई गहन समीक्षा

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,पाकुड़। बुधवार को जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू की अध्यक्षता में जिला पंचायत राज कार्यालय कक्ष में पंचायती राज विभाग से संबंधित कई विषयों पर समीक्षा की गई। पंचायत सचिवालय भवन की स्थिति तथा सुविधा की उपलब्धता।15 वें वित्त आयोग में व्यय की स्थिति (पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत)। पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना में व्यय की स्थिति। पंचायत ज्ञान केंद्र की स्थिति। प्रखंड पंचायत संसाधन केंद्र की स्थिति। डिजिटल पंचायत योजना। प्रखंड वार पंचायत स्वयं सेवकों के प्रतिवेदन की स्थिति। पंचायत स्तरीय कर्मियों का रोस्टर अनुपालन। ग्राम पंचायत समन्वय समिति के बैठक की स्थिति। पंचायत स्तर पर बायोमैट्रिक उपस्थिति की स्थिति। पंचायत स्तर पर जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत होने की स्थिति। प्रखंड एवं ग्राम पंचायत को विभिन्न योजना अंतर्गत प्राप्त राशि के विरुद्ध उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा किये जाने की स्थिति। निर्वाचित जन प्रतिनिधियों द्वारा डिजिटल सिग्नेचर के उपयोग की स्थिति सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। उक्त बैठक में संबंधित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद एवं अन्य उपस्थित थें।

झारखण्ड सरकार
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, हजारीबाग

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग सं० :– RCD/HAZARIBAG/1123/2024-25
दिनांक :– 26.11.2024

1.	कार्य का नाम	वित्तीय वर्ष 2024–25 में पथ प्रमण्डल, हजारीबाग अन्तर्गत IRQP work of St. Columba's College to Aranya Vihar Hotel (NH-33) Via Hearanganj (कुल लम्बाई 1.770 कि.मी.) के IRQP कार्य।
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रू० 1,75,09,100.00 (एक करोड़ पच्चहत्तर लाख नौ हजार एक सौ रूपये मात्र)
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	02 (दो) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	03.12.2024 10:30 AM
5.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	09.12.2024 12:00 Noon
6.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	10.12.2024 12:30 PM
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, हजारीबाग।
8.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क नं०	8709320541
9.	ई–प्रोक्योरमेट सेल का हेल्प लाईन नं०	0651–2446007

अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाईट पर देखें :– http://jharkhandtenders.gov.in
E-mail ID : eercdhazari-jhr@nic.in
Tel. No. – 06546-225818
कार्यपालक अभियंता,
PR 340568 Road (24-25)_D पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, हजारीबाग

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की हुई शुरुआत, जिला कल्याण पदाधिकारी ने दिलाई शपथ

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,पाकुड़। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान का उद्घाटन माननीय मंत्री ने किया जिसे वेब-कास्टिंग के माध्यम से प्रसारित कर सभी संबंधित पदाधिकारियों को इससे जोड़ा गया। प्राप्त निर्देश के आलोक में समाहरणालय पाकुड़ में हुए समारोह में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी पदाधिकारी/कर्मी, समाज कल्याण शाखा एवं सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी, चाइल्ड हेल्पलाइन कर्मी सहित बाल संरक्षण मुद्दे पर कार्य कर रहे विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के सभी प्रतिनिधि शामिल थे। इसके साथ ही , जिले में जगह-जगह हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) ने भी भागीदारी की और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया।

नहीं थम रहा है डेंगू का प्रकोप, चिकनगुनिया के भी नए मरीज मिले

पटना, एजेंसी। डेंगू का डंक लगातार लोगों को लग रहा है। नवंबर खत्म होने को है पर डेंगू का प्रकोप अभी भी जारी है। विशेषज्ञों के अनुसार अभी कुछ दिन और डेंगू के मच्छरों से बचाव करने की जरूरत है। सोमवार को राज्य में डेंगू के 69 नए मरीज मिले हैं। इसमें पटना के 35 मरीज है। पूरे राज्य में सबसे अधिक डेंगू के मरीज पटना में ही मिल रहे हैं। दूसरे स्थान पर गया पहुंच गया है। वहीं पटना में चिकनगुनिया के भी पांच मरीज मिले हैं। पटना में अबतक चिकनगुनिया पीड़ितों की संख्या 389 हो गई है। वहीं राज्य में अब तक 9671 डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। इसमें पटना के 4802 मरीज हैं। पटना के जिन इलाकों में डेंगू के मरीज मिले हैं। उसमें कंकड़बाग में तीन, बांकीपुर में आठ, नूतन राजधानी में सात, पाटलिपुत्रा में पांच, अजिमाबाद में दो, पटना सिटी में दो, अथमलगोला में एक, फतुहा में एक, संपतचक में दो मरीज मिले हैं। चार मरीजों की पहचान नहीं हुई है। आईजीआईएमएस के वरीय फिजिशियन डॉ. मनोज चौधरी का कहना है कि पहले डेंगू का प्रकोप थोड़ा कम हुआ है। अभी डेंगू के मरीज लगातार मिल रहे हैं। इसलिए अभी कुछ दिन और सावधानी बरतने और बचाव करने की जरूरत है।

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा।
(अभियंत्रण कोषांग)
Phone Number:- 06526-222064 email-id: zplohardaga@gmail.com

ई–निविदा
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा संख्या – 03/2024–25 दिनांक 26.11.2024

क्र0/ ग्रुप संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	पेषरार	राजकीयकृत मध्य विद्यालय, उपर तुरियाडीह में चाहरदिवारी निर्माण	5003000.00	10000.00	100000.00	03(तीन) माह

2. वेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :–29.11.2024
3. बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय :–05.12.2024/04:00 बजे अपराह्न तक
4. निविदा खोलने की तिथि व समय :–06.12.2024/04:00 बजे अपराह्न
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पताः–जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा
6. निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पताः–जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा

नोट – 1. जिला परिषद् लोहरदगा में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं । संवेदक का U-Can में निबंधन अनिवार्य है।
2. निविदा की प्राक्कलित राशि घट बढ सकती है तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
3. कार्य की मात्रा आवश्क्तानुसार घट–बढ सकती है।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
जिला अभियन्ता,
जिला परिषद्, लोहरदगा
PR.NO.340478 Lohardaga(24-25):D

स्कॉर्पियो ने 2 ई-रिक्शा में मारी टक्कर, चालक घायल

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में स्कॉर्पियो ने ई-रिक्शा में ठोकर मार दी। पीछे से आ रहा दूसरे ई-रिक्शा भी इसके चपेट में आ गया, जिसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसे आसपास के लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। स्कॉर्पियो के ड्राइवर को पकड़कर लोगों ने पिटाई की, फिर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना नगर थाना क्षेत्र के बलुआ आरओबी की है। घायल ई-रिक्शा चालक की पहचान रघुनाथपुर के पिपल चौक सुमन कुमार और उसके पीछे चल रहे ई-रिक्शा चालक की पहचान उमेश साह के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बतायी जा रही है। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची नगर थाना की पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा चालक अपने साइड से होकर चांदमारी चौक की तरफ जा रहा था। इस बीच रॉन्ग साइड से आकर तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ई-रिक्शा में जोरदार ठोकर मार दी। घटना के बाद स्कार्पियो चालक की लोगों ने पकड़ कर पिटाई कर दी। पुलिस स्कार्पियो चालक को लोगों के चंगूल से मुक्त करा थाने ले गई। आसपास के लोगों का आरोप है कि स्कार्पियो चालक शराब की नशे में था। नगर थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि आरओबी पर स्कार्पियो और ई-रिक्शा में टक्कर हो गई है। घायल को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। दोनों गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। चालक पुलिस की हिरासत में है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जायेगी।

कोहरे से निपटने के लिए फॉग पायलट अस्सिटेंट सिस्टम लागू

समस्तीपुर, एजेंसी। कोहरे की समस्या से निपटने के लिए मंडल ने वास्तविक समय पर नेविगेशन के साथ-साथ ट्रेन चालकों की सहायता के लिए फॉग पायलट अस्सिटेंट सिस्टम उपकरण लगाए हैं, जिससे रोशनी कम होने के बावजूद सुरक्षित और समय पर ट्रेन परिचालन हो सके। उन्नत तकनीक का उपयोग करके त्रुटियों का जल्द पता लगाने और जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए ट्रेन की छतों, इंजन और रोलिंग स्टॉक्स का निरीक्षण किया जा रहा है। ट्रैक निगरानी को प्राथमिकता देते हुए संभावित खतरों की पहचान के लिए अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। सिग्नलिंग सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है । मंडल रेल प्रबंधक श्री विनय श्रीवास्तव ने बताया कि सर्दी के मौसम में घने कोहरे को देखते हुए, समस्तीपुर मंडल ने रेल पथ संरक्षण के लिए कई स्टेप्स लिए हैं। हमारी प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि वे सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा करें। रेलवे मंडल में फॉग पास सिग्नलिंग सिस्टम को सक्रिय किया है, जो कोहरे की स्थिति में ट्रेनों की गति को नियंत्रित करने में मदद करता है। अतिरिक्त रेलवे कर्मचारी कोहरे की स्थिति में अतिरिक्त रेलवे कर्मचारियों को तैनात किया है, जो ट्रेनों की गति और सुरक्षा की निगरानी करेंगे। रेलवे कर्मी रेलपथ का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। कुहासे के कारण ट्रेनों की संभावित लेट लतीफी से बचने के लिए समस्तीपुर रेल मंडल प्रशासन ने तैयारी कर ली है। ??रेलवे मंडल प्रशासन ने ओवरहेड उपकरण ट्रैक्शन रोलिंग स्टॉक जैसे महत्वपूर्ण उपकरण लगाए हैं। डीआरएम बिना श्रीवास्तव ने कहा कि अधिक ठंड होने पर रेल पथ के क्रैक होने की संभावना को रोकने के लिए लॉन्ग वेल्डेड रेल्स/ कंटीन्यूअस वेल्डेड रेल्स पर डी- स्ट्रेसिंग करने के साथ-साथ रेल ज्वाइंट की पूरी जांच की जा रही है।

मतदान कर सड़क किनारे बैठे वोटरों को अनियंत्रित कार ने रौंदा; एक की मौत, चार लोग घायल

बेतिया, एजेंसी। बिहार के बेतिया में पैक्स चुनाव में मतदान कर सड़क किनारे बैठे वोटरों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। घटना जिले के नौतन प्रखंड के मड़ुआहा बूथ नंबर 6 से 6(क)(ख)(ग)(घ) की है। घटना में मृतक की पहचान वरदाहा मनियारी गांव के गोविंद राम (65) के रूप में की गई है। जबकि घायलों में रामचंद्र साह की पत्नी, घूटन महतो की बहू सुगांनती देवी, वीरू यादव (25) और उनकी बहन शामिल हैं। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहीं, प्राथमिक उपचार के बाद तीन लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया। जहां तीनों घायलों का इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, नौतन प्रखंड में पैक्स के चुनाव में मतदान करने के बाद सभी वोटर बगीचे के किनारे बैठे थे। तभी जगदीशपुर से मच्छरगावां जा रही इनोवा कार ने अनियंत्रित होकर सभी लोगों को रौंदकर घायल कर दिया। वहीं, चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। इधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इस घटना में पैक्स प्रत्याशी विजय साह की बाइक भी दुर्घटना ग्रस्त हो गई है। हादसे के बाद मतदान केंद्र के आसपास घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा। उधर, टक्कर मारने वाली कार को गुस्साए ग्रामीणों ने ईंट-पत्थर और डंडे से पीट-पीट कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझा कर किसी तरह शांत कराया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
अल्पकालीन ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/RANCHI/29/2024-25 e-tender
1.कार्य की विस्तृत विवरणीः

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	राँची जिला के नामकुम प्रखंड अंतर्गत हाहाप पंचायत के बेडाडीह उपराटोली एवं पहाड़टोली के बीच लोवा डोभा नदी में पुल का निर्माण।	260.282	5,20,600	10,000	18 माह

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 03.12.2024
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 04.12.2024 से दिनांक 10.12.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4.ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, राँची।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 12.12.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची।
7.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7903003903
8.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है, तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
राँची
PR 340556 (Rural Development)24-25*D

अवैध हथियार से हमला, बंदूक के कुंदे से पिटाई में युवक गंभीर घायल

सुपौल, एजेंसी। सुपौल जिले के नदी थानाक्षेत्र के तेतरियाही गांव में सोमवार दोपहर एक सनसनीखेज घटना हुई, जिसमें आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बड़हारा पंचायत के वार्ड-2 में हुई इस घटना में एक सनकी युवक ने अवैध हथियार का इस्तेमाल करते हुए एक व्यक्ति की पिटाई कर दी। बंदूक के कुंदे से किए गए हमले में सिकंदर यादव नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें हमलावर खुलेआम हथियार लहराते और युवक को मारते हुए दिखाई दे रहा है।

खेत से गुजरते समय घात लगाकर हमला : घायल सिकंदर यादव ने बताया कि वह अपने खेत से होकर खाद-बीज खरीदने जा रहा था। जब गांव के ही विजय यादव और उनके परिजनों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। पहले से घात लगाए बैठे विजय यादव ने देसी कट्टा (थ्री नट) से वार किया और फिर बंदूक के कुंदे से उसकी पिटाई शुरू कर दी। हमला इतना गंभीर था कि सिकंदर लहूलुहान हो गया और उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।

वीडियो में हथियार लहराता दिखा हमलावर : जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने पूरी वारदात का वीडियो बना लिया। वीडियो में विजय यादव अवैध हथियार लेकर खुलेआम धमकाता और सिकंदर पर हमला करता नजर आ रहा है। वहीं, कुछ स्थानीय लोग बीच-बचाव की कोशिश करते दिखे। वीडियो वायरल होने के बाद घटना ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया और क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

जख्मी युवक का अस्पताल में इलाज जारी : घायल सिकंदर यादव को स्थानीय लोगों ने अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

प्राचार्य का कार्यालय
राजकीय महिला पोलिटेकनिक, रॉंची
(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग झारखण्ड सरकार)
थरपखना, झारखण्ड् रॉंची - 834001 दूरभाष न० - 0651–2212815/2212123
Email ID:- tharpakhnapolytechnic@gmail.com
पत्रांकः– दिनांकः–

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

संस्थान के पुस्तकालय में नवीनतम संस्करण की छात्रोपयोगी तकनीकी तथा गैर तकनीकी पुस्तकों का क्रय एवं परीक्षा शाखा में उत्तर पुस्तकाओं का मुद्रण कराया जाना है।

संस्थान में उपलब्ध परिमाण विपत्र(BOQ) में अंकित सूची के अनुसार नवीनतम संस्करण की छात्रोपयोगी तकनीकी तथा गैर तकनीकी पुस्तकों की आपूर्ति एवं उत्तर पुस्तकाओं के मुद्रण हेतु प्रतिष्ठित फर्म से निविदा दिनांक 05.12.2024 तक कार्यावधि 05:00 PM तक आमंत्रित की जाती है।

निविदा अलग–अलग मुहर बंद लिफाफे में टेक्नीकल बिड एवं फिनान्सिल बिड स्पष्ट रूप से अंकित रहना चाहिए। सभी प्रतिष्ठित फर्म निविदा में पुस्तकों पर देय छूट की राशि एवं उत्तर पुस्तिकाओं के मुद्रण हेतु न्यूनतम दर प्रति अदद GST सहित (अगर देय हो तो) निश्चित रूप से उल्लेख करेंगे।

नोट :– 1.परिमाण विपत्र(BOQ) प्राप्त करने के लिए Rs-500 (पाँच सौ रूपये मात्र) का राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत डिमांड ड्राफ्ट देना होगा जो Principal Govt. Women's Polytechnic Ranchi के पदनाम से देय होगा तथा विज्ञापन तिथि के बाद का स्वीकार्य होगा।
2. सामग्रियों की आपूर्ति संस्थान में करनी होगी जिसके लिए कोई भाड़ा अलग से देय नहीं होगा
3. बिना कारण बताये उक्त निविदा को आंशिक या पूर्णतः रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
4. निविदा खुलने की तिथि 06.12.2024 को तीन बजे अपराह्न निर्धारित है। उक्त तिथि को निविदाकर्ता या उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं।
प्रभारी प्राचार्य
राजकीय महिला पोलिटेकनिक रॉंची
PR 340558 Higher Education Directorate (24-25)_D

संक्षिप्त समाचार

लड्डू गोपाल हुए चोरी, अगले दिन मंदिर खुला तो अपने स्थान पर रखी मिली मूर्ति...सीसीटीवी में दिखा ऐसा दृश्य

आगरा, एजेंसी। कासगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला बरी में शिव मंदिर से रविवार की रात में लड्डूगोपाल की मूर्ति चोरी हो गई। सीसीटीवी में दो महिलाएं इस मूर्ति को ले जाती हुई दिखाई दीं। मंगलवार की सुबह पुजारी ने मंदिर खोला तो मूर्ति अपनी जगह पर रखी दिखाई दीं। सीसीटीवी से पता चला कि रात को इस मूर्ति को दो पुरुष वापस मंदिर में रख गए हैं।

गांव नगला बरी में प्राचीन शिव मंदिर है। इस मंदिर में करीब 25 किलो वजन की पीतल की लड्डूगोपाल की मूर्ति रखी हुई थी। सोमवार की सुबह जब पुजारी भीका सिंह ने मंदिर खोला तो मूर्ति अपनी जगह से गायब थी। इससे ग्रामीणों में रोष फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास छानबीन की तो एक सीसीटीवी में दो महिलाएं लड्डूगोपाल की मूर्ति को ले जाती हुई दिखाई दीं। पुलिस ने इसके आधार पर छानबीन शुरू कर दी लेकिन कोई भी ग्रामीण उन महिलाओं को नहीं पहचान सका।

मंगलवार की सुबह जब पुजारी ने मंदिर के पट खोले तो मूर्ति अपनी जगह रखी हुई थी। जानकारी मिलते ही पूरा गांव मंदिर पर पहुंच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फिर से सीसीटीवी की जांच की तो पता चला कि बाइक सवार दो युवक मंदिर पर आकर मूर्ति को वापस मंदिर में रख गए हैं। मूर्ति के इस तरह महिलाओं द्वारा चोरी करने और फिर अगली ही रात दो पुरुषों द्वारा वापस मंदिर में मूर्ति रखे जाने की चर्चा पूरे दिन गांव में होती रही। ग्रामीण मूर्ति के वापस मंदिर में आने पर खुश दिखाई दिए।

पति को छोड़ प्रेमी को अपनाया...दो साल की प्रेम कहानी में हुई तीसरी एंट्री, हकीकत सुन ठनका पुलिस का माथा

आगरा , एजेंसी। मैनपुरी के कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने मंगलवार को एसपी कार्यालय पहुंच कर शिकायती पत्र दिया। बताया कि एक युवक शादी का झांसा देता रहा और दो साल तक पत्नी बनाकर रखा। अब किसी अन्य महिला से संबंध हो गए और वह उनकी हत्या करवाना चाहता है। पीड़िता ने कहा कि पुलिस उनकी कोई सुनवाई नहीं कर रही है। एसपी को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि उसकी शादी कस्बा करहल क्षेत्र में हुई थी। किसी बात को लेकर पति से उसका विवाद हो गया था। इस बीच सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव उद्दैतपुर निवासी आरोपी ने उसे गुमराह किया। तमाम तरह से लालच देकर उसे शादी करने का झांसा दिया। इसके बाद लगातार दो सालों तक पत्नी की तरह रखा। अब आरोपी के किसी अन्य महिला के साथ संबंध हो गए हैं। अब वह उसे रास्ते से हटाने की योजना बना रहा है। कभी भी उसकी हत्या करा सकता है। वह कोतवाली में शिकायत लेकर गई लेकिन वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उसका मुकदमा भी दर्ज नहीं किया गया। पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

अलीगढ़, एजेंसी। चंडौस के गांव नगला पदम के एक युवक का शव मंगलवार की सुबह दौरऊ व नूरपुर रेलवे फाटक के बीच रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। नगला पदम के मजरा नगला बादाम निवासी योगेश कुमार (22) पुत्र चंद्रपाल सिंह शादी-पार्टियों में डीजे बजाने का काम करता था। परिजनों ने बताया कि सोमवार देर रात वह गांव नगला पदम की एक शादी में डीजे बजाकर अपनी गाड़ी से लौटा, लेकिन घर के अंदर नहीं गया। योगेश गाड़ी में ही सो गया। सुबह परिजनों ने देखा कि योगेश गाड़ी में नहीं है। उसका मोबाइल और रुपये गाड़ी में रखे मिले। सुबह करीब 6 बजे रेलवे फाटक से ट्रैक पर शव मिलने की पुलिस को सूचना मिली। इसकी जानकारी योगेश के परिजनों को हुई तो वह थाने पहुंच गए। उन्होंने शव की पहचान योगेश के रूप में की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने अनुसार योगेश का कोई अंग नहीं कटा है। सिर व एक हाथ में गंभीर चोट के निशान हैं। उन्होंने कहा कि योगेश गांव से रात में 14 किलोमीटर दूर कैसे आ गया? परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। कोतवाल हरिभान सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

सीएम योगी बोले : इलाहाबाद विश्वविद्यालय का समाज के हर क्षेत्र में योगदान, गौरवशाली परंपरा पुनः होगी वापस

प्रयागराज , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एक गौरवशाली परंपरा रही है। न्याय पालिका में सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला न्यायालय तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय से निकले छात्र सेवा दे रहे हैं। सार्वजनिक जीवन से लेकर विज्ञान, राजनीति, साहित्य. कला, शिक्षा हर क्षेत्र में यहां के छात्र आज देश का नाम रोशन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अपना पुरातन गौरव को प्राप्त करने के लिए जिस तरह से आगे बढ़ रहा है इससे वह दिन दूर नहीं जब वह अपने इस लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेगा। सीएम योगी बुधवार को इलाहबाद विवि के 136 वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जाने माने कवि कुमार विश्वास को मानद उपाधि प्रदान की। साथ ही अन्य मेधावियों को भी उपाधि दी।

सीएम योगी ने कहा कि हमें समय के साथ चलने की जरूरत है। जो समय के साथ नहीं चलता है समय उसको समाप्त कर देता है। इसलिए विवि को चाहिए को वह अपने छात्रों को समय की गति से दस कम आगे चलने के लिए तैयार करना चाहिए ताकि छात्र समय की चुनौतियों का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर सकें। कहा कि इलाहाबाद की यह खासियत है कि यहां जो जिस भाव से आता है वह वैसा ही बन जाता है। कहा कि इलाहाबाद विवि अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है। जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें इलाहाबाद विवि ने इस देश को कुछ न दिया है।

समय के साथ नहीं चले तो बन जाएंगे पिछलग्गू: सीएम योगी ने कहा कि समय के साथ चलेंगे तो समाज, देश और दुनिया हम सबका अनुसरण करेगी नहीं तो हम पिछलग्गू बनकर ही रह जाएंगे। यह व्यक्ति पर निर्भर है कि समय के साथ चलना है या अपने को पिछड़ा घोषित करना कर पिछलग्गू बनकर रहना है। इलाहाबाद विवि इसी द्वंद का शिकार है। विपरीत चुनौतियों का सामना करते हुए विवि अपनी पुरानी, प्रतिष्ठा और गौरव को प्राप्त करने लिए जूझ रहा है। एक दिन इसे जरूर सफलता मिलेगी इसमें कोई संदेह नहीं है।

संविधान की मूल प्रति में नहीं हैं पंथनिरपेक्ष व समाजवादी शब्द: इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में पंथनिरपेक्ष और समाजवाद जैसा कोई शब्द नहीं है। यह दो शब्द तब जोड़े गए जब संसद भंग थी और न्यायपालिका के अधिकार कुंद कर दिए गए थे। जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, वह आज संविधान बचाने का ढिंढोरा पीट रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि यह समाज उन लोगों का मूल्यांकन कब करेगा, जो लोकतंत्र के लिए स्वयं एक खतरा है। इन्होंने संविधान में स्वयं अपनी मर्जी से छेड़छाड़ करने का कुत्सित प्रयास करने के साथ लोकतंत्र को पैरालाइज करने का प्रयास भी किया है। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी के नाम पर परिवारवाद की चाटुकारिता करने वाले यह बताएं कि क्या एक परिवार की चाटुकारिता ही समाजवादी आंदोलन है। उन्होंने छात्र संघ के मुद्दे पर कहा कि छात्र संघ चुनाव में शिरकत करने के लिए अधिकतम आयु निर्धारित होनी चाहिए। सीधे तौर पर पर ना सही लेकिन उन्होंने विश्वविद्यालय में छात्र संघ बहाली की वकालत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंच पर आठ मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए। साथ ही कवि कुमार विश्वास को मानव उपाधि प्रदान की।

कुमार विश्वास को दी गई मानद उपाधि: जाने माने कवि डॉ. कुमार विश्वास को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से मानद उपाधि प्राप्त की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुमार विश्वास को उपाधि प्रदान करने के साथ ही उनकी काफी प्रशंसा की। कहा कि भारत देश का ऐसा कोई व्यक्ति या हिंदी प्रेमी नहीं होगा जो कुमार विश्वास न सुनना चाहता हो।

जिन छात्रों को मिला पदक: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परास्नातक पाठ्यक्रम के तहत एमए संस्कृत की छात्रा दीक्षा पांडे, एमएससी रसायन विज्ञान की छात्रा रिया तिवारी, एमकॉम की छात्रा रिया वर्मा और विधि की छात्रा नेहा उत्तम को अपने हाथ से पदक दिया। स्नातक पाठ्यक्रम में बीए संस्कृत व हिंदी की छात्रा आंचल त्रिपाठी, बीएससी वनस्पति विज्ञान व रसायन विज्ञान की छात्रा मणि रश्मि, बीकॉम के छात्र शुभम कुमार यादव और बीएएलएलबी की छात्रा रितिका सिंह को मंच से स्वर्ण पदक किए जाएंगे। दीक्षांत समारोह के कारण सभी संकायों की कक्षाएं और अन्य कार्यक्रम स्थगित रहेंगे।

बीए में दिए गए 25 पदक: इस वर्ष बीए स्नातक के विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को 25 पदक प्रदान किए गए हिंदी की आंचल त्रिपाठी को छह, अर्थशास्त्र के हर्ष वर्धन बाजपेयी को चार पदक मिले। इनके अलावा रक्षा अध्ययन में सौरभ यादव, शिक्षाशास्त्र में आयुष्मान त्रिपाठी, अंग्रेजी साहित्य में अनुज मिश्र, भूगोल में हर्ष वैभव सिंह, हिंदी में विपिन तिवारी, मुस्लिम छात्रा में शिरीन खान, संगीत में अनुराग यादव, दर्शन में सिद्धांत कैथल, राजनीति विज्ञान में शशांक यादव, संस्कृत में निशांत सिंह व उर्दू में उमरा यूसूफ को पदक दिया गया।

बीएससी में 12 व बीटेक में तीन पदक: बीएससी स्नातक के विभिन्न विषयों के 12 विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए गए। इनमें मणि रश्मि, नित्या सक्सेना, अतुल कुमार सोनी, ग्रेसी यादव शामिल हैं। वहीं, बीटेक स्नातक में अंजलि भारती को शिखा मेमोरियल स्वर्ण पदक और किशन कुमार को समीर मेमोरियल स्वर्ण पदक व स्मृतिशाला एल्युमिनाई एसोसिएशन स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

एलएलबी की अंजुम आरा को मिले चार मेडल: एलएलबी आनर्स की टॉपर छात्रा अंजुम आरा को चार पदक मिले। इनमें लम्सडेन स्वर्ण पदक, सर हेनरी रिचर्ड स्वर्ण पदक, राम मोहन दे स्वर्ण पदक व एसपी गुप्ता स्वर्ण पदक शामिल हैं।

उप डाकघर में चोरी: दो कम्प्यूटर और तीन प्रिंटर ले गए चोर, सीसीटीवी में नहीं लगा सुराग

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के फाउंड्री नगर स्थित उप डाकघर का चोरों ने जंगला तोड़ दिया। यहां से चोर कम्प्यूटर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी सुबह हो सकी, जब स्टाफ उप डाकघर पहुंचा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

ये घटना थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के फाउंड्री नगर की है। यहां पर उप डाकघर है, जिसे बुधवार रात चोरों ने निशाना बनाया। सब पोस्टमास्टर नगला खेड़ा शमशाबाद रोड निवासी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि वह दो साल नौकरी कर रहे हैं। मंगलवार शाम पांच बजे पोस्टमैन दुष्यंत कुमार के साथ अपने घर चले गए। सुबह 9:30 पर देखा कि कार्यालय का जंगला टूटा पड़ा है।

उप डाकघर से चोर दो कम्प्यूटर, एक यूपीएस और तीन प्रिंटर चोरी कर ले गए। उन्होंने तत्काल ही घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने निरीक्षण किया। इसके बाद सीसीटीवी भी खंगाले गए। पुलिस को वारदात के संबंध में कोई अहम सुराग हाथ नहीं लग सके हैं।

बरेली हादसा: गूगल मैप पर अब नहीं दिखेगा मौत का रास्ता, शासन को भेजी गई रिपोर्ट; जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय

बरेली, एजेंसी। बरेली जिले की सीमा से सटे बदायूं के दातागंज क्षेत्र में रामगंगा नदी पर बने अधूरे पुल पर हुए हादसे के बाद डीएम निधि श्रीवास्तव ने जांच कराकर अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। रिपोर्ट में पुल पर आवागमन रोकने संबंधी उपाय न किए जाने का हवाला दिया गया है। वहीं, पुल से कार गिरने के मामले में प्रशासन गूगल को भी दोषी मान रहा है। इसके बाद अब गूगल मैप से इस रास्ते को हटा दिया गया है। चर्चा है कि इस मामले में एक्सईएन भी कार्रवाई की जद में आ सकते हैं। इस मामले में दातागंज के नायब तहसीलदार छविराम ने सहायक अभियंता मोहम्मद आरिफ व अभिषेक कुमार, अवर अभियंता अजय गंगवार और महाराज सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दातागंज से बरेली के फरीदपुर जाने वाले मार्ग पर मुड़ा गांव के पास में पुल बना हुआ है। सितंबर 2023 में बाढ़ आने पर फरीदपुर की ओर पुल का एप्रोच रोड वह गया था, तभी से इस पुल पर आवागमन बंद चल रहा था। लोक निर्माण विभाग की ओर से वहां पर दीवार लगा दी गई थी। लेकिन, कुछ लोगों ने उस दीवार को तोड़ दिया था। दूसरी ओर गूगल मैप पर इस रास्ते को सही दिखाया जा रहा था। इसकी वजह से रविवार तड़के कार सवार तीन लोग हादसे का शिकार हो गए। वह गूगल मैप के सहारे आगे चलते चले गए और पुल खत्म होते ही उनकी कार 20 फुट नीचे जा गिरी, जिससे तीनों लोगों की जान चली गई।

घटना के बाद बदायूं की डीएम निधि श्रीवास्तव ने इस मामले में जांच कराके अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी। इससे पहले घटना वाले दिन एसडीएम दातागंज ने डीएम को रिपोर्ट भेजकर पुल पर बरती गई लापरवाही के बारे में बताया था। शासन को भेजी गई रिपोर्ट में बताया कि पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे। छोटी सी एक दीवार बनाई गई थी वह भी टूटी पड़ी थी। इसके अलावा कोई संकेतक नहीं था।

अधूरे पुल से कार समेत गिरकर तीन युवकों की मौत के मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) बदायूं के पांच अभियंताओं को जिम्मेदार माना गया है। संपर्क मार्ग के बह जाने के बाद अधूरे पड़े पुल पर इन्होंने आवागमन रोकने के उचित प्रबंध नहीं किए थे। मुख्य अभियंता अजय कुमार ने अधिशासी अभियंता नरेश कुमार, सहायक अभियंता मोहम्मद आरिफ, अभिषेक कुमार, अवर अभियंता अजय गंगवार और महाराज सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा है। इनका निलंबन तय माना जा रहा है।

खनन माफिया हाजी इकबाल के बेटों को नहीं मिली जमानत, हाईकोर्ट ने खारिज की अर्जी

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ के कथित खनन माफिया हाजी इकबाल के दो बेटों को गैंगस्टर मामले में जमानत देने से इन्कार कर दिया। न्यायालय ने पाया कि आरोपी पिता पहले ही देश छोड़कर फरार है और दुबई में रह रहा है। ऐसे में बेटों को जमानत दी गई तो यह भी विदेश भाग सकते हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की अदालत ने जावेद और अलीशान की जमानत अर्जी पर दिया। सहारनपुर के थाना मिर्जापुर में जावेद और अलीशान पर एफआईआर दर्ज है। आरोप है कि ये लोग आरोपी पिता हाजी इकबाल के साथ मिलकर एक गिरोह चलाते हैं। इसमें पांच अन्य लोग भी शामिल हैं। गिरोह के लोग जबरन वसूली, जान से मारने की धमकी देने आदि में संलिप्त हैं। लकड़ी की तस्करी, अवैध खनन और सार्वजनिक भूमि पर कब्जे के अवैध कार्य में भी शामिल हैं। पुलिस ने इनपर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। आरोपियों ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है।आवेदक के सीनियर अधिवक्ता मनीष तिवारी ने दलील दी कि दर्ज एफआईआर में गैंगस्टर अधिनियम के प्रावधानों का दुरुपयोग है, क्योंकि आवेदक को गैंग चार्ट में उल्लिखित दो मामलों के आधार पर ही इस मामले में फंसाया गया है। आवेदक एक अपराध में दोषमुक्त हो गए हैं। ऐसे में इस मामले में जमानत के हकदार हैं। राज्य की तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल व अपर शासकीय अधिवक्ता विकास सहाय ने जमानत आवेदन का विरोध किया। दलील दी कि आवेदकों के भागने का खतरा है, क्योंकि उनके पिता मुख्य आरोपी हाजी इकबाल पहले ही देश छोड़कर भाग चुके हैं।

कबड्डी में पिलखुनिया व खो-खो में सहारा की टीम बनीं विजेता

अलीगढ़, एजेंसी। एलबीके सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान पर मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता हुई। कबड्डी जूनियर वर्ग में पिलखुनिया की टीम और खो-खो में सहारा की टीम विजेता रहीं। प्राथमिक स्तरीय 50 मीटर दौड़ में उमेश, अंजली, 100 मीटर दौड़ में आदित्य व सृष्टि, 200 मीटर दौड़ में लव व खुशबू, 400 मीटर दौड़ में करन व वंदना, कबड्डी में महुआ व कजरौठ, खो-खो में मुहरैनी व सहारा कलां, लंबी कूद में गौरव विजेता बने। जूनियर स्तरीय 100 मीटर दौड़ में जगन्नाथ व दिया, 200 मीटर दौड़ में हेमंत व संगीता, 400 मीटर दौड़ में कृष्णा व प्रीति, 600 मीटर दौड़ में शिवम एवं शिवानी, लंबी कूद में जतिन व साक्षी, ऊंची कूद में हिमांशु व साक्षी, गोला फेंक में अमित कुमार व कुंती, तश्तरी फेंक में अमर सिंह व रानी, कबड्डी बालक व बालिका में पिलखुनिया, खो-खो में सहारा, योग में नौगवां व साथनी, अंताक्षरी में खेड़िया पाताल और एकांकी में कारेका की टीम विजेता रही। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ विधायक राजकुमार सहयोगी, खंड शिक्षाधिकारी एलवी द्विवेदी, प्रबंधक हरीमोहन अग्रवाल, शिक्षक नेता राजेश कटारा, पूरन चंद्र शर्मा व डॉ. रामकुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

युवा कारोबारी की मौत: मां से किया वो वादा...रह गया अधूरा

दर्दनाक हादसे में गई जान; अर्थी उठी तो मचा चीत्कार

आगरा। आगरा के पंचवटी पार्श्वनाथ कॉलोनी में मंगलवार को हर चेहरा गमजदा था। मथुरा में एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में युवा कारोबारी रौनक की मौत की खबर ने हर किसी को हिलाकर रख दिया। मां को बेटे के सेहरा पहनने का इंतजार था मगर शव घर पहुंचा तो मां की चीत्कार से कलेजे कांप उठे। उनके साथ कर्मचारी विकास की मौत से उनके घर भी कोहराम मचा था।

ताजगंज की पंचवटी पार्श्वनाथ कॉलोनी निवासी रौनक सलूजा (28) के सदर बाजार में खेलकूद के सामान के दो शोरूम हैं। जिसे रौनक सलूजा अपने चाचा हेमंत सलूजा के साथ संभालते थे। दोनों शोरूम के नाम रौनक स्पोर्ट्स हैं। परिवार में मां सिम्मी सलूजा, पिता अरुण सलूजा और छोटी बहन सौम्या सेठ हैं। चाचा हेमंत ने बताया सौम्या की ससुराल में मंगलवार को शादी का कार्यक्रम था। मंगलवार को सदर बाजार बंद रहता है। रौनक को बहन के यहां मंगलवार रात को शादी समारोह में शामिल होना था।

वह सुबह 4 बजे कर्मचारी विकास कुमार के साथ एसयूवी से दिल्ली गए थे। सुबह 4:30 बजे मां सिम्मी सलूजा को फोन करके बताया कि वह यमुना एक्सप्रेसवे के पहले टोल के पास हैं। जिस पर मां ने उन्हें हिदायत देकर गाड़ी चलाते समय नींद से बचने को कहा था।

आधे घंटे बाद मां ने रौनक को कई बार कॉल की वह रिसीव नहीं हुई। इस पर मां घबरा गईं। उन्होंने बेटी सौम्या को बताया, रौनक को कॉल करने को कहा। बहन सौम्या के कॉल करने पर दूसरी ओर से किसी राहगीर ने कॉल रिसीव करके हादसे में दोनों के घायल होने की जानकारी दी। इस पर परिजन तुरंत ही घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। कर्मचारी विकास की मौके पर मौत हो चुकी थी। रौनक सलूजा को परिजन एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लेकर आए। यहां डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। रिश्तेदार और मित्र पंचवटी पार्श्वनाथ स्थित घर पर जुट गए।

चाचा हेमंत ने बताया कि रौनक परिवार में सबके लाडले थे। मां सिम्मी समेत सभी परिजन कई वर्ष से रौनक के लिए लड़की देखने की बात कर रहे थे। रौनक ने पूरा ध्यान कारोबार पर लगा रखा था। जिसके चलते वह इसे टाल देते थे। उन्होंने मां से वर्ष 2025 में शादी करने का वादा किया था। जिस पर परिजन उनके लिए लड़की देख रहे थे। कॉलोनी के श्याम भोजवानी ने बताया कि रौनक का हंसमुख और मिलनसार स्वभाव सभी को अपनी ओर आकर्षित करता था। वह कॉलोनी के लोगों का भी सहयोग करते थे।

अधूरे पुलों के पहुंच मार्ग पर बनेगी 1.5 मीटर ऊंची दीवार, बरेली हादसे के बाद शासन ने लिया फैसला

लखनऊ, एजेंसी। अधूरे और क्षतिग्रस्त पुलों के पहुंच मार्ग पर डेढ़ मीटर ऊंची आरसीसी की दीवार बनाई जाएगी। बरेली में हुए हादसे के बाद पीडब्ल्यूडी मुख्यालय ने सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों में कहा गया है कि असुरक्षित, क्षतिग्रस्त और अधूरे पुलों पर वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए तीन दीवारें निर्मित होंगी। पहली दीवार संवेदनशील स्थल से 20-25 मीटर दूरी पर, दूसरी दीवार 50-100 मीटर की दूरी पर और तीसरी एप्रोच रोड पर दोनों ओर बनाई जाएगी। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे सेतुओं का सहायक अभियंता सप्ताह में एक बार, अधिशासी अभियंता व अधीक्षण अभियंता 15 दिन में एक बार और मुख्य अभियंता महीने में एक बार निरीक्षण करेंगे। प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में अगले साल आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले को अच्छे से संपन्न कराने के लिए 25 पीसीएस अधिकारी और 16 और नायब तहसीलदारों की तैनाती की है। नियुक्ति और राजस्व परिषद की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। महाकुंभ के लिए बनाए जाने वाले सेक्टरों का प्रभारी पीसीएस अधिकारियों को बनाया गया है और उनके साथ तहसीलदार व नायब तहसीलदारों को लगाया गया है।

संपादकीय

चुनावी नतीजों का संदेश

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए हुए चुनावों के साथ तेरह राज्यों की छियालीस सीटों पर उपचुनावों के नतीजे यही बताते हैं कि सभी जगहों पर कोई एक ही हवा नहीं बह रही थी और अलग-अलग राजनीतिक दलों को कामयाबी मिली है। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों पर सबकी नजर थी, जहां के नतीजों को राष्ट्रीय राजनीति पर असर डालने वाले एक प्रमुख कारक के तौर पर देखा जा रहा है। एक ओर, महाराष्ट्र में जहां सत्ता में रही महायुति गठबंधन को अप्रत्याशित कामयाबी मिली, वहीं झारखंड में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले सत्ताधारी इंडिया गठबंधन को अच्छी जीत मिली। इससे यही साफ होता है कि दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान कई जगहों पर मतदान पर सत्ता-विरोधी लहर का असर पड़ने की जो आशंका जाहिर की जा रही थी, वह निराधार निकली। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन और खासतौर पर भाजपा को जैसी सफलता मिली है, उसकी उम्मीद शायद राजग के नेताओं को भी नहीं रही होगी। दरअसल, महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी गठबंधन इस बात को लेकर आश्वस्त था कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने जिस तरह मूल पार्टी को तोड़ कर भाजपा के साथ सरकार बनाई थी और उसके बाद राज्य में उसका जो प्रदर्शन रहा, उसके मद्देनजर मतदाता अलग विकल्प चुनेंगे। मगर चुनाव के दौरान महायुति गठबंधन से जुड़े दल और खासतौर पर भाजपा की ओर से जिस तरह का आक्रामक प्रचार अभियान चलाया गया, उसने आम जनता को शायद ज्यादा प्रभावित किया। हालांकि 'इंडिया' के कुछ नेताओं की ओर से मतदान और गिनती से संबंधित सवाल उठाए गए, लेकिन इस पर स्पष्टता कायम करना चुनाव आयोग का काम है। अब चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र में जैसे समीकरण बनते दिख रहे हैं, उसमें महायुति के सामने एक बड़ी चुनौती मुख्यमंत्री पद के लिए चुनाव की होगी। वहीं आने वाले दिनों में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सामने अपनी प्रासंगिकता को फिर से कायम करने की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से पूरा प्रयास किया गया कि चुनाव में झामुमो सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर बनाई जा सके, लेकिन उसमें उसे नाकामी ही मिली। झामुमो और सहयोगी दलों ने पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत जीत दर्ज की है। ऐसा लगता है कि झारखंड में हेमंत सोरेन को एक मामले में जेल जाने के बावजूद अपने कार्यकाल में शुरू कुछ योजनाओं और अन्य मुद्दों पर वहां के मतदाताओं ने अपना स्पष्ट समर्थन दिया। जाहिर है, हेमंत सोरेन अब ज्यादा सशक्त होकर अपनी अगली सरकार चलाने में खुद को शायद अधिक सहज महसूस करें। जहां तक उपचुनावों का सवाल है तो तेरह अन्य राज्यों में छियालीस सीटों पर मतदान के नतीजे मिले-जुले आए हैं। मसलन, बिहार में चारों सीटों पर राजग के उम्मीदवार जीते, वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का स्पष्ट दबदबा रहा।

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा और लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं।

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

(उमेश चतुर्वेदी)

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं।

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है।

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया।

29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है।

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है।

चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, 'अपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार।' बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था। दोनों का मानना था कि सदियों से बजबजा रहे गांव भारतीय लोकतंत्र को राह नहीं दिखा सकते।

संविधान सभा में कई मुद्दों पर सदस्यों के बीच तीखी बहसें हुईं। आज जिसे हम लोकशाही या नौकरशाही कहते हैं, उसके अधिकारों को लेकर भी तीखी बहस हुई। दिलचस्प यह है कि संविधान सभा के कई सदस्यों को ब्यूरोक्रेसी को संवैधानिक अधिकार संपन्न बनाने पर एतराज था। उनका मानना था कि वे वैसा ही काम करेगी, जैसा अंग्रेजी सरकार के दौरान करती थी। एम ए अयंगार जैसे वरिष्ठ और माननीय सवाल ने नौकरशाही को वेतन और अधिकार की गारंटी देने पर सवाल उठाते हुए पूछा था था कि जब आम आदमी को रोटी और कपड़ा की गारंटी नहीं है, तो उन अधिकारियों को गारंटी क्यों दी जाए, जो विदेशी सत्ता की कठपुतली थी। तब पटेल ने अधिकारियों को ताकत देने का बचाव करते हुए तर्क दिया था कि एक बार अफसरशाही स्थापित हो जाएगी तो अधिकारी बदलाव के लिए राजी हो जाएंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या अधिकारी बदलाव को राजी हुए, क्या वे लोकोन्मुख हुए, क्या उनका व्यवहार पुराने जमींदारों, रजवाड़ों या अंग्रेजों जैसा नहीं है अपवादों को छोड़ दें तो कितने अधिकारी ऐसे हैं, जो खुद को आम लोगों जैसा मानते हैं और विशेषाधिकार नहीं चाहते

भारत की भाषा समस्या का समुचित समाधान संविधान में नहीं दिखता। देसी होकर भी हिंदी अब भी दक्षिण और पूर्व के कुछ राज्यों के लिए स्वीकार्य नहीं बन पाई है और विदेशी अंग्रेजी इस देश की असल ताकतवर और राजभाषा बनी हुई है। हिंदी की जगह भारतीय भाषाओं की बात करने से हिंदी विरोध की आंच धीमी तो हो जाती है, लेकिन अंग्रेजी की ताकत नहीं घटती। अंबेडकर चाहते थे कि संस्कृत राजभाषा हो, लेकिन नेहरू के दबदबे के चलते अपनी राय को मजबूती से रख नहीं पाए।

सोचिए, अगर भारत में व्यक्ति की जगह गांवों को राज्य की इकाई माना गया होता तो क्या होता संवैधानिक उपबंधों के चलते गांव हमारे विकास प्रक्रिया और शासन की इकाई होते। तब आज का भारतीय परिदृश्य बदला हुआ होता। भारतीयता की सोंधी गमक के साथ अंदरूनी पलायन और बेरोजगारी जैसी समस्याएं काबू में रहतीं। अधिसंख्य जनसंख्या गांवों में ही रहती। शहरीकरण तेज नहीं होता और जनसांख्यिकी दबाव से शहरी ढांचा चरमरा नहीं रहा होता। इसी तरह अगर अफसरशाही को संवैधानिक गारंटी नहीं मिली होती तो बराबरी का भाव कहीं ज्यादा होता, तब अफसरशाही माने भ्रष्टाचार नहीं होता, तब हर रोग की जड़ी और इलाज अफसरशाही को ही नहीं माना जाता। समाज और व्यवस्था के सबसे बड़ी योग्यता अफसरशाही नहीं होती, तब सामाजिक परिदृश्य बदला होता। इसी तरह भाषाओं को लेकर आए दिन होने वाली लड़ाइयों की गुंजाइश नहीं होती। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

(ललित गर्ग)

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया।

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी।

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती।

आखिर अडानी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं 'अमेरिकी'

(कमलेश पांडे)

ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल है कि जब भारत में रिश्वत देने के आरोप लगाए गए हैं तो फिर केस यूएस यानी अमेरिका में क्यों इसका जवाब यही है कि अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या बाजारों से जुड़े विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है।

जिस तरह से दुनिया के थानेदार अमेरिका में अदाणी ग्रुप के चेयरमैन उद्योगपति गौतम अदाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं, उसके दृष्टिगत यह सवाल मौजूं है कि जब रिश्वत का आरोप भारत में लगाया गया है तो फिर अमेरिका में जांच कैसे शुरू हो गई उससे भी बड़ा सवाल यह है कि आखिर अमेरिका और उसके लोग, भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के चहेते उद्योगपति अडानी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं क्या किसी भारतीय उद्योगपति या राजनीतिक दल के शह पर ऐसा किया जा रहा है या फिर कोई अन्य कूटनीतिक वजह है

क्योंकि यह महज इत्तेफाक नहीं समझा जा सकता है कि पिछले साल 2023 में अमेरिकी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से शुरू हुए विवाद के बाद अब वर्ष 2024 में अदाणी समूह पर सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने का उछला ताजा मामला एक अदद मामला भर है वजह यह कि इससे अडानी समूह के शेयरों के भाव गिरते हैं और कम्पनी को काफी क्षति उठानी पड़ती है! इसलिए हमें यह जानना चाहिए कि आखिर में यह मामला क्या है, क्यों है, कैसे है, किसके लिए है और अंत में, इसका समुचित हल क्या है आइए इस पूरी बात को क्रमबद्ध तरीके से समझने की कोशिश करते हैं।

बता दें कि यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस ने अदाणी पर भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (2200 करोड़ रुपए से ज्यादा) की रिश्वत देने का आरोप लगाया है, जो एक गम्भीर बात है। क्योंकि यूएस अटॉर्नी ऑफिस ने आरोप में कहा है कि अदाणी ने अपनी कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी को सोलर एनर्जी से जुड़े प्रोजेक्ट्स और कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए भारतीय अधिकायों को 2100 करोड़ रुपए से ज्यादा की रिश्वत दी है।

ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल है कि जब भारत में रिश्वत देने के आरोप लगाए गए हैं तो फिर केस यूएस यानी अमेरिका में क्यों इसका जवाब यही है कि अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या बाजारों से जुड़े विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है। चूंकि, प्रोजेक्ट में अमेरिका के इन्वेस्टर्स का पैसा लगा था और अमेरिकी कानून के तहत उस पैसे को रिश्वत के रूप में देना अपराध है, इसलिए अमेरिका में मामला इसलिए दर्ज हुआ।

मसलन, अदाणी पर आरोप है कि उन्होंने 2021 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। उसके बाद राज्य सरकार 7,000 मेगावाट बिजली खरीदने पर सहमत हुई थी। आंध्र के अधिकारियों को 25 लाख रुपये प्रति मेगावाट की दर से कथित रिश्वत दी गई। इसके अलावा, अमेरिकी सिक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भी कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया। खास बात यह है कि उन्होंने इस बात को उन अमेरिकी बैंकों और इंवेस्टर्स से छिपाया है, जिनसे अदाणी ग्रुप ने इस प्रोजेक्ट के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे।

लिहाजा, अमेरिकी प्रोसिक्यूटर्स का दावा है कि कंपनी के दूसरे सीनियर अधिकारियों ने कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को पैसा देने पर सहमति जताई थी। बता दें कि अडानी समूह ने साल 2021 में एक बॉन्ड ऑफर कर अमेरिका के अलावा दूसरे इंटरनैशनल इंवेस्टर्स और अमेरिका के बैंकों से फंड जुटाया है। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने बयान में कहा है कि कथित साजिश के तहत अदाणी ग्रीन ने अमेरिकी निवेशकों से 17.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए और एज्यूर पावर का शेयर न्यूयॉर्क शेयर बाजार में लिस्टेड किया। साथ ही, न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने अदाणी, सागर अदाणी, सिरिल कैबनेस और अदाणी ग्रीन और एज्यूर पावर से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक आरोप लगाए हैं।

वहीं, अदाणी ग्रुप ने रिश्वतखोरी के आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें बेबुनियाद बताया है। उसने कहा है कि ग्रुप सभी कानूनों का पालन करता रहा है। वह इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगा। ग्रुप के प्रवक्ता ने अमेरिकी न्याय विभाग के बयान का हवाला दिया, जिसमें कहा गया जिसका अडानी पर यह केवल आरोप है और जब तक दोष साबित न हो जाए तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाएगा। लिहाजा, बयान में कहा गया कि हम आश्वस्त करते हैं कि हम एक कानून का पालन करने वाले संगठन है। अदाणी ग्रुप ने अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. के 60 करोड़ डॉलर के बॉण्ड को रद्द कर दिया है। उल्लेखनीय है कि अदाणी ग्रीन एनर्जी को गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में ठेका मिला है।

ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल है कि जब भारत में रिश्वत देने के आरोप लगाए गए हैं तो फिर केस यूएस यानी अमेरिका में क्यों इसका जवाब यही है कि अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या बाजारों से जुड़े विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है। चूंकि, प्रोजेक्ट में अमेरिका के इन्वेस्टर्स का पैसा लगा था और अमेरिकी कानून के तहत उस पैसे को रिश्वत के रूप में देना अपराध है, इसलिए अमेरिका में मामला इसलिए दर्ज हुआ।

चूंकि अमेरिका भारत का मित्र देश भी है, इसलिए ये आरोप अहम हैं। हालांकि, जिस तरह से अमेरिकी चुनावों में परास्त राष्ट्रपति जो बाइडेन के मातहत प्रशासन ने रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़काने और भारत के उद्योगपति को भ्रष्टाचार के मामले में उलझाने की पहल जाते-जाते की है, इसके अंतर्राष्ट्रीय सियासी मायने को भी समझने की जरूरत है। शायद वह भावी ट्रंफ प्रशासन के लिए मुश्किलें पैदा करना चाहता हो।

सवाल यह है कि आखिर यह हंगामा किन-किन प्रोजेक्ट्स को लेकर मचा है तो जवाब यही होगा कि अमेरिकी प्रोसिक्यूटर्स के अनुसार, एनर्जी कंपनी के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अदाणी है। अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी है, जो उनके भतीजे हैं। इसके अलावा, एज्योर पावर के सीईओ रहे रंजीत गुप्ता, एज्योर पावर में सलाहकार रूपेश अग्रवाल अमेरिकी इश्यूअर हैं। हुआ यह है कि अदाणी ग्रीन एनर्जी और अमेरिकी इश्यूअर ने सरकारी स्वामित्व वाली सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) को 12 गीगावाट सोलर एनर्जी उपलब्ध कराने का कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया था।

हालांकि, एसईसीआई को सौर ऊर्जा खरीदने के लिए भारत में खरीदार नहीं मिल पाए। लिहाजा खरीदारों के बिना सौदा आगे नहीं बढ़ सकता था और दोनों कंपनियों के सामने बड़े नुकसान का जोखिम था। इसलिए अदाणी ग्रुप और एज्योर पावर ने भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की योजना बनाई। तो फिर यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर में रिश्वत का हिस्सा किनको किनको मिला उसमें भी सबसे बड़ा हिस्सा किनको मिला इसके जवाब भी अमेरिकी प्रशासन के आरोपों से मिलते हैं। अमेरिकी प्रशासन के आरोपों के मुताबिक, इन लोगों ने तय किया कि सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वो राज्य बिजली वितरण कंपनियों को एसईसीआई के साथ बिजली आपूर्ति समझौते में शामिल होने के लिए तैयार करेंगे। शायद इसलिए उन्होंने भारतीय अफसरों को करीब 265 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने का वादा किया, जिसका एक बड़ा हिस्सा आंध्र प्रदेश के अधिकारियों को दिया गया। फलाफल यह निकला कि इसके बाद कुछ राज्य बिजली कंपनियां सहमत हुई और दोनों कंपनियों से सौर ऊर्जा खरीदने के लिए एसईसीआई के साथ समझौता किया।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय रांची में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य मुख्य अतिथि के रूप में सहायक महाधिवक्ता आशुतोष आनंद को आमंत्रित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई मुख्य अतिथि को भेंट स्वरूप श्रीफल ,पौधा , मोमेंटो दिया गया। इन्होंने अपने वक्तव्य में संविधान और युवा- भावी नागरिकों का पोषण के संदर्भ में विचार प्रस्तुत किए प्रस्तावना की शपथ दिलाई एवं मौलिक कर्तव्यों के बारे में बताया।

विधि संकाय के छात्र-छात्राओं द्वारा इस अवसर पर भाषण, लघु नाटक का मंचन किया गया जिसमें मौलिक अधिकारों एवं भ्रष्टाचार को उजागर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एस चटर्जी कुलसचिव डॉ अमित कुमार पांडे मौजूद थे।स्वागत भाषण छात्र कल्याण संघ की अध्यक्ष डॉ अनिता कुमारी द्वारा दिया गया धन्यवाद ज्ञापन शैक्षणिक संकायाध्यक्ष डॉ शीतल टोप्पणो द्वारा दिया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष आकाश कुमार सिन्हा, अमित झा, जया वत्स, आकाश राज अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं शामिल थे।

अवैध बालू लदा तीन हाइवा जब्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। प्रखंड अंतर्गत जोभिया घाटी और पसेरिया घाटी के बीच से गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार रात्रि को बड़कागांव अंचलाधिकारी मनोज कुमार द्वारा अवैध बालू लदा तीन हाइवा जब्त किया गया। जब्त हाइवा को उरीमारी थाना प्रभारी को सौंप दिया गया। जब्त दो हाइवा को उरीमारी थाना ले जाया गया तथा तीसरे हाइवा ले जाने के क्रम में हाइवा मालिक द्वारा लोकर से हाइवा में लगे जीपीएस को बंद कर दिया। जिससे हाइवा बंद हो गया। वहीं पदाधिकारियों द्वारा जब्त हाइवा की सभी तरह के दस्तावेज जांच की जा रही है।वहीं कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मचा है। जानकारी के मुताबिक गाड़ी छुड़ाने को लेकर कई जनप्रतिनिधि व समाजसेवी एड़ी-चोटी लगाते रहे। वहीं बड़कागांव प्रखंड में एक भी नदी बालू घाट टेंडर नहीं होना और रोजाना सैकड़ों गाडी हाइवा-ट्रैक्टर से अवैध बालू ढुलाई की जा रही है। दर्जनों बालू यार्ड संचालित है। वहीं अंचलाधिकारी मनोज कुमार से संपर्क करना चाहा तो संपर्क नहीं हो सका।

शिल्पे अनन्या पत्रिका 69वीं अंक का विमोचन लिंडसे क्लब में सम्पन्न

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। लिंडसे क्लब, हीरापुर में बुधवार को धनबाद से प्रकाशित त्रैमासिक बंगला पत्रिका शिल्पे अनन्या का 69वीं अंक का विमोचन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंचासीन में प्रो.डॉ.दीपक कुमार सेन, डॉ.काशी नाथ चटर्जी, कवि कनकन गुप्ता, शिशिर राय चौधरी, तपन राय व संचालन मनोज मजूमदार द्वारा किया गया। सबसे पहले बंगाल के प्रख्यात कवि अरुण चक्रवर्ती को श्रद्धांजलि देते हुए कार्यक्रम का शुरुआत किया गया। शिल्पे अनन्या के संपादक प्रो.डॉ.दीपक कुमार सेन ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुझे आज बहुत खुशी हो रही है कि आज हम 69 वीं अंक का विमोचन कर रहे है। आज पत्रिका का रजिस्ट्रेशन के साथ आईएसएसएन भी हो चुका है। 1977 में शुरू किया हुआ यह पत्रिका आज भी निरंतर प्रकाशित हो रहा है। इस पत्रिका में देश के प्रख्यात लेखक और कवि का लिखा प्रकाशित होता रहा है। भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.काशी नाथ चटर्जी ने सबसे पहले संपादक को बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में लिटिल मैगजीन का संकट का दौर है। इस परिस्थिति में भी इस पत्रिका का निकालना कठिन है। फिर भी यह पत्रिका झारखंड से निकल रही है। दुख की बात है युवाओं में पढ़ने की संस्कृति घटा है। लोग कम अध्ययन कर ज्यादा समझना चाहते है।इसके साथ अपने विचार जयदीप बनर्जी, सलिल विश्वास, कल्याण घोषाल, प्रो.वरुण सरकार, संदीप चटर्जी, राज कुमार सरकार, अरुण बनर्जी रखा गया। इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न करने में परेश नाथ बनर्जी, भोला नाथ राम व मधेश्वर नाथ भगत का सहयोग रहा।

चतरा गौशाला चतरा द्वारा धेनु मानस गौ कथा के आयोजन को लेकर हुई बैठक

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,चतरा। बुधवार को चतरा गौशाला चतरा के कार्यालय में धेनु मानस गौ कथा आयोजन के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु गौशाला अध्यक्ष विद्या सागर आर्य की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में सभी आमंत्रित सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं से कथा के सफल आयोजन को लेकर सुझाव मांगे गए। सभी आमंत्रित सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने अपना अपना सुझाव और मंतव्य दिया। इस कार्यक्रम के निमित्त शहर के विकास भवन, पोस्ट आफिस, टीओपी, एवं गंदीरी मंदिर के निकट धेनु मानस गौ कथा का पोस्टर लगाया जा चुका है। आने वालेएक दो दिनों में वृहद स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाकर चंदा के लिए आग्रह किया जायगा। तदुपरांत प्रखण्डों में जनसम्पर्क के लिए गौभक्तों की टोली प्रस्थान करेगी। इस आशय की जानकारी गौशाला सचिव जितेंद्र कुमार पाठक ने दी। बुधवार को आयोजित इस बैठक में मुख्य रूप से गौशाला सचिव जितेन्द्र कुमार पाठक, गंगाधर शास्त्री, नित्येन रंजन, पंकज कुमार दुबे, प्रदीप रावत, रंजित अग्रवाल, बिनोद श्रीवास्तव, आलोक रंजन, मोहित कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

चौपारण के करंजुआ जंगल से डेढ़ लाख का अवैध शराब हुआ बरामद

करंजुआ जंगल में लंबे समय से चल रही थी मिनी शराब फैक्ट्री

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,चौपारण(हजारीबाग)। थाना से मात्र 4 किमी दूर ताजपुर पंचायत के ग्राम करंजुआ जंगल में अवैध अंग्रेजी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन हुआ। चौपारण पुलिस, उत्पाद विभाग की टीम, आरक्षी हवलदार पुलिस एवं गृहरक्षकों ने ग्राम करंजुआ के जंगल में छापेमारी कर मिनी शराब फैक्ट्री से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। जहां से अवैध विदेशी शराब, कैरेमल, शुषव, विभिन्न ब्रांड के लेबल, खाली बोतल, ढक्कन, आसंजक सहित अवैध शराब बनाने की ढेर सारी सामग्रीयां बरामद की गई। इस धंधे में संलिप्त अभियुक्त पुलिस के आने की आहट से घटनास्थल से फरार हो गए।घटनास्थल से फरार संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। बताया जाता है कि कुछ माह पूर्व वन विभाग ने करवाई कर करंजुआ जंगल में बने अवैध मकान से शराब बनाने की सामग्री जप्त कर रेंज कार्यालय चौपारण लाया थी। जिसके आलोक में वन कर्मी पर रुपये मांगने का आरोप लगा कर उसे स्थानांतरित भी कर दिया गया था। उत्पाद विभाग द्वारा बरामद अवैध विदेशी शराब 162.200 लीटर, सुषव 105 लीटर, लेबल 7750 पीस, ढक्कन 5265 पीस, खाली बोतल 1536 पीस, कैरेमल- 5 लीटर शराब को उत्पाद विभाग की टीम जप्त कर सीधे हजारीबाग ले गयी। यह छापामारी उत्पाद विभाग के टीम में शामिल अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार, भुनेश्वर नायक, कृष्णा प्रजापति तथा चौपारण पुलिस के संयुक्त छापामारी अभियान के द्वारा किया गया।

धनबाद के अमरेन्द्र कुमार सिन्हा को मिला रेक्स कर्मवीर पुरस्कार 2024

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। रेक्स कर्मवीर पुरस्कार उन व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने अपने समाज, देश और मानवता के लिए अनुकरणीय कार्य किया हो। यह पुरस्कार मानवाधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और समाज सुधार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को प्रदान किया जाता है।

रेक्स कर्मवीर पुरस्कार की स्थापना 2008 में रेक्स ग्लोबल फाउंडेशन और ICONGO (International Confederation of NGOs) के संयुक्त प्रयास से की गई थी। इसका उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले व्यक्तियों और संगठनों को प्रोत्साहित करना है। यह गांधीजी के 'Be the Change You Wish to See in the World' के विचार पर आधारित है।

रेक्स (REX) का अर्थ है "Rights, Ethics, and E&cel-lence," जो इस पुरस्कार के आदर्शों को दर्शाता है। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को पहचान दिलाने का प्रयास करता है जो अपने काम के जरिए दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

रेक्स कर्मवीर पुरस्कार

समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे व्यक्तियों को सम्मानित करता है। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्र आते हैं:-

1. शिक्षा और सशक्तिकरण:- शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से समाज को मजबूत बनाने वाले कार्य।

2. स्वास्थ्य और पर्यावरण:- स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयास।

3. मानवाधिकार और न्याय:- समानता और न्याय के लिए संघर्ष करने वाले व्यक्तियों का योगदान।

4. समाज सेवा और उद्यमिता:- सामाजिक सेवा और व्यवसाय के माध्यम से समुदाय को लाभ पहुंचाना।

अमरेन्द्र कुमार सिन्हा उर्फ राजन सिन्हा को 25-26 नवंबर 2024 को नोएडा(NCR) के श्रीराम मिलेनियम स्कूल में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में रेक्स कर्मवीर पुरस्कार के कास्य पदक (Bronze) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण है। अमरेन्द्र सिन्हा ने जिस क्षेत्र में यह उपलब्धि हासिल की है, वह न केवल परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। उनके कार्य और विचार निश्चय ही दूसरों को प्रेरित करेंगे। रेक्स कर्मवीर पुरस्कार यह संदेश देता है कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। यह पुरस्कार हमें याद दिलाता है कि निस्वार्थ सेवा और मेहनत से न केवल व्यक्तिगत पहचान बनाई जा सकती है, बल्कि समाज को बेहतर दिशा भी दी जा सकती है।राइजिंग सदस्य अरविंद कुमार सिन्हा ने अमरेन्द्र कुमार सिन्हा उर्फ राजन सिन्हा को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनका यह योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा।

साईं इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल इटखोरी में नामांकन प्रक्रिया शुरू

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

इटखोरी(चतरा)। प्रखंड के साईं इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में नामांकन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। इस आशय की जानकारी विद्यालय के प्राचार्य एच.जी तिवारी के द्वारा दिया गया। विदित हो कि साईं इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल इटखोरी के ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा वर्षों से प्रदान करते आ रहा है। सुशिक्षित शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं को सीबीएसई माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। नए सत्र के नामांकन के संदर्भ में प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय में नामांकन के लिए छात्र या छात्रा का दो पासपोर्ट साइज का फोटो, आधार कार्ड, माता-पिता का आधार कार्ड की फोटो कॉपी और जन्म प्रमाण पत्र आदि की आवश्यकता होती है।

विद्यालय के शिक्षण व्यवस्था के संदर्भ में प्राचार्य ने बताया कि अनुभवी शिक्षकों के द्वारा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यालय में स्मार्ट क्लासेस की भी व्यवस्था है साथ ही विद्यालय के बच्चों के मानसिक बौद्धिक एवं शारीरिक विकास के लिए विद्यालय के द्वारा क्विज, खेलकूद, योगा, विज्ञान प्रदर्शनी

और अन्य कई प्रकार के कार्यक्रम करवाए जाते हैं। विद्यालय प्रबंधन के द्वारा हर संभव कोशिश किया जाता है कि छात्र-छात्राओं का मानसिक एवं बौद्धिक स्तर उन्नत बनाया जाए। इसके लिए सुयोग्य शिक्षकों के द्वारा छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का हर संभव प्रयास किया जाता है। फिलहाल नर्सरी वर्ग के लिए सत्र 2025--26 के लिए नामांकन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है।

एसकेएमयू पीजी प्रवेश के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी करेगा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका पीजी नामांकन के लिए प्रॉस्पेक्टस जारी करेगा। इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इस बार माना जा रहा है कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह से जनवरी के प्रथम सप्ताह के बीच विश्वविद्यालय की ओर से पीजी नामांकन के लिए आवेदन हेतु चांसलर पोर्टल खोला जा सकता है। ऐसे में विश्वविद्यालय ने पीजी नामांकन का प्रॉस्पेक्टस तैयार करने के लिए आईक्यूएसी समन्वयक डॉ नीलेश कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है और कमेटी में हिंदी विभागाध्यक्ष व पूर्व कुलसचिव डॉ विनय कुमार सिन्हा तथा वाणिज्य विभागाध्यक्ष दीपक कुमार दास को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उक्त कमेटी की ओर से प्रॉस्पेक्टस तैयार कर लिया गया है तथा इसके प्रकाशन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रॉस्पेक्टस से छात्रों को विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी, विभिन्न केंद्रों पर चल रहे पीजी कोर्स, नामांकन प्रक्रिया, शुल्क संरचना, परीक्षा एवं मूल्यांकन पैटर्न, छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, छात्र कल्याण के लिए गठित विभिन्न समितियों के बारे में तथा विभिन्न सक्षम अधिकारियों के संपर्क विवरण आदि की जानकारी मिलेगी। ज्ञात हो कि छात्र हित में विश्वविद्यालय द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है ताकि छात्रों का नामांकन एवं कोर्स से संबंधित सभी जानकारी मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह ने प्रॉस्पेक्टस समिति के सदस्यों को छात्र हित को ध्यान में रखते हुए इसमें सभी आवश्यक जानकारी शामिल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रॉस्पेक्टस में सभी पदाधिकारियों, विभागाध्यक्षों, प्राचार्यों और नामांकन प्रभारियों आदि के नाम और मोबाइल नंबर जोड़ने का निर्देश दिया है और कहा है कि अगर छात्रों को प्रॉस्पेक्टस में कोई जानकारी नहीं मिल पाती है तो वे उक्त नंबर से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने प्रॉस्पेक्टस का सॉफ्ट कॉपी विवि का आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपलोड करने का निर्देश दिया है।

कब शुरू होगी पीजी नामांकन प्रक्रिया- सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में पीजी सत्र 2024-26 में नामांकन की प्रक्रिया दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के प्रथम सप्ताह में शुरू हो सकती है। नामांकन में देरी यूजी सेमेस्टर-6 की परीक्षा संपन्न नहीं होने के कारण हो रही है। यहां उल्लेखनीय है कि उक्त परीक्षा 27 नवंबर से शुरू हो चुकी है और 7 दिसंबर तक चलेगी, ऐसे में उक्त परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित होने के बाद ही पीजी नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। उक्त परीक्षा जुलाई माह में ही संपन्न हो जानी चाहिए थी, लेकिन कोरोना तथा नियमित अंतराल पर लोकसभा व विधानसभा चुनाव के कारण सत्र थोड़ा विलंब हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह सत्र पिछले वर्ष जून तक करीब डेढ़ वर्ष पीछे चल रहा था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह ने लगातार प्रयास कर उक्त सत्र को काफी हद तक नियमित कर दिया है, हालांकि इसका श्रेय वे परीक्षा विभाग, परीक्षा व मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों को देते हैं। उन्होंने कहा है कि यूजी सेमेस्टर-6 की परीक्षा संपन्न होते ही मूल्यांकन को केंद्रीकृत कर जल्द से जल्द पूरा कर रिजल्ट प्रकाशित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि पीजी में नामांकन की प्रक्रिया जल्द शुरू किया जा सके।

लीगल सर्विस यूनिट फार चिल्ड्रेन का धनबाद में हुआ गठन

बच्चे हैं देश के सुनहरे भविष्य- प्रधान जिला जज

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। बच्चों को विशेष तौर पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के सर्वोच्च न्यायालय (नालसा) के निर्देश के आलोक में धनबाद में बच्चों के लिए फ्री लीगल सर्विस यूनिट का गठन किया गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में गठित उक्त कमेटी का अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद के सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन को बनाया गया है। कमेटी में सेवानिवृत्त न्यायिक पदाधिकारी के रूप में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष पियूष कुमार, एलएडीसीएस डिप्टी चीफ, पैनल अधिवक्ताओं के अलावा पारा लीगल वॉलेंटियर को भी शामिल

किया गया है।

इस कमेटी द्वारा देखभाल व संरक्षण योग्य बालकों और विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों के संरक्षण और पुनर्वास से संबंधित मामलों में सहायक के तौर पर कार्य किया जायेगा।

उक्त बातें बुधवार को डालसा द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह चेयरमैन डालसा वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कही। उन्होंने कहा कि नालसा के निर्देश पर बच्चों को चाईल्ड फ्रेंडली लीगल एड दिया जाएगा। यह यूनिट नालसा द्वारा प्रायोजित वस्तल्य तथा सहयोग योजना के तहत मिलने वाली हर सरकारी योजनाओं, सुविधाओं को भी बच्चों को दिलवाने में सहयोग करेगा। कहा कि बच्चे देश के सुनहरे भविष्य है जिन्हें सवारना और साजना हम सब का कर्तव्य है।

कार्यशाला के प्रथम चरण में अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रौशन ने यूनिट के सदस्यों को इस यूनिट के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के विषय मे बताया। वहीं जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड की सदस्य पूनम सिंह ने बच्चों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न सरकारी योजनाओं को बताया।

न्यायाधीश राकेश रौशन ने बताया कि चिल्ड्रेन यूनिट में सेवानिवृत्त न्यायिक पदाधिकारी पियूष कुमार (चेयरमैन पीएलए) एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, पैनल अधिवक्ता अभिजीत कुमार साधु, विश्वजीत कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार निषाद, करूणा सिन्हा, हसन इमाम, हरि विश्वकर्मा, निरज कुमार सिंह, संदीप कुमार, पीएलवी चंदन कुमार, अजीत कुमार दास, नवीन कुमार, राजेश कुमार सिंह, पंकज वर्मा, निमाई प्रमाणिक,योगेश्वर नाथ, विनय कुमार सिन्हा ,अनामिका सिंह, सीता कुमारी शामिल हैं।

संविधान दिवस के अवसर पर बिशुनपुरा थाना में किया गया संविधान के प्रस्तावना का पाठन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बिशुनपुरा(गढ़वा)। बिशुनपुरा थाना परिसर में 26 नवम्बर को संविधान दिवस को लेकर पुलिस कर्मियों ने संविधान का प्रस्तावना का किया पाठन। इस मौके पर थाना के सभी पुलिस कर्मियों ने पंक्तिबध तरीके से लाइन बनाकर एक साथ संविधान का प्रस्तावना पढ़ी। इस अवसर पर थाना प्रभारी राहुल सिंह ने कहा कि संविधान दिवस हर वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है, जिस दिन भारत के संविधान मसौदे को अपनाया गया था। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू होने से पहले 26 नवंबर 1949 को इसे अपनाया गया था। सरकार ने 19 नवंबर, 2015 को राजपत्र अधिसूचना की सहायता से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया था। उन्होंने संविधान दिवस की बधाई सभी को दी। साथ ही पुलिस कर्मियों को संविधान द्वारा दिए अधिकारों व दायित्वों का कार्य भी ईमानदारी से अनुपालन करने को कहा। इस मौके पर थाना प्रभारी राहुल सिंह, जेएसआई मिनतुल्लाह खान, एएसआई मनोज पांडेय सहित थाना के अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

डॉ.एस.राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के दुसरे दिन

मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता - यदुनाथ पाण्डेय

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रजरप्पा(रामगढ़)। बुधवार को डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुकरीगढ़ा (लारी) में "शोध एवं नवाचार के नवीन के प्रविधियों" पर तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के बहुद्देश्यीय सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के दुसरे दिन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.)यदुनाथ पाण्डेय, पूर्व विभागाध्यक्ष मानव विज्ञान विभाग राँची विश्वविद्यालय सह पूर्व हजारीबाग सांसद शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ.एस.राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। कुल गीत एवं स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को शॉल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित वक्ता आकाश मुंडा को प्रबंधन समिति के सचिव संजय कुमार प्रभाकर

द्वारा शॉल और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता के रुप में पंकज कुमार सहायक प्राध्यापक शिक्षा विभाग संत जेवियर कॉलेज राँची ने नई शिक्षा नीति, शिक्षा में नवाचार एवं आदर्श शिक्षक बनने इत्यादि पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में जगबंधु महतो सहायक प्राध्यापक शिक्षा विभाग संत जेवियर्स कॉलेज राँची ने मैं क्यों पढ़ाऊँ , मैं कैसे पढ़ाउ तथा मैं क्या पढ़ाऊँ शिक्षक कला पर व्याख्यान दिया। स्वागत कार्यक्रम में डॉ. सुशील कुमार उपाध्याय प्रशासक उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ. शिवकुमार राणा ने किया। मंच का संचालन नयन कुमार मिश्रा एवं सुप्रिया बर्मन द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक रंजु वंदना होरो द्वारा किया गया।

संविधान दिवस के अवसर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में पदाधिकारियों/कर्मियों ने संविधान प्रस्तावना पढ़ी

संविधान द्वारा दिए अधिकारों व दायित्वों का ईमानदारी से अनुपालन करने का लिया संकल्प

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। संविधान दिवस के मौके पर आज समाहरणालय गढ़वा के सभागार में उपायुक्त, शेखर जमुआर की अध्यक्षता में सभी वरीय पदाधिकारियों, कार्यालय प्रधान व कार्यालय कर्मियों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ संविधान द्वारा दिए अधिकारों व दायित्वों का ईमानदारी से अनुपालन करने का संकल्प लिया। सभी ने संविधान के प्रति भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को न्याय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए

तथा, उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करनेवाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई0 को एतद द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करने का शपथ लिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि संविधान दिवस हर साल 26 नवंबर को मनाया जाता है, जिस दिन भारत के संविधान मसौदे को अपनाया गया था। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू होने से पहले 26 नवंबर 1949 को इसे अपनाया गया था। सरकार ने 19 नवंबर, 2015 को राजपत्र अधिसूचना की सहायता से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया था। उन्होंने संविधान दिवस की बधाई सभी को दी। साथ ही पदाधिकारियों/कर्मियों को संविधान द्वारा दिए अधिकारों व दायित्वों का कार्य भी ईमानदारी से अनुपालन करने को कहा। इस मौके पर मुख्य रूप से अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी संजय प्रसाद, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यालय कर्मी मौजूद थे।

थाना प्रभारी द्वारा स्कूलों में चलाया गया बाल विवाह जागरुकता अभियान, लिए शपथ

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बिशुनपुरा(गढ़वा)। बिशुनपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नई बाजार स्थित बाल शिक्षा निकेतन विद्यालय सह संगम कोचिंग सेंटर में बिशुनपुरा थाना प्रभारी राहुल सिंह द्वारा छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों के समक्ष चलाया गया बाल विवाह जागरुकता अभियान। थाना प्रभारी ने बताया कि बाल विवाह की रोक थाम हेतु सरकार बहुत सारी कार्य कर रही है लेकिन फिर भी लोग छुप छुपाकर अपने बच्चे की कम उम्र में शादी कर देते हैं। जिससे उस बच्चे

के भविष्य पर पानी फिर जाता है। जैसे, स्वास्थ्य से सम्बन्धित परेशानियां, पढ़ाई लिखाई से दूर हो जाना, बच्चे की अपने भविष्य हेतु सोचे गए सपने सब खत्म हो जाता है। वहीं उन्होंने बताया की शादी करने से पहले अभिभावक को अपने बच्चे की शादी के लायक है या नहीं उसको देखना चाहिए तथा बच्चे को कम से कम इंटर या ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर लेने चाहिए जिससे ओ अपने भविष्य में कुछ आगे कर पाएं इसके बाद ही शादी करनी चाहिए। वहीं उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अगर आपको पता चले की किसी बच्चे की कम उम्र में शादी हो रही है तो उसकी सूचना आप अपने नजदीकी पंचायत समिति सदस्य, मुखिया या थाना को दें जिससे बाल विवाह की रोक थाम की जा सके। वहीं उपस्थित छात्र छात्राओं दिव्या, जूही, रूपा ने अपनी बातें थाना प्रभारी के सामने रखा जिसका संतोषजनक जवाब थाना प्रभारी ने बच्चों को अपनी शब्दों में दिया। मौके पर थाना प्रभारी राहुल सिंह, बाल शिक्षा निकेतन विद्यालय के अध्यक्ष रामेश्वर चंद्रवंशी, प्रधानाध्यापक संजय विश्वकर्मा, शिक्षक लक्ष्मी गुप्ता, सहायक अध्यापक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव सहित अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

बिनू कुमार महतो युवा टाइगर ने मतदाताओं का जताया आभार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार बिनू कुमार महतो युवा टाइगर ने प्रेस बयान जारी कर विगत विधानसभा चुनाव परिणाम में मतदाताओं द्वारा दिए गए आशीर्वाद के प्रति आभार प्रकट किया है। बिनू कुमार महतो युवा टाइगर ने कहा है कि पिछले 15 वर्षों से रामगढ़ की जनता के जनहित के मुद्दे पर काम करते आ रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विजयी प्रत्याशी ममता देवी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जनता के चहुमुखी विकास का कार्य करें।

संक्षिप्त समाचार

सरकार में बदलाव के लिए ट्रंप ने बाइडन के व्हाइट हाउस के साथ किया समझौता, इसका खर्च भी खुद उठाएगी उनकी टीम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस से अपनी सरकार के संचालन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के आधिकारिक आवास के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत ट्रंप की टीम राष्ट्रपति भवन में होने वाले बदलावों के अगले चरण के लिए अभी से तैयारी कर रही है, ताकि वह सरकार में आने के बाद पहले दिन से ही बड़े फैसले लेने के लिए तैयार रहे। ट्रंप की तरफ से उनकी चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्ति की गई सूजी वाइल्स ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि पहले की तरह बदलाव के लिए नियुक्ति की गई टीम, आम सेवा प्रशासन (जीएसए) की तरफ से मुहैया कराई गई सरकारी इमारतों और तकनीक का इस्तेमाल नहीं करेगी। ट्रंप की यह टीम स्व-पोषित संगठन की तरह काम करेगी और बदलाव के लिए होने वाले इन खर्चों को भी उठाएगी। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। इसे लेकर सूजी वाइल्स ने कहा कि अपने कैबिनेट के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के बाद, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप व्हाइट हाउस में बदलाव के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे मंत्रिमंडल में शामिल लोगों को अहम तैयारी करने का मौका मिल जाएगा। खासकर अपने-अपने विभागों और एजेंसी में अपनी टीमों की नियुक्ति में, जिससे सत्ता का बदलाव बेहतर ढंग से पूरा हो सकेगा। वाइल्स ने बताया कि एमओयू के मुताबिक इस पूरे बदलाव में ट्रंप टैक्स प्रदाताओं का पैसा खर्च नहीं करेंगे।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति का निधन, 112 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन एजेंसी। दुनिया में सबसे अधिक वृद्ध जॉन अल्फ्रेड टिन्निसवुड का 112 साल की उम्र में निधन हो गया। सबसे अधिक बुजुर्ग व्यक्ति होने के खिताब करीब नौ महीने से उनके पास था। उनके परिवार ने एक बयान में बताया कि उत्तर पश्चिम इंग्लैंड में लिवरपुल के पास एक केयरहोम में टिन्निसवुड ने सोमवार को अंतिम सांस ली। उनका जन्म 26 अगस्त, 1912 को हुआ था। टिन्निसवुड ने अपनी लंबी उम्र का श्रेय ' विशुद्धत अपने भाग्य को दिया था। सेवानिवृत्त अकाउंटेंट और परदादा टिन्निसवुड को अप्रैल में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से जब सबसे अधिक उम्र के व्यक्ति का खिताब दिया गया था तब उन्होंने कहा था, ''आप या तो लंबे समय तक जीवित रहते हैं या फिर कम समय तक और आप इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। अगर इसका कोई रहस्य था, तो वह यह कि संयम ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है। उन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया, शायद ही कभी शराब पी और हर शुक्रवार को मछली और चिप्स खाने के अलावा कोई विशेष आहार नहीं लिया।

बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख लियू को भ्रष्टाचार में मिली मौत की सजा

बीजिंग, एजेंसी। बैंक ऑफ चाइना के पूर्व चेयरमैन लियू लियांगे को मंगलवार को अदालत ने भ्रष्टाचार और अवैध ऋण जारी करने का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई गई। उन्हें प्राणदंड दो साल बाद दिया जाएगा। चीन के पूर्वी शेडोंग प्रांत के जिनान शहर की एक अदालत ने यह फैसला सुनाया। उन्हें 121 मिलियन युआन (141.61 करोड़ रुपये) से अधिक की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था।

इस्राइली ऊद महोत्सव में राकेश और कालीनाथ ने जलवा बिखेरा

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल में भारतीय संगीत के प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय संगीतज्ञ और ग्रैमी पुरस्कार विजेता बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने यहां 25वें अंतरराष्ट्रीय ऊद महोत्सव में अपनी स्वर लहरियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चौरसिया और तबला वादक पंडित कालीनाथ मिश्रा की जुगलबंदी ने संगीत प्रेमियों को बांधकर रखा। यह चौरसिया की इस्राइल में चौथी प्रस्तुति थी। उनके चाचा पंडित हरिप्रसाद चौरसिया विश्व विख्यात बांसुरी वादक रहे हैं।

दावा-अमेरिकी सेना से ट्रांसजेंडर्स को निकालेंगे ट्रम्प: 15 हजार ट्रांसजेंडर्स खो सकते हैं नौकरी

शपथ लेते ही आदेश पर कर सकते है साइन

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प सत्ता संभालने के बाद अमेरिकी सेना में शामिल ट्रांसजेंडर सैनिकों को निकाल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 20 जनवरी को शपथ लेने के बाद ट्रम्प इस आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते है। इसके साथ ही भविष्य में भी ट्रांसजेंडर्स के अमेरिकी सेना में शामिल होने पर रोक लगा दी जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सैनिकों को मेडिकली अनफिट होने के चलते नौकरी से निकाला जाएगा। फिलहाल अमेरिकी सेना में 15 हजार ट्रांसजेंडर सैनिक हैं, जिन्हें नौकरी से निकाला जा सकता है।

ट्रम्प ने चुनाव प्रचार के दौरान भी ट्रांसजेंडर समुदाय के खिलाफ बयान दिए थे। इसके अलावा ट्रम्प की अगली सरकार में रक्षा मंत्री बनने वाले पिट हेगसेथ ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि सेना में महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को शामिल करने से अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रांसजेंडर्स के सेना में शामिल होने पर रोक लगाई थी। हालांकि उस समय जो लोग सेना में पहले से शामिल थे, उन्हें नहीं हटाया गया था। बाद में जो बाइडेन ने राष्ट्रपति बनने के बाद इस प्रतिबंध को हटा दिया था। अमेरिकी सेना में फिलहाल जो 15 हजार ट्रांसजेंडर सैनिक हैं, उनमें से 2200 ने सर्जरी के जरिए अपना जेंडर चेंज कराया है। बाकी सैनिकों ने अपनी पहचान ट्रांसजेंडर के तौर पर दर्ज कराई है। इस बार ट्रम्प इन सभी 15 हजार ट्रांसजेंडर्स को सेना

से निकालने की बात कही है। अमेरिका की कई यूनिवर्सिटीज ने अपने यहां पढ़ने वाले दूसरे देशों के छात्रों को डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण से पहले वापस लौटने के लिए कहा है। डोनाल्ड ट्रम्प अगले साल 20 जनवरी को राष्ट्रपति लेंगे। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार के दौरान अवैध प्रवासियों को देश से निकालने के लिए बड़े स्तर पर कैंपेन चलाने की बात कही थी। बीबीसी रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में इस समय 4 लाख ज्यादा ऐसे विदेशी स्टूडेंट रजिस्टर्ड हैं, जिनके पास उनके कागजात नहीं है। ऐसे में उन्हें ट्रम्प की अवैध प्रवासियों के लिए जाने वाले एक्शन्स का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा ट्रम्प एच1-बी वीजा प्रोग्राम से जुड़े नियमों को और सख्त कर सकते हैं। ट्रम्प ने पिछले कार्यकाल में एच1-बी के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को बढ़ाते हुए सख्त कर दिया था। इसके चलते एच1-बी वीजा से जुड़े एप्लिकेशन रिजेक्ट होने की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई थी। 2015 में एच1-बीवीजा कैटेगरी में 6 प्रतिशत एप्लिकेशन ही रिजेक्ट हुए थे, जबकि 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 24 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

इजराइल-हिजबुल्लाह के बीच 60 दिन का सीजफायर मंजूर

बाइडेन बोले- हिजबुल्लाह ने डील तोड़ी तो इजराइल को खुद की सुरक्षा का अधिकार

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की वॉर कैबिनेट ने लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 60 दिन के लिए सीजफायर डील को मंजूरी दे दी है। इसे लेकर मंगलवार देर रात कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। इसे 10-1 से मंजूरी मिल गई। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही सीजफायर के प्लान को मंजूरी दे चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस सीजफायर को अच्छी खबर बताया है। उन्होंने कहा कि सीजफायर के लिए उन्होंने नेतन्याहू और लेबनान के पीएम नजीब मिकाती से बात की है। दोनों देशों के बीच बुधवार सुबह 4 बजे (भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह 7:30 बजे) जंग रुक जाएगी।

बाइडेन ने कहा कि सीजफायर का मतलब जंग को हमेशा के लिए खत्म करना है। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना कब्जे वाले इलाके को लेबनानी सेना को सौंपेगी और वहां से हटेगी, ताकि हिजबुल्लाह वहां कब्जा न जमा ले। 60 दिन के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। बाइडेन ने यह भी कहा कि अगर

हिजबुल्लाह या कोई और समझौते का उल्लंघन करता है और इजराइल के लिए खतरा पैदा करता है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, इजराइल को आत्मरक्षा करने का अधिकार होगा। वहीं, नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह समझौते का उल्लंघन करता है तो हम फिर से हमला करेंगे।

नेतन्याहू ने सीजफायर समझौते की मंजूरी से पहले एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर समझौता करने के पीछे 3 वजहें बताईं। नेतन्याहू ने कहा कि हमास, हिजबुल्लाह पर भरोसा कर रहा था। उन्हें यकीन था कि हिजबुल्लाह के लड़ाके उनके साथ लड़ेंगे, लेकिन अब वे अकेले रह गए हैं। अब उन पर दबाव बढ़ेगा। इससे हमारे बंधकों को छुड़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि, नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह सीमा के पास इजराइल पर हमला करने की कोशिशें करता है, इस इलाके में बुनियादी ढांचा तैयार करता है, सुरंगें खोदता है या इस इलाके में रॉकेट ले जाने वाले ट्रक लाता है तो इसे समझौते का उल्लंघन माना जाएगा।

इजराइल के नेशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर इतमार बेन ग्विर ने नेतन्याहू के सीजफायर के फैसले को गलत कदम बताया। ग्विर ने कहा कि अगर सीजफायर हुआ तो हिजबुल्लाह को जड़ से खत्म करने का मौका गंवा देंगे। ये ऐतिहासिक गलती होगी। ग्विर लंबे समय से हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर का विरोध करते रहे हैं। ग्विर के अलावा इजराइल की वॉर कैबिनेट का हिस्सा रह चुके बेनी गेंट्ज ने नेतन्याहू को सीजफायर से जुड़ी जानकारियां लोगों के सामने रखने के लिए कहा है। बेनी गेंट्ज ने इस साल जून में इजराइली वॉर कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने नेतन्याहू पर गाजा को ठीक तरह से हैंडल नहीं करने का आरोप लगाया था। पिछले हफ्ते एक अमेरिकी अधिकारी अमोस होचस्टीन ने लेबनान के प्रधानमंत्री निजाब मिकाती और संसद के स्पीकर निबाह बैरी के साथ मुलाकात की थी। इस दौरान इजराइल और हिजबुल्लाह में सीजफायर कराने को लेकर बातचीत हुई थी। लेबनान में बातचीत करने के बाद होचस्टीन बुधवार को इजराइल पहुंचे थे, जहां सीजफायर को फाइनल करने पर बात हुई। इस प्लान में अगले 60 दिनों के लिए इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच सीजफायर करने का प्रस्ताव रखा गया। इन 60 दिनों में दोनों के बीच स्थाई तौर पर सीजफायर को लागू करने के लिए काम किया जाएगा। इस प्लान को यूएन रेजोल्यूशन 1701 के आधार पर तैयार किया गया है।

लंदन में दिल दहला देने वाली घटना: 30 साल के शख्स को 19 बार मारा पेचकस

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड की राजधानी लंदन के पूर्वी इलाके स्ट्रैटफोर्ड के नजदीक एक खतरनाक हमला सामने आया है। यहां एलिस वे इलाके में रात करीब 9-10 बजे एक अज्ञात हमलावर ने 30 वर्षीय व्यक्ति पर पेचकस से बर्बरतापूर्वक हमला कर दिया। हमलावर ने पीड़ित के सिर, पीठ और पेट पर 19 बार वार किए। इस हमले के बाद गंभीर रूप से घायल पीड़ित को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई हफ्तों तक उसका इलाज चला।

हमला गर्मियों के मौसम के दौरान हुआ, जब प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सबूत जुटाए और इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हालांकि अभी तक हमलावर की पहचान नहीं हो पाई है और हमले के पीछे के कारणों का भी पता नहीं चल सका है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस और सीआईडी के डिटेक्टिव सार्जेंट साइमन व्हीलर ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि वे पीड़ित के संपर्क में हैं और जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर न्याय दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने जनता से अपील की है कि घटना से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए 101 नंबर पर कॉल करें। जानकारी गुप्त रखने के लिए 0800-555-111 हेल्पलाइन भी उपलब्ध कराई गई है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी की तस्वीरें कैद हुई हैं, जिन्हें पुलिस द्वारा जांचा जा रहा है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जो आगे की जांच में मददगार साबित हो सकती है। पुलिस ने सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखने का आश्वासन दिया है। को इनाम देने की संभावना भी जताई गई है। इस हमले ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ लिया जाएगा, लेकिन तब तक स्थानीय लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

अमेरिकी फर्म में बम विस्फोट का आरोपी 21 साल बाद यूके से गिरफ्तार, पशुओं के खिलाफ क्रूरता से था नाराज

वॉशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका में साल 2003 में कैलिफोर्निया की एक बायोटेक फर्म में हुए बम धमाके का आरोपी 21 साल बाद यूके से गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान डेनियल आंद्रेस सैन डिएगो के रूप में हुई है। सैन डिएगो एक पशु अधिकार चरमपंथी है, जिसने पशुओं के खिलाफ क्रूरता से नाराज होकर बम विस्फोट को अंजाम दिया।

यूके के वेल्स से किया गया गिरफ्तार एफबीआई ने एक बयान में कहा कि संदिग्ध डेनियल आंद्रेस सैन डिएगो को ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी, आतंकवाद निरोधक पुलिस और उत्तरी वेल्स पुलिस द्वारा एफबीआई के साथ समन्वय में किए गए एक ऑपरेशन के तहत सोमवार को वेल्स में गिरफ्तार किया गया। सैन डिएगो पर अगस्त 2003 में ओकलैंड, कैलिफोर्निया के पास बायोटेक्नोलॉजी फर्म चिरोन इंक में हुए बम विस्फोट के सिलसिले में आरोपी है। साल 2009 में डिएगो को वांछित

घोषित किया गया था। डिएगो ने बायोटेक फर्म में दो बम लगाए थे, लेकिन दूसरे बम को जांच अधिकारियों द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया था। आरोप है कि सैन डिएगो ने बम विस्फोट के एक महीने बाद फिर से कैलिफोर्निया की एक अन्य कंपनी में भी तीसरा बम लगाया था। हालांकि इन बम धमाकों में कोई घायल नहीं हुआ था। रिवोल्यूशनरी सेल्स नामक पशु अधिकार समर्थक संगठन ने इन बम धमाकों की जिम्मेदारी ली थी। सैन डिएगो भी इसका सदस्य था। दरअसल ये संगठन बायोटेक कंपनी के हटिंगडन लाइफ साइंसेज नामक कंपनी के साथ संबंधों से नाराज थे।

जयशंकर बोले- यूक्रेन जंग का हल बातचीत से निकले

इटैलियन अखबार से कहा- यूरोप को सिद्धांतों की इतनी परवाह तो रूस से रिश्ते खत्म करे

रोम, एजेंसी।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग अटेंड इटली पहुंचे हैं। यहां उन्होंने इटैलियन न्यूज पेपर कोरिएरे डेला सेरा से यूक्रेन वॉर और भारत-चीन समेत कई मुद्दों पर बात की। जयशंकर ने यूक्रेन वॉर डिप्लोमैटिक हल पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यूक्रेन युद्ध का कोई सैन्य समाधान नहीं है। इसके लिए नए सिरे से डायलॉग शुरू किया जाना चाहिए। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि, हर क्षेत्र को अर्थव्यवस्था की हकीकत के बारे में सोचना चाहिए। अगर यूरोप पर अपने सिद्धांतों की इतनी ही परवाह है तो उसे खुद रूस के साथ अपने सभी व्यापार खत्म कर देने चाहिए।

यूरोपियन यूनियन भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर:

जयशंकर ने मॉस्को और कीव के साथ-साथ इस युद्ध से जुड़े सभी पक्षों को बातचीत में शामिल करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशों को बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहयोग, खास तौर पर भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच

सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- यूरोपियन यूनियन भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर और इन्वेस्टर है। हम पिछले कुछ सालों से लगातार बड़े समझौते कर रहे हैं। मैं दोनों के बीच पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ते स्ट्रैटेजिक समझौतों को देख रहा हूं। उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों के लिए फायदेमंद समझौता आर्थिक सहयोग को बढ़ा सकता है।

देश बाहरी मामलों से ज्यादा अपने फायदे पर जोर दें: जियो पॉलिटिकल प्रेशर, खास तौर पर चीन के साथ तनाव को लेकर उन्होंने कहा कि देशों को बाहरी मामलों से ज्यादा अपने देश के हितों पर जोर देना चाहिए। मेरा जीवन किसी दूसरे देश के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। मेरा दिलचस्पी एक शांत, समृद्ध और सहयोगी क्षेत्र देखने में है।

जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का में शामिल होने पहुंचे एस जयशंकर तीन दिवसीय दौरे के लिए इटली पहुंचे हैं। यहां वो 24 से 26 नवंबर तक चलने वाले जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का हिस्सा होंगे। इटली ने इस बैठक के लिए भारत को गेस्ट कंट्री (मेहमान देश) के तौर पर न्योता भेजा है। विदेश मंत्रियों की ये बैठक इटली के फिउग्गी में चल रही है। अपनी यात्रा के दौरान वे रोम में भारतीय दूतावास के नए परिसर का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित मेडिटेरेनियन डायलॉग के 10वें संस्करण में भी हिस्सा लिया।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों को सोशल मीडिया के जाल से बचाने वाला बिल पास; उल्लंघन करने वालों की खैर नहीं

कैनबेरा, एजेंसी।
आजकल बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी स्मार्टफोन के आदी हो चुके हैं। सोशल मीडिया सभी की जिंदगी का एक सक्रिय हिस्सा बन गया है, जिसे चाहते हुए भी नजरअंदाज नहीं कर पाते हैं। लोग अपने काम छोड़कर घंटों सोशल मीडिया पर समय गुजारने लगे हैं। जीवन के हर क्षेत्र में इसके बढ़ते प्रभाव के कारण विशेषज्ञ शारीरिक और मानसिक सेहत को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। खासकर बच्चों और किशोरों की मानसिक हालत पर इसका खतरनाक असर पड़ रहा है। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा फैसला लिया है। उसने एक ऐसा विधेयक पारित किया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित किया जा सकता है।

कई प्रमुख दलों ने निचले सदन में पेश हुए विधेयक का समर्थन किया है। अब इसके तहत टिकटॉक, फेसबुक, स्नैपचैट, रेडिट, एक्स और इंस्टाग्राम जैसे मंचों पर छोटे बच्चों के खातों पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही अगर ये मंच ऐसा करने में नाकाम रहे तो पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (3.3 करोड़ डॉलर) तक का

जुर्माना लगाया जाएगा। विधेयक के विपक्ष में 13, जबकि पक्ष में 102 वोट पड़े। अधिक वोट पक्ष में आने पर कानून को पारित कर दिया गया। बता दें, अगर विधेयक इस सप्ताह कानून बन जाता है, तो प्लेटफार्मों को आयु प्रतिबंध करने के तरीके पर काम करने के लिए एक साल दिया जाएगा। इस दौरान जुर्माना नहीं लगया जाएगा। विपक्षी सांसद डैन तेहान ने संसद को बताया कि सरकार सीनेट में संशोधनों को स्वीकार करने के लिए सहमत हो गई है जो गोपनीयता की सुरक्षा को मजबूत करेगा। प्लेटफार्मों को उपयोगकर्ताओं को पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस सहित सरकार द्वारा जारी पहचान दस्तावेज देने के लिए मजबूर करने की अनुमति नहीं होगी। प्लेटफॉर्म सरकारी प्रणाली के माध्यम से डिजिटल पहचान की मांग भी नहीं कर सकते।

ट्रंप कैबिनेट में कोलकाता में जन्मे जय भट्टाचार्य की एंट्री, कोरोनाकाल में लॉकडाउन के रहे विरोधी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक जय भट्टाचार्य को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के निदेशक के रूप में चुना है। एनआईएच देश के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान और वित्त पोषण संस्थानों में से एक है। इसके साथ ही ट्रंप 2.0 कैबिनेट में भट्टाचार्य शीर्ष प्रशासनिक पद के लिए नामित होने वाले पहले भारतवंशी हैं।

इससे पहले ट्रंप ने टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क के साथ डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशिएंसी (डोज) का नेतृत्व करने के लिए भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी को चुना था। हालांकि, यह एक स्वैच्छिक पद है और इसके लिए अमेरिकी सीनेट से पुष्टि की आवश्यकता नहीं है। यानी यह विभाग सीधे तौर पर ट्रंप के कैबिनेट से नहीं जुड़ा है और यह सरकार के बाहर रहकर काम करेगा। ट्रंप ने कैबिनेट में शीर्ष पद के लिए भारतवंशी के नाम का एलान करते हुए कहा, ''मुझे जय भट्टाचार्य, एमडी, पीएचडी. को एनआईएच के निदेशक के रूप में नामित करके काफी खुशी हो रही है। डॉ. भट्टाचार्य रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के साथ मिलकर राष्ट्र के चिकित्सा अनुसंधान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे और स्वास्थ्य में सुधार लाने और लोगों की जिंदगी बचाने वाली अहम खोज को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करेंगे।'' जय भट्टाचार्य का जन्म पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ। वह उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए थे। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में 1990 के दौर में यहां बैचलर ऑफ आर्ट्स और फिर मास्टर ऑफ आर्ट्स किया। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की डिग्री हासिल की और साल 2000 में अर्थशास्त्र में पीएचडी किया।

ट्रंप ने कहा कि जय भट्टाचार्य मौजूदा समय में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्वास्थ्य नीति के प्रोफेसर हैं और नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में रिसर्च एसोसिएट के तौर पर काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेजन डाट इन के विंटर वेलनेस स्टोर के साथ इस सर्दी के मौसम में रहिए सेहतमंद

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन डाट इन ने ग्राहकों के लिए खासतौर पर विंटर वेलनेस स्टोर पेश किया है। डाबर द्वारा प्रायोजित यह स्टोर आने वाले सर्दी के महीनों की तैयारी करने के लिए ग्राहकों की मदद करेगा। ग्राहक कम कीमत पर विंटर केयर से जुड़े जरूरी प्रोडक्ट के विशाल संग्रह में से अपने पसंदीदा प्रोडक्ट की खरीदारी कर सकते हैं। यहां उपलब्ध कराए गए सभी प्रोडक्ट अमेजन की तेज़ और विश्वसनीय डिलीवरी के साथ ग्राहकों के घर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। विंटर वेलनेस स्टोर में इंटरनेशनल और भारतीय दोनों प्रकार के ब्रांडों के किराना, बेबी आइटम, पेट केयर, हेल्थ एवं पर्सनल केयर प्रोडक्ट जैसी कैटेगरी के प्रोडक्ट की विशाल रेंज उपलब्ध कराई गई है। इस स्टोर के प्रायोजक डाबर के साथ, ग्राहक कपिवा, कोफोल, क्विक, बैद्यनाथ असली आयुर्वेद, हॉर्लिक्स और केरल आयुर्वेद सहित टॉप ब्रांडों के विंटर केयर से जुड़े ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। यहां उपलब्ध ऑफर्स में चुनिंदा विंटर हेल्थ केयर और किराने के सामान पर 45 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इस बार सर्दी में गुड़ और 40 से अधिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से भरपूर डाबर च्यवनप्राश के साथ अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं। 3 गुना ज़्यादा रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करने वाले इस प्रोडक्ट में रिफ़ाइंड शुगर का प्रयोग नहीं किया गया है। यह बेहतर सेहत के लिए मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। बैद्यनाथ च्यवनप्राश स्पेशल के साथ इस सर्दी के मौसम में रोगों से मुकाबला करने की अपनी क्षमता और ऊर्जा को बढ़ाएं। आंवला और अश्वगंधा सहित 47 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के मिश्रण से बना यह च्यवनप्राश आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है और सर्दी से सुरक्षित रखता है। यह स्वादिष्ट है और सभी उम्र के लोगों के लिए उपयुक्त है। यह आपकी रोजमर्रा की सेहत को बेहतर बनाता है। इस सर्दी के मौसम में, रागी, बाजरा और बादाम जैसे सुपरफूड्स से भरपूर न्यूट्रीमिक्स के साथ अपने बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाएं। यह विटामिन च, छ्व और ष्ट से भरपूर है। यह बच्चों की ग्रोथ, हड्डियों की मजबूती और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। प्राकृतिक मिठास के लिए इसे खजूर और गुड़ से तैयार किया गया है। इसमें ग्लूटेन और प्रिजर्वेटिव का उपयोग नहीं किया गया है। यह 7 साल से अधिक के बच्चों के लिए एकदम सही है।

शणगार डेकोर लिमिटेड का रु. 49.35 करोड का राइट्स इश्यू 6 दिसंबर को बंद होगा

SHANGAR
DECOR LTD
pioneering creativity

अहमदाबाद एजेंसी। डेकोर सर्विसीस की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली कंपनी, अहमदाबाद स्थित शणगार डेकोर लिमिटेड (बीएसई-540259) का रु. 49.35 करोड का राइट्स इश्यू 8 नवंबर, 2024 को सदस्यता के लिए खोला गया था। राइट इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताएं, इश्यू के खर्च और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश को निधि देने के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 21 नवंबर, 2024 को रु. 10.08 प्रति शेयर के बंध भाव की तुलना में रु. 5.76 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 06 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। राइट्स एंटाइटेलमेंट के ऑन-मार्केट अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 29 नवंबर, 2024 है। कंपनी के राइट इश्यू में भाग लेने के लिए निवेशक बाजार से राइट्स एंटाइटेलमेंट भी खरीद सकते हैं।

भारत में 5जी और ब्रॉडबैंड विस्तार से 1 लाख नई नौकरियां बनेंगी: टीमलीज

नईदिल्ली, एजेंसी। टीमलीज सर्विसेज के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर, सुब्बुरथिनम पी ने कहा कि भारत में ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क के तेज़ी से विस्तार के कारण अगले पांच वर्षों में फाइबर इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और रिपेयर सेक्टर में लगभग 1 लाख नई नौकरियां उत्पन्न होंगी।

भारत का टेलीकॉम बाजार तेजी से बढ़ेगा

भारत का टेलीकॉम बाजार 2024 में 48.61 बिलियन अमेरिकी डॉलर का होने का अनुमान है और यह 2029 तक बढ़कर 76.16 बिलियन डॉलर तक पहुँच सकता है, जो कि हर साल 9.40 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। 2023 तक, देश भर में करीब 7,00,000 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाए गए हैं, जिससे डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

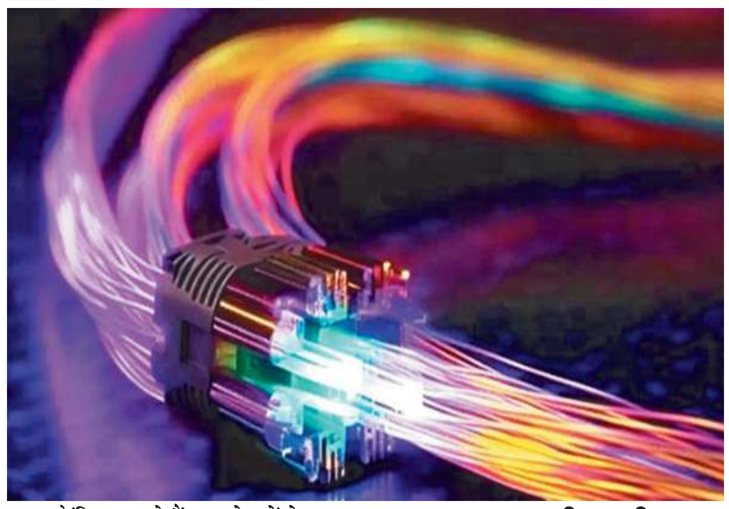

फाइबर तकनीशियनों की मांग में वृद्धि

सुब्बुरथिनम ने बताया कि भारत में ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क के तेजी से विस्तार के कारण फाइबर ऑप्टिक तकनीशियनों की मांग में बड़ी वृद्धि हो रही है। जैसे-जैसे सरकार और टेलीकॉम ऑपरेटर फाइबर इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, इस क्षेत्र में रोजगार की मांग भी बढ़ेगी।

भारत में टेलीकॉम टावरों का फाइबराइजेशन बढ़ने से लगभग 1 लाख नई नौकरी के अवसर पैदा होने की संभावना है। वर्तमान में, भारत में 5 लाख से ज्यादा फाइबर तकनीशियनों का अनुमान है, जो 4त्न, 5जी और ब्रॉडबैंड योजनाओं को सपोर्ट करने के लिए तेजी से बढ़ते फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के विस्तार में लगे हुए हैं।

2030 तक 5जी तकनीक का बढ़ता प्रभाव

सुब्बुरथिनम ने कहा कि 2030 तक 5जी तकनीक अपने चरम पर पहुंचेगी, जिससे तेज़ इंटरनेट स्पीड, कम लेटेंसी और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। फाइबर तकनीशियनों की भर्ती विभिन्न क्षेत्रों में हो रही है, जैसे टेलीकम्युनिकेशंस, आईटी, निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग, जहां ये पेशेवर नेटवर्क विस्तार और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेटअप पर काम कर रहे हैं, विशेषकर शहरी और ग्रामीण इलाकों में।

आकर्षक वेतन की कमी और कर्मचारियों की उच्च टर्नओवर दर

हालांकि, फाइबर तकनीशियनों की टर्नओवर दर काफी अधिक है, जो सालाना 35-40 प्रतिशत तक पहुँचती है। इसके कारणों में लंबी कार्य घंटों के कारण थकावट, वेतन वृद्धि की कमी, और कंपनियों के बीच कर्मचारियों की पोलिंग शामिल हैं। फाइबर इंजीनियर, स्प्लाइसर, फाइबर टर्मिनेशन उपकरण तकनीशियन, इंस्टॉलेशन और रिपेयर, फॉल्ट रेजोल्यूशन टीम, फाइबर सेलसाइट इंजीनियर और फील्ड तकनीशियनों की नौकरियों में तेज़ी से वृद्धि हो रही है, क्योंकि टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और 5जी सेवाओं की तैनाती हो रही है। भारत में डिजिटल और टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के साथ फाइबर तकनीशियनों के लिए नौकरी के अवसरों में इज़ाफा होगा। हालांकि, उच्च टर्नओवर और वेतन वृद्धि की समस्या के कारण कर्मचारियों को बनाए रखना एक चुनौती बन सकता है।

ओला के शेयरों ने पकड़ी रॉकेट की रफ्तार, 39999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उतारा है स्कूटर

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर बुधवार को बीएसई में 15 पर्सेंट के उछाल के साथ 84.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल स्कूटर्स की नई रेंज लॉन्च करने के ठीक एक दिन बाद आई है। ओला इलेक्ट्रिक ने नई रेंज उतारने के साथ ही कमर्शियल सेगमेंट में एंट्री की घोषणा की है। कंपनी के शेयर 22 नवंबर 2024 को 66.60 रुपये पर पहुंच गए थे। इस लेवल से ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में 25 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आ गया है। ओला इलेक्ट्रिक ने त्द्बद्द और स1 ्रेंज के स्कूटर्स लॉन्च किए हैं। इन स्कूटर्स की प्राइस रेंज 39,999 से 64,999 रुपये है। साथ ही, कंपनी ने 9999 रुपये पर पावरपॉड पेश किया है, यह एक इनवर्टर है जो कि अपनी पोर्टेबल बैटरीज का इस्तेमाल करते हुए घरों को पावर देता है। त्द्बद्द रेंज के जरिए कंपनी ने कमर्शियल व्हीकल्स सेगमेंट में एंट्री की है। इस रेंज में कंपनी त्द्बद्द और वेरियंट लेकर आई है, जिनके इंट्रोडक्टरी प्राइसेज क्रमशः 39,999 रुपये और 49,999 रुपये हैं। ब्रोकरेज हाउस सिटी ने बाय रेटिंग के सात ओला इलेक्ट्रिक का कवरेज शुरू किया है। ब्रोकरेज हाउस ने ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों के लिए 90 रुपये का टारगेट दिया है।

महाराष्ट्र के हाथ से फिसली मेगा ऑयल रिफाइनरी! केंद्र की दो राज्यों पर नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के हाथ से बड़ी तेल रिफाइनरी लगभग फिसल गई है। यह रिफाइनरी रत्नागिरी में लगाई जानी थी। अब सरकार ने इसे यहां लगाने ने लगभग मना कर दिया है। सरकार की नजर गुजरात और आंध्र प्रदेश पर है। सरकार यहां दो रिफाइनरी लगाने के लिए सऊदी अधिकारियों से बातचीत कर रही है। इनमें से प्रत्येक की सालाना क्षमता 10 से 15 मिलियन टन होगी। साथ ही पेट्रोकेमिकल सुविधाएं भी होंगी। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक गुजरात में रिफाइनरी के लिए सऊदी अरामको के साथ साझेदारी करने के लिए ह्लह्लष्ट को प्रस्तावित किया गया है। वहीं आंध्र में नियोजित एक रिफाइनरी के लिए ब्क्क्षरु को शामिल किया जाएगा। इन रिफाइनरियों को सऊदी से कच्चा तेल मिलेगा। बता दें कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में खड़ी देशों से तेल की हिस्सेदारी कम की है। सऊदी के साथ यह बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात सऊदी के अधिकारियों से होगी। बता दें कि सऊदी अरब ने भारत में 100 बिलियन डॉलर निवेश करने की बात कही है। ऐसे में माना जा रहा है कि सऊदी पहले अपने वादे को पूरा करे। रिफाइनरी का विचार पहली बार आंध्र प्रदेश के विभाजन के दौरान सामने आया था।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी में रिफाइनरी सरकार के बड़े प्रोजेक्ट में से एक थी। इस प्रोजेक्ट के सामने आने के बाद यहां स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। इसके चलते रिफाइनरी के लिए भूमि अधिग्रहण काफी धीमा रहा। इसके अलावा, यह विचार भी बढ़ रहा था कि 60 मिलियन टन की रिफाइनरी बनाना मुश्किल होगा। गुजरात में पहले से ही कई रिफाइनरी हैं। इनमें रिलायंस, न्यारा एनर्जी और इंडियन ऑयल की रिफाइनरी शामिल है। ऐसे में गुजरात को नई रिफाइनरी मिलने का दावा मजबूत है। वहीं आंध्र प्रदेश के विभाजन के समय एक तेल रिफाइनरी का प्रस्ताव रखा गया था। अभी वहां एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार है जो अब एनडीए का हिस्सा है।

एक ही कंपनी दे सकेगी सारे इंश्योरेंस कवर, संसद सत्र में यूनिफाइड लाइसेंस और 100 प्रतिशत एफडीआई को मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार संसद के चालू सत्र में बीमा कानूनों में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की योजना बना रही है। इनमें यूनिफाइड लाइसेंस और बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव शामिल है। यूनिफाइड लाइसेंस एक कम्पोजिट लाइसेंस है, जिससे बीमा कंपनियां एक ही प्लेटफॉर्म पर लाइफ, जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स ऑफर कर सकेंगी। वर्तमान में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियां हेल्थ कवर जैसे उत्पाद नहीं बेच सकतीं, जबकि जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को हेल्थ और मरीन इंश्योरेंस बेचने की अनुमति है। नए लाइसेंस से इस जटिलता को दूर किया जाएगा।

100 प्रतिशत एफडीआई से बढ़ेगी बीमा की पहुंच

बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 100 प्रतिशत तक बढ़ाने का उद्देश्य अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करना और देश में बीमा उत्पादों की पहुंच को बढ़ाना है। स्विस रे इंस्टीट्यूट के अनुसार, भारत में वर्तमान में बीमा की पहुंच केवल 3.8 प्रतिशत है। इन बदलावों से बीमा उत्पादों को अधिक ग्राहकों तक पहुंचाना संभव हो सकेगा।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में बड़ी पूंजी की जरूरत होती है। सरकार 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति देकर विशाल पूंजी वाली विदेशी कंपनियों को आकर्षित करना चाहती है। इस रणनीति से एसबीआई, एचडीएफसी, आइसीआइसीआइ, टाटा और बिड़ला जैसी घरेलू दिग्गज कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जो अभी इस सेक्टर पर हावी हैं।

एलियांज जैसी कुछ विदेशी कंपनियां, जो कथित तौर पर भारतीय पार्टनर बजाज से अलग होने जा रही हैं, स्वतंत्र रूप से भारतीय बाजार में कदम रख सकती हैं।

घरेलू और विदेशी इंश्योरेंस कंपनियां निवेश बढ़ाने के लिए उत्साहित होंगी क्योंकि उन्हें नए सेगमेंट में भी कदम रखने का मौका मिलेगा।

एक ही कंपनी हर तरह के इंश्योरेंस कवर दे सकेगी। ग्राहकों को अलग-अलग बीमा के लिए अलग-अलग कंपनी के पास जाने की जरूरत नहीं रह जाएगी। लाइफ इंश्योरेंस कंपनियां भी हेल्थ कवर जैसे अन्य प्रोडक्ट बेच सकेंगी। इसके उलट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को जीवन बीमा पॉलिसी भी बेचने की अनुमति होगी।

मजबूत डॉलर के बीच सोना 1,250 रुपये टूटकर 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से पीली धातु की चमक फीकी पड़ गई जिससे राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भारी गिरावट आई और यह 1,250 रुपये टूटकर 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु सोमवार को 1,000 रुपए की गिरावट के साथ 79,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 1,250 रुपए टूटकर 77,750 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जो सोमवार को 79,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी मंगलवार को 1,100 रुपये घटकर 90,600 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,600 रुपये घटकर 91,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन, मैक्सिको और कनाडा से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी ने निवेशकों को अमेरिकी मुद्रा की ओर आकर्षित किया, जबकि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक स्थिति में नरमी के कारण सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की अपील कम हो गई। हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 175 रुपये यानी 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,486 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। सोमवार को यह 75,311 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सोने के भाव पर क्या बोले जानकार?

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी व करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा, सोने का भाव अस्थिर रहा और एमसीएक्स पर यह 74,850-75,500 रुपये के बीच कारोबार कर रहा था, क्योंकि मध्य पूर्व में तनाव कम होने से युद्ध प्रीमियम में कमी आई। त्रिवेदी ने कहा कि बाजार सहभागियों की ओर से वैश्विक घटनाक्रमों का आकलन करने के कारण सर्राफा में उतार-चढ़ाव बने रहने की उम्मीद है।

इस बीच, दिसंबर डिलीवरी वाले चांदी अनुबंध की कीमत 698 रुपये या 0.8 प्रतिशत बढ़कर 88,397 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो पहले 87,699 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना वायदा 13.40 डॉलर प्रति औंस या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 2,656 डॉलर प्रति औंस हो गया। सोमवार को बहुमूल्य धातु 100.80 डॉलर प्रति औंस या 3.71 प्रतिशत गिरकर 2,615.10 डॉलर प्रति औंस पर आ गई थी, क्योंकि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ और मैक्सिको तथा कनाडा से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही थी, जिससे डॉलर में भारी तेजी आई थी।

एशियाई बाजार में चांदी भी 0.94 प्रतिशत बढ़कर 30.95 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के ईबीजी- कमोडिटी व करेंसी रिसर्च के उपाध्यक्ष प्रणव मेर के अनुसार, व्यापारियों की नजर फेडरल रिजर्व की नवंबर की बैठक के विवरण, अमेरिकी जीडीपी के संशोधित अनुमान और कोर व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) मूल्य सूचकांक आंकड़ों पर रहेगी, जिनसे अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत दृष्टिकोण के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद है।

रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीदारी तेजी से बढ़ी

▶▶ बीते दो साल में ही इसमें करीब 35 गुने का इजाफा हुआ है ▶▶ फरवरी 2022 में रूस से कच्चे तेल आयात सिर्फ़ 0.2 प्रतिशत था

अब यह बढ़कर 35 प्रतिशत से भी ज़्यादा हो गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। हम और आप समझते हैं कि भारत कच्चे तेल की सबसे ज्यादा खरीददारी खाड़ी देशों से करता है। लेकिन सच्चाई यही है कि इस समय भारत में कुल खपत का 35 फीसदी क्रूड ऑयल रूस से आ रहा है। तभी तो इस समय रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर बन गया है। करीब दो साल पहले अपने उपयोग का आधा प्रतिशत भी कच्चा तेल रूस से नहीं आता था। अब वहां से हम 35 फीसदी खरीदारी कर रहे हैं। यह जानकारी खुद केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दी है।

भारत के क्रड बॉस्केट में हुआ महत्वपूर्ण बदलाव

हरदीप सिंह पुरी ने एफआईपीआई ऑयल एंड गैस अवार्ड्स समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में बताया कि भारत के क्रूड बॉस्केट में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि फरवरी 2022 में रूस से भारत महज 0.2 प्रतिशत क्रूड ऑयल खरीदता था। यह अब बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने बताया कि रूस के अलावा भारत सऊदी अरब, यूएई, इराक, कुवैत और अमेरिका से भी तेल खरीदता है।

हर महीने बदलता रहता है

पुरी ने कहा, पिछले कुछ समय से, रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर रहा है। यह प्रतिशत 35 प्रतिशत से ऊपर है, लेकिन यह हर महीने बदलता रहता है। उन्होंने बताया कि यह बढ़ोतरी वैश्विक कीमतों और उपलब्धता पर निर्भर करती है। भारत लंबी अवधि के अनुबंधों और स्पॉट मार्केट खरीद के बीच संतुलन बनाए रखता है। उन्होंने आगे कहा, फरवरी 2022 में यह केवल 0.2 प्रतिशत था, लेकिन फिर यह बढ़ गया। यह कैसे रहेगा और कहां जाएगा, मैं कहता रहता हूं कि ये फैसले मंत्रालय नहीं लेता है। हमारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां, कच्चे तेल के विशेष ग्रेड के लिए टेंडर निकालती रहती हैं।

भारत में एलपीजी की कीमत दुनिया में सबसे कम

भारत की ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति पर बात करते हुए, हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि इस समय भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है एलपीजी सिलेंडर काफी सस्ता मिलता है। उन्होंने बताया, भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें दुनिया भर में सबसे कम हैं।

केएफसी के फैन फेवरीट्स के साथ ऐपिक स्वाद का आनंद लें

मुंबई, एजेंसी। केएफसी आपकी चिकन क्रेविंग्स को पूरा करने के लिए तीन कैटेगरीज़- चिकन ऑन बोन, बोनलेस चिकन और बर्गर एंड मोर के साथ ऐपिक सिग्नेचर मेनू आइटम लाया है केएफसी = ऐपिक स्वाद। ब्रांड अपने नए कैंपेन - 'टेस्ट द ऐपिक' में सभी को केएफसी के ऐपिक स्वाद का आनंद लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है। पिछले तीन दशकों से पूरे देश में केएफसी के फैन फिंगर लिकिंग गुड क्रिस्पी चिकन का स्वाद ले रहे हैं। इस नवंबर केएफसी अपने फैन फेवरीट्स की बेस्ट-सेलिंग रेंज - मशहूर हॉट एंड क्रिस्पी चिकन, हॉट विंग्स चिकन पॉपकॉर्न, पेरी-पेरी बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स, अनेक ज़िंगर बर्गर, रोल आदि लेकर आया है। भारत में ग्राहक 'टेस्ट द ऐपिक' के साथ केएफसी के क्रंची सिग्नेचर मेनू आइटम्स का बेहतरीन स्वाद ले सकते हैं। चिकन लवर्स के लिए केएफसी तीन कैटेगरीज़ में अपनी बेस्ट-सेलिंग रेंज - चिकन ऑन बोन, बोनलेस और बर्गर एंड मोर लाया है।

डिवाइन पर कमेंट करने के बाद

रैपर बादशाह ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी

रैपर बादशाह ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए माफी मांगी। दरअसल, हाल ही में बादशाह ने 'एमटीवी हसल 4' में बतौर गेस्ट शिरकत की। इस दौरान उन्होंने रैपर डिवाइन और मुंबई हिप-हॉप को लेकर कमेंट किया। बाद में अपनी टिप्पणी के लिए बादशाह ने एक्स पर एक माफी मांगी है।

'एमटीवी हसल 4' में बतौर गेस्ट बादशाह ने '99 साइड' की तारीफ करते हुए उनकी तुलना डिवाइन से की। उन्होंने कहा कि 99 साइड में मुंबई में डिवाइन की जगह लेने की क्षमता है। बादशाह ने यह भी कहा कि डिवाइन ही वह शख्स हैं जिन्होंने मुंबई हिप-हॉप को लोकप्रिय बनाया। हालांकि, सोशल मीडिया यूजर्स को उनकी यह टिप्पणी पसंद नहीं आई।

अब मांगी माफी

बादशाह को जब अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए माफी मांगी और मुंबई हिप-हॉप को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए अन्य रैपर्स को भी श्रेय दिया है।

वहीं, जब एक यूजर ने एक्स पर लिखा, चलो बादशाह भई अकेले तो नहीं हुआ है बॉम्बे हिप-हॉप बड़ा, तो बादशाह ने जवाब दिया, सॉरी यार, फ्लो में निकल गया था। बेशक नैजी, एमीवे, कामभारी, डी इविल और उन सभी ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।

अभिनय की दुनिया में दमदार वापसी को तैयार राखी गुलजार

राखी गुलजार ने हाल ही में इफ्फी 2024 में शिकरत की। अपनी फिल्म अमर बॉस के प्रीमियर में भाग लेते हुए अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया में अपनी वापसी को लेकर खुलकर बात की। साथ ही, सिनेमा की दुनिया में हो रहे बदलावों पर अपने विचार साझा किए।

राखी गुलजार ने हाल ही में इफ्फी 2024 में अपनी फिल्म अमर बॉस के प्रीमियर में हिस्सा लिया, जिसे भारतीय पैनोरमा के तहत चुना गया था। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने अभिनय में वापसी के फैसले, निर्देशक के साथ अपने तालमेल और सिनेमा की दुनिया में हो रहे बदलावों पर अपने विचार साझा किए। बातचीत में राखी ने लंबे समय बाद फिल्म करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि कैसे एक दिलचस्प कहानी ने उन्हें अभिनय में वापसी करने के लिए प्रेरित किया।

लंबे अंतराल के बाद अभिनय में राखी की वापसी

राखी गुलजार ने फिल्म इंडस्ट्री में वापसी पर बात करते हुए कहा, सच में काफी समय हो हो चुका है। मैंने चुपचाप देखा कि मेरे बहुत से समकालीन कलाकार, जिनके साथ मैंने पहले काम किया था, हमें छोड़कर चले गए, लेकिन साथ ही नई पीढ़ी के कलाकार भी उभरकर सामने आए हैं। एक दिन शिबू (शिबोप्रसाद मुखर्जी) ने कहा कि वह स्क्रिप्ट के साथ उनसे मिलना चाहते हैं। मैंने साफ कहा कि मैं अब फिल्मों में अभिनय नहीं करूंगी। हालांकि, वह मुझे इतनी स्नेह भावना से कहानी सुनाने की इच्छा व्यक्त की कि मैं सहमत हो गई।

वरिष्ठ नागरिकों को पसंद आएगी फिल्म-राखी

उन्होंने आगे कहा, फिल्म का विषय और पात्र बहुत दिलचस्प थे और मैं आत्मविश्वास से कह सकती हूं कि इस फिल्म की कहानी वरिष्ठ नागरिकों और कामकाजी महिलाओं को काफी पसंद आएगी। वे इसे अच्छे से महसूस कर पाएंगे।

कैसा रहा निर्देशक से साथ तालमेल?

राखी ने फिल्म के निर्देशक और अभिनेता शिबोप्रसाद मुखर्जी के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, ÷वह फिल्म में मेरे बेटे का किरदार निभा रहे हैं और वह किरदार बहुत वास्तविक है, लेकिन मां-बेटे के रिश्ते में एक कड़वाहट भी है। शिबू एक निर्देशक के रूप में बहुत शांत और सलीके से काम करवाते हैं और मुझे लगता है कि यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

अजय देवगन की स्टारडम पर मंडराया खतरा

बजट निकालने से कोसों दूर सिंघम अगेन

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन दर्शकों को लुभाने में असफल नजर आई है। यूं तो इस फिल्म ने शुरुआती दौर में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन फिल्म की लागत के हिसाब से वह बेहद कम रहा। अजय देवगन, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण जैसे सितारों से सजी इस मूवी का बजट तकरीबन 350 करोड़ रुपये है। फिल्म ने अपनी रिलीज के 26 दिन पूरे कर लिए हैं। आइए इसके लेटेस्ट कलेक्शन पर गौर फरमा लेते हैं-

सिंघम अगेन ने उम्मीदों पर फेरा पानी

350 करोड़ के आस-पास के बजट में बनकर तैयार हुई फिल्म सिंघम अगेन से उम्मीदें थीं कि यह रिलीज के पहले हफ्ते में ही अपना बजट निकालने में सफल रहेगी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका और फिल्म के कारोबार ने निर्माताओं को तगड़ा झटका दिया। फिल्म रिलीज के पहले सप्ताह में महज 173 करोड़ रुपये की ही कमाई कर पाई।

दूसरे हफ्ते में ही बेपटरी हुई फिल्म

एक बड़ी स्टारकास्ट से सजी फिल्म सिंघम अगेन अच्छी कमाई के लिए तरसती नजर आ रही है। दूसरे वीकएंड में फिल्म का कलेक्शन कुछ खास नहीं रहा था और यह भूल भुलैया 3 से पीछे रही थी। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने दूसरे हफ्ते अपने खाते में महज 47.5 करोड़ रुपये जोड़े थे।

तीसरे हफ्ते में प्रवेश करते ही सिंघम अगेन की सांसें फूलने लग गईं। इसने जैसे-तैसे तीसरे वीकएंड पर महज 15.65 करोड़ रुपये की कमाई की। चौथे हफ्ते में यह दर्शक जुटाने के लिए काफी ज्यादा संघर्ष कर रही है। शुरुआती आंकड़ों की मानें तो फिल्म ने रिलीज के 26वें दिन महज 60 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इससे इसका अब तक का टोटल 241.50 करोड़ रुपये ही हो पाया है। सिंघम अगेन 250 करोड़ रुपये के क्लब में भी शामिल हो पाएगी भी या नहीं ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

नागार्जुन के घर दोहरी खुशियों का माहौल

● नागा के बाद छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने की सगाई

नागार्जुन के घर दोहरी खुशियों का माहौल है। बड़े बेटे नागा के बाद तेलुगु अभिनेता के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने भी सगाई कर ली है। अभिनेता ने पोस्ट कर जैनब रावदजी का परिवार में स्वागत किया है। अनुभवी तेलुगु अभिनेता नागार्जुन के घर पर दोहरी खुशियों का माहौल है। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की शादी से कुछ दिन पहले अभिनेता के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने सगाई कर ली है। उन्होंने लॉन्ग टर्म गर्लफ्रेंड और लाइफस्टाइल ब्लॉगर जैनब रावदजी से सगाई की है। नागार्जुन ने अपने एक्स हैंडल पर जोड़े की एक तस्वीर के साथ खुशखबरी की घोषणा की और परिवार में जैनब का स्वागत किया।

नागार्जुन के छोटे बेटे ने की सगाई

छोटे बेटे और होने वाली बहू की एक तस्वीर को साझा करते हुए नागार्जुन ने लिखा, अपने बेटे अखिल अक्किनेनी और हमारी होने वाली बहू जैनब रावदजी की सगाई की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। हमें अपने परिवार में जैनब का स्वागत करने से ज्यादा खुशी नहीं हो सकती। कृपया हमसे जुड़ें। युवा जोड़े को बधाई देने और उनके जीवन को प्यार, खुशी और आपके अनगिनत आशीर्वाद से भरे रहने की कामना करता हूं।

नयनतारा ने बॉडी शेमिंग को लेकर तोड़ी चुप्पी

लेडी सुपरस्टार नयनतारा ने अपने करियर में एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने हाल ही में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स डॉक्यूसीरीज नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल में अपने सफर में आए उतार-चढ़ाव के बारे में बातचीत की है।

अपनी डॉक्यूमेंट्री नयनताराः बियॉन्ड द फेयरीटेल के एक वीडियो क्लिप में अभिनेत्री ने याद किया कि कैसे 2005 में उनकी फिल्म गजनी रिलीज होने पर उन्हें किस तरह भद्दी टिप्पणियों से गहरा असर पड़ा था। डॉक्यूमेंट्री का एक वीडियो क्लिप अब निर्माताओं द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है, जिसमें नयनतारा को अपने करियर के सबसे बुरे दौर के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है।

गजनी के दौरान नयनतारा को किया गया था ट्रोल: नयनतारा ने 2005 में एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म गजनी की शूटिंग के दौरान की बात को लेकर खुलासा किया। तमिल फिल्म गजनी में नयनतारा के अलावा सूर्या और असिन ने भी अभिनय किया था। नयनतारा ने कहा, उनके करियर की सबसे खराब फिल्म गजनी थी। वीडियो क्लिप में नयनतारा को लेकर कई खबरे दिखाई गई, जिसमें उन्हें मोटापे के लिए शर्मिंदा किया गया और उन्हें अधिक वजन वाला कहा गया। अभिनेत्री ने कहा कि वह भद्दे कमेंट्स देखती थीं और बहुत प्रभावित होती थीं। ऐसे दिन थे जब मैं सभी कमेंट्स देखती थी और लोग कहते थे वह अभिनय क्यों कर रही है? वह फिल्म में क्यों है? वह इतनी मोटी है।

नयनतारा का करारा जवाब : नयनतारा ने कहा, आप किसी कलाकार के बारे में बॉडी शेमिंग को लेकर ऐसी बातें नहीं कह सकते। आप फिल्म में प्रदर्शन के हिस्से के बारे में बात कर सकते हैं। हो सकता है, मैं अछी नहीं थी, लेकिन मैं बिल्कुल वही कर रही थी, जो मेरे निर्देशक ने मुझे करने के लिए कहा था और मैंने बिल्कुल वही पहना, जो उन्होंने मुझे पहनने के लिए कहा था। मैं एक नई कलाकार थी इसलिए मुझे इसमें कुछ कहने का मौका नहीं मिला।

जब नयनतारा ने पहनी थी बिकनी: गजनी के बाद नयनतारा ने विष्णुवर्धन की 2007 की फिल्म बिल्ला में अपनी बिकनी पहने उपस्थिति के बारे में बात की। नयनतारा ने बताया, पूरा ड्रामा बिकनी सीन के बारे में था, जो सभी के लिए एक मुद्दा था। लेकिन मैंने सोचा..इस तरह से सब कुछ बदल जाता है।

राजकुमार संतोषी की मुश्किलें बढ़ीं

● सत्र न्यायालय ने चेक बाउंस मामले में बरकरार रखी सजा

राजकोट के सत्र न्यायालय ने निर्माता-निर्देशक राजकुमार संतोषी को दो चेक बाउंसिंग मामलों में निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। 17 फरवरी को जामनगर की अदालत ने संतोषी को दो साल की सजा और दिए गए पैसे की दोगुनी राशि जमा करने का आदेश दिया था। राजकोट के सत्र न्यायालय ने निर्माता-निर्देशक राजकुमार संतोषी को दो चेक बाउंसिंग मामलों में एक-एक साल की सजा सुनाने वाली निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि संतोषी को पीड़ित को मुआवजा भी देना होगा।

संतोषी ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील की थी, लेकिन सत्र न्यायालय ने उनकी अपील को खारिज कर दिया। इस मामले में शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीन कोटेचा ने अदालत में दलीलें दीं, जिनके तर्कों को अदालत ने स्वीकार किया। प्रवीन कोटेचा ने संतोषी के खिलाफ आरोपों को मजबूती से रखा, जिसके बाद अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया। 17 फरवरी को जामनगर की सातवीं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने राजकुमार संतोषी को चेक बाउंसिंग के दो मामलों में दो साल की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही अदालत ने संतोषी को वह रकम दोगुनी राशि में जमा करने का आदेश भी दिया था, जो उन्होंने शिकायतकर्ता को चुकानी थी।

अभिषेक से अलगाव की खबरों के बीच ऐश्वर्या ने कहा- अपने मूल्यों से समझौता न करें

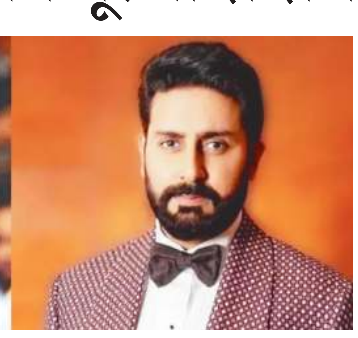

पिछले कुछ समय से अभिषेक बचन और ऐश्वर्या राय के अलगाव की खबर सुनने को मिल रही है। उनके अगले होने की अटकलें लगाई जा रही है। इसी बीच अब ऐश्वर्या ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे लगता है कि वह ऐसी बातें करने वालों को तगड़ा जवाब दे रही हैं।

हाल ही में एक इंवेट में शामिल हुई ऐश्वर्या राय बचन ने एक बयान दिया है। जिसमें वह अपने मूल्यों से समझौता न करने की बात कर रही हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से ऐश्वर्या और अभिषेक के अलगाव को लेकर तरह तरह की बातें की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर कभी अभिषेक को निशाना बनाया जा रहा है तो कभी ऐश्वर्या के बारे में भी काफी कुछ कहा जा रहा है। ऐसे में अब ऐश्वर्या ने इस स्ट्रीट हरासमेंट को लेकर अपनी राय रखी है।

खुद को दोष न दें

ऐश्वर्या स्ट्रीट हरासमेंट के बारे में बात करती हैं और उससे निपटने का तरीका भी बताती हैं। वह कहती हैं, ' स्ट्रीट हरासमेंट से आप कैसे निपटते हैं? उन लोगों से आंखें नहीं मिलते हैं। नहीं ऐसा बिल्कुल ना करें। आप उस समस्या का सीधा सामना करें। हरासमेंट करने वाले व्यक्ति की आंखों में देखें और अपना सिर ऊंचा करके रखें। यह असल नारीवाद है। अपने मूल्यों से कभी समझौता ना करें। खुद पर कभी भी शक ना करें। अपने मूल्यों पर खड़े रहें। अपने पहनावे को इस हरासमेंट के लिए दोष ना दें। स्ट्रीट हरासमेंट की जिम्मेदार आप नहीं है, इसमें आपकी कोई गलती नहीं है।'

अभिषेक ने भी ऐश्वर्या को सराहा

अभिषेक बचन ने भी हाल ही में ऐश्वर्या को सराहा है। उन्होंने कहा कि वह फिल्में इसलिए कर पाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि ऐश्वर्या घर पर बेटी आराध्या की देखभाल अछे से कर रही हैं।

इस बयान के बाद से अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच के मनमुटाव और अलगाव की खबरों पर अब सवाल खड़ा हो गया है। ऐसा लगता है कि ये सिर्फ अफवाहें थीं या फिर अब इनके बीच सबकुछ ठीक हो गया है।

दो साल से नहीं की कोई फिल्म

ऐश्वर्या की फिल्म करियर की बात करें तो वह दो साल पहले फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन' में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने कोई फिल्म नहीं की है। लेकिन वह बॉलीवुड से जुड़े कई बड़े इंवेट्स में नजर आती हैं।

मोआना 2 तोड़ देगी डिज्नी की अन्य फिल्मों के रिकॉर्ड, जानिए रिलीज के पहले दिन कितना होगा कलेक्शन

डिज्नी की फिल्म मोआना 2 रिलीज के बाद फिल्म ने 225 मिलिनय डॉलर से ज्यादा कमाई कर ली है। इस फिल्म ने थैंक्सगिविंग से पहले की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। फिल्म की कमाई को लेकर मेकर्स ने ही आंकड़े जारी किए हैं।

डिज्नी की इस फिल्म की कमाई पहले 295 मिलियन से थोड़ा कम है। फिल्म इनसाइड आउट 2 को लेकर चर्चा हो रही है। इस फिल्म के एनिमेशन को लेकर चर्चा हो रही है। दर्शकों ने इसे बहुत पसंद किया। फिल्म 2024 की सबसे बेहतरीन फिल्म है। मेकर्स ने मोआना को इससे भी अच्छे प्रदर्शन को लेकर बात की है। इस फिल्म के कुछ हिस्से प्रेस इवेंट में दिखाए गए, जो काफी उत्साहित करने वाले हैं। साल 2016 में आई फिल्म मोआना के सीक्वल को शुरू से वेब सीरीज के रूप में बनाया गया। मोआना अपने मिशन पर है। अपनी छोटी बहन को बताती है, हमारे पूर्वजों ने शुरू किया, वो मुझे पूरा करना है। माउई अपनी बहन की मदद करती है। मोआना और माउई जहां कुछ बेहतर करने निकली हैं वहां बाधाएं न आएं ऐसा कैसे हो सकता है? बाधाएं आती हैं। कई मॉन्स्टर मिलते हैं। कुल मिलाकर ट्रेलर काफी रोमांचक है। फिल्म के ट्रेलर का हर कोई इंतजार कर रहा है।

ऋषभ पंत का रिकॉर्ड टूटा

गुजरात के उर्विल पटेल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लगाया सबसे तेज शतक

इंदौर, एजेंसी। गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल ने बुधवार को यहां त्रिपुरा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में केवल 28 गेंद पर शतक जड़कर टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया।

उर्विल ने ठीक एक साल पहले लिस्ट ए में सबसे तेज सैकड़ा जमाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर अपना नाम लिखवाया था। टी20 क्रिकेट में 26 वर्षीय उर्विल ने ऋषभ पंत का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2018 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंद पर शतक बनाया था। उर्विल इस तरह से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं।

विश्व रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम पर है जिन्होंने साइप्रस के खिलाफ 27 गेंद पर शतक बनाया था। सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे उर्विल ने 35 गेंद पर नाबाद 113 रन बनाए जिसमें सात चौके और 12 छक्के शामिल हैं। उनके इस शानदार प्रदर्शन से गुजरात ने केवल 10.2 ओवर में 156 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया।

इस आक्रामक बल्लेबाज को हाल में इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था। उर्विल ने एक साल चंडीगढ़ में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में 41 गेंद पर 100 रन बनाए थे जो लिस्ट ए में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज शतक है।

एडिलेड टेस्ट में भी नजर नहीं आएंगे गिल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत जीत के साथ की है। इस टेस्ट मैच से पहले शुभमन गिल चोटिल हो गए थे। वह पर्थ टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुभमन गिल एडिलेड में होने वाले पिंक बॉल टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे। उन्हें ठीक में होने में अभी भी समय लगेगा।

शुभमन गिल को लगी थी अंगूठे में चोट

शुभमन गिल को वॉर्म मैच के दौरान अंगूठे में चोट लगी थी। वह पर्थ टेस्ट का हिस्सा नहीं हो पाए। दूसरे टेस्ट मैच से पहले भारत एडिलेड में दो दिवसीय वॉर्म अप मैच खेलने वाला है। गिल का यह मैच खेलना तय नहीं है। गिल का पिंक बॉल टेस्ट मैच खेलना भी तय नहीं है।

गिल को दिया गया था 14 दिन का आराम

'गिल को 10 से 14 दिन का आराम करने को कहा गया है। वह प्रैक्टिस मैच नहीं खेलेंगे। इस समय पर उनका दूसरा टेस्ट खेलना भी तय नहीं है। देखना होगा कि उनकी इंजरी कितनी ठीक हुई है। अगर इंजरी ठीक हो जाती है तो भी उन्हें खेलने की स्थिति में आने में समय लगेगा।'

देवदत्त पडिक्कल तीसरे नंबर पर करते हैं बल्लेबाजी

गिल टेस्ट टीम में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरते हैं। पहले टेस्ट में गिल की जगह देवदत्त पडिक्कल को नंबर 3 पर उतारा गया था। यह बल्लेबाज पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाए थे। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 25 रन बनाए और केएल राहुल के साथ 74 रनों की साझेदारी की।

बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में फिर नं-1 बॉलर

- बैटिंग में जायसवाल दूसरे नंबर पर पहुंचे, कोहली को 9 स्थान का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। बुमराह ने साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ा और एक कैलेंडर ईयर में दूसरी बार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के शुरू होने से पहले बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में रबाडा और जोश हेजलवुड के बाद तीसरे स्थान पर थे। पहले टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन का फायदा बुमराह को मिला और वह एक बार फिर टॉप पर पहुंच गए।

श्रीलंका के खिलाफ साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाजी की अगुआई कर रहे रबाडा दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड तीसरे स्थान पर हैं। यशस्वी ने भी छलांग लगाई भारत को ऑस्ट्रेलिया पर मिली 295 रनों की जीत में अहम योगदान देने वाले यशस्वी जायसवाल ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है। यशस्वी बैटिंग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उनसे आगे फिलहाल इंग्लैंड के जो रूट हैं। यशस्वी की रेटिंग अंक 825 है जो उनके करियर की बेस्ट रेटिंग है।

यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 161 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, वह पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके थे। यशस्वी ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 201 रनों की साझेदारी की थी।

यशस्वी ने दूसरी पारी में 161 रन की पारी खेली थी।

कोहली को हुआ नौ स्थान का फायदा पर्थ टेस्ट में नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले स्टार बैटर विराट कोहली को भी नौ स्थान का फायदा हुआ है और वह 13वें स्थान पर आ गए हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाए थे। यह उनका टेस्ट में 30वां शतक था। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन खराब फॉर्म के चलते 14वें स्थान पर खिसक गए हैं। स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा को भी दो और चार स्थान का नुकसान हुआ है। कोहली ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाए थे।

ग्लेन मैक्सवेल ने की भविष्यवाणी

यशस्वी जायसावल टेस्ट में 40 से अधिक शतक लगाएंगे

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का मानना है कि यशस्वी जायसवाल की विभिन्न परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की क्षमता और कोई खास कमजोरी नहीं होने के कारण यह सलामी बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 40 से अधिक शतक लगाएगा और उनके नाम पर कई रिकॉर्ड दर्ज होंगे। भारतीय क्रिकेट की प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं में से एक 22 वर्षीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की।

उन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह पक्की की। मैक्सवेल ने 'द ग्रेड क्रिकेटर पॉडकास्ट पर कहा, 'वह (जायसवाल) ऐसा खिलाड़ी है जो संभवतः 40 से अधिक टेस्ट शतक लगाएगा और कुछ अलग रिकॉर्ड बनाएगा। उसके पास विभिन्न परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने की अद्भुत क्षमता है। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे जिससे भारत ने यह मैच 295 रन से जीत कर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। जायसवाल ने अभी तक 15 टेस्ट मैच में 58.07 की शानदार औसत से 1568 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक शामिल हैं।

पर्थ में पहली पारी में वह खाता नहीं खोल पाए थे लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने शानदार वापसी की जिससे उनके बल्लेबाजी कौशल का पता चलता है।

मैक्सवेल ने कहा, 'उसने कई तरह के शॉट खेले लेकिन बीच में उसने जिस तरह से गेंदें छोड़ी और जिस तरह से वह बैक फुट पर जाकर खेला वह महत्वपूर्ण था। उसका फुटवर्क बहुत अच्छा है। ऐसा नहीं लगता है कि उसमें कोई खास कमजोरी है। वह शॉर्ट पिच गेंद को अच्छी तरह से खेलता है, अच्छी ड्राइव करता है, स्पिन को अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से खेलता है और दबाव झेल सकता है। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया अगर उसे रोकने का कोई तरीका नहीं ढूंढ पाया तो फिर स्थिति भयावह होगी।

मैक्सवेल ने नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभालने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने पहले टेस्ट मैच में 72 रन देकर आठ लिए विकेट लिए और भारत को ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'भारत के पास बुमराह और जायसवाल के रूप में दो अद्भुत प्रतिभाएं हैं। मैंने पहले भी कहा था कि बुमराह संभावित रूप से सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के रूप में जाने जाएंगे।

नाडा ने बजरंग पूनिया को 4 साल के लिए निलंबित किया

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया को 4 साल के लिए निलंबित कर दिया है। नाडा ने अपने आदेश में माना है कि बजरंग पूनिया ने अनुच्छेद 10.3.1 का उल्लंघन किया और निलंबन के पात्र हैं। नाडा का फैसला आने के बाद बजरंग पूनिया ने पूरे घटनाक्रम के पीछे राजनीतिक साजिश होने का आरोप लगाया।

बजरंग पूनिया ने समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में कहा, 'सबसे पहले तो मेरे लिये यह कोई शॉकिंग चीज नहीं है। जिस तरह से मैं एक साल से चीजें झेल रहा हूं। नाडा ने बीच में एक बार मुझे बहाल भी कर दिया, जो नाडा ने पैनल बनाया था, उसमें मैंने इन चीजों का जवाब दिया था और उन्होंने बहाल कर दिया था, लेकिन दोबारा से एक पैनल बनाकर दोबारा से ये चीजें करके दोबारा से चार साल का बैन अभी लगाया है। बजरंग पूनिया ने कहा, 'ज्लेकिन जो पीछे एक्सपायरी किट का था, मैं एक साल से जवाब मांग रहा हूं, अब तक नहीं आया। मैंने 4-5 बार मेल भी किया है। मैंने किट का पूरा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी डाला था। उसके बाद नाडा बोल रही है कि भई बजरंग ने सैंपल नहीं दिया, बल्कि वेन्यू छोड़कर चला गया। जब राष्ट्रीय स्तर के ट्रायल हो रहे थे यह उस समय की बात है।

बजरंग पूनिया ने कहा, 'ज्तो मैं देशवासियों और जो बड़े अधिकारी हैं, जिनको लगता है कि खिलाड़ी गलत कर रहा हूं तो उनको भी बताना चाहता हूं कि जब ट्रायल चल रहे थे जो उन्होंने टाइम दे रखा था कि उस समय बजरंग वेन्यू छोड़कर चला गया था, उसके बाद जो आपने डॉक्टर अपॉइंट कर रखा था, वह सरकारी डॉक्टर था, उससे मेडिकल बनवाया और उसने टाइम लिख रखा है किस टाइम मैंने मेडिकल बनवाया, अधिकारियों को दिया, उसके बाद मैंने वेन्यू छोड़ा था।'

बजरंग पूनिया ने कहा, 'मेरे पास यह साबित करने के सभी सबूत हैं कि मैं आयोजन स्थल पर मौजूद था। ऐसा कभी नहीं होता कि टूर्नामेंट के दौरान मुकाबलों के बीच में (डोप टेस्ट के लिए) सैंपल लिया जाता है। लेकिन मैं एक्सपायर हो चुके डोपिंग किट पर जवाब चाहता हूं। यह सब कर रहा है क्योंकि हम महिला पहलवानों के साथ खड़े हैं। यह स्पष्ट है कि सरकार इसमें शामिल है।'

चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने लेवांडोव्स्की

रोम, एजेंसी। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। अर्लिंग हॉलैंड ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल होने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए।

इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मैनचेस्टर सिटी की तरफ से फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए और इस प्रतियोगिता में अपनी कुल गोल की संख्या 46 पर पहुंचाई। हॉलैंड के इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद मैनचेस्टर सिटी ने फेयेनोर्ड के खिलाफ यह मैच 3-3 से ड्रा खेला। मैनचेस्टर सिटी इस तरह से पिछले छह मैच में जीत हासिल नहीं कर पाया है। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत में शुरू में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर चैंपियंस लीग में अपना 100वां गोल किया। पोलैंड के इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वाां गोल किया। चैंपियंस लीग में सर्वाधिक 140 गोल रोनाल्डो ने किए हैं। उनके बाद मेसी का नंबर आता है जिनके नाम पर 129 गोल दर्ज हैं।

लेवांडोव्स्की ने मैच के बाद कहा, 'यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में 100 गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर खुश हूं। 36 वर्षीय लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में इस मुकाम पर पहुंचे। मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से दूसरे हाफ में दानी ओल्मो ने भी गोल किया। बार्सिलोना ने इस तरह से ब्रेस्ट के अजेय अभियान पर रोक लगाई जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

एंटीगुआ टेस्टः

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 201 रन से हराया सीरीज में 1-0 से आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की टीम को वेस्टइंडीज दौरे पर खेले गए पहले टेस्ट में 201 रन से हार का सामना करना पड़ा है। एंटीगुआ टेस्ट में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 334 रन टारगेट रखा था। बांग्लादेश की टीम महज 132 रन ही बना पाई। टीम का आखिरी बल्लेबाज रिटायर्ड हर्ट हुआ।

दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बांग्लादेश पर वेस्टइंडीज ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में नौ विकेट पर 450 रन बनाए थे, जिसके जवाब में बांग्लादेश की टीम ने नौ विकेट पर 269 रन पर पारी घोषित कर दी थी। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 152 रन पर समेट दिया। बांग्लादेश के बल्लेबाज भी दूसरी पारी में कुछ खास नहीं कर पाए और पूरी टीम दूसरी पारी में 132 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के कप्तान ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। ग्रीव्स ने पहली पारी में 115 रन की पारी खेली वेस्टइंडीज के लिए पहली पारी में 10 महीने बाद टीम में वापसी कर रहे जस्टिन ग्रीव्स ने 115 रन की पारी खेली।

23 साल के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की मौत, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच दौड़ी शोक की लहर

नईदिल्ली, एजेंसी। एक ओर जहां ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का आयोजन हो रहा है वहीं दूसरी ओर इस सीरीज के बीच पूरे ऑस्ट्रेलिया में शोक की लहर दौड़ गई है. खबर बेहद ही दुखद है, क्योंकि एक युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दम तोड़ दिया है. ये खिलाड़ी महज 23 साल का था और वो स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गजों के साथ भी मैच खेला है. बात हो रही है डार्विन के क्रिकेटर आदि डेव की, जिनकी मौत के बाद से पूरी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कम्युनिटी सदमे में है. इस खिलाड़ी की मौत कैसे हुई, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है.

द डार्विन क्रिकेट क्लब ने अपनी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनका खिलाड़ी आदि डेव अब इस दुनिया में नहीं रहा. आदि डेव ऑलराउंडर थे. वो अपनी लेफ्ट आर्म स्पिन के लिए मशहूर थे. ये खिलाड़ी महज 15 साल की उम्र में सुर्खियों में आया था. साल 2017 में डार्विन में डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ की टीम के बीच इंटरा-स्क्वाड मैच खेला गया था जिसमें आदि डेव को फील्डिंग करने का मौका मिला था.

पहले से ही शोक मना रहा है ऑस्ट्रेलिया

27 नवंबर को वैसे ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सभी फैंस गमगीन रहते हैं क्योंकि इसी दिन उनके बेहद ही टैलेंटेड खिलाड़ी की मौत हुई थी.

29 नवंबर को तय होगा चैंपियंस ट्रॉफी का भविष्य

पाकिस्तान नहीं माना तो आईसीसी उठा सकता है यह कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का भविष्य शुक्रवार 29 नवंबर 2024 को तय होगा। आईसीसी ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए बोर्ड की बैठक (वर्चुअल) बुलाई है। यदि पाकिस्तान प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल से सहमत नहीं होता है, तो मतदान प्रक्रिया के माध्यम से देश से मेजबानी के अधिकार छीनने की योजना है। रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि पाकिस्तान को अपना रुख बदलने के लिए मनाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पीसीबी सह-मेजबानी को तैयार नहीं

हालांकि, पीसीबी सूत्रों के हवाले से क्रिकेट पाकिस्तान ने लिखा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सह-मेजबानी या अतिरिक्त मौद्रिक मुआवजे से जुड़े किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। पीसीबी इस आयोजन को पूरी तरह से पाकिस्तान में ही कराने के लिए अड़ा है। साल 2025 की शुरुआत में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी कई वर्षों के बाद पाकिस्तान के आईसीसी इवेंट की मेजबानी करने की वापसी का प्रतीक है।

मीटिंग में हाइब्रिड मॉडल पर चर्चा

क्रिकेट पाकिस्तान ने लिखा, 'शुक्रवार 29 नवंबर को होने वाली वर्चुअल मीटिंग में चैपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित किये जाने पर चर्चा की जाएगी। अगर पाकिस्तान इससे सहमत नहीं होता है, तो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पूरे आयोजन को दूसरी जगह कराने के लिए वोटिंग प्रक्रिया का सहारा ले सकता है। ऐसी स्थिति में, पीसीबी टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकता है या भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में पूर्व पुलिसकर्मी गिरफ्तार, कोरोनाकाल में पूर्व सांसद को हिरासत में यातना देने का आरोप

ओंगोल। आंध्र प्रदेश पुलिस ने पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी शासन के दौरान के रघुराम कृष्ण राजू को कथित हिरासत में यातना देने के मामले में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी विजय पॉल को गिरफ्तार कर लिया। के रघुराम कृष्ण राजू आंध्र प्रदेश विधानसभा के वर्तमान उपाध्यक्ष हैं। मामला मई 2021 का है कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान के रघुराम कृष्ण राजू को कुछ समय के लिए गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान वह नरसापुरम से सांसद थे और उन्होंने मुख्यमंत्री पर विवादित टिप्पणी कर दी थी जिसके बाद उनको हिरासत में लिया गया था। कृष्ण राजू ने बाद में वाईएसआरसीपी छोड़ दी के रघुराम कृष्ण राजू की गिरफ्तारी के दौरान, विजय पॉल ने सीआईडी ??सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में कार्य किया और कथित तौर पर पूर्व वाईएसआरसीपी सांसद की हिरासत में यातना में भूमिका निभाई। के रघुराम कृष्ण राजू ने बाद में वाईएसआरसीपी छोड़ दी और टीडीपी में शामिल हो गए। जून में नई टीडीपी की सरकार में उनको आंध्र प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष बनाया गया है और वह उंडी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने पुलिस में शिकायत दी है कि अधिकारियों और पूर्व सीएम ने उनको साथ गलत तरीके से कार्रवाई की। पुलिस ने कहा कि उन्होंने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है और आरोप लगाया कि उन्हें हिरासत में प्रताड़ित और हत्या का प्रयास किया गया था।

पत्नी की हत्या कर सड़ी-गली लाश ले दिल्ली में 1 हफ्ते तक घूमता रहा ट्रक ड्राइवर, अरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक ट्रक ड्राइवर की हैवानियत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि 34 वर्षीय ट्रक ड्राइवर कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर, उसकी सड़ी-गली लाश को ट्रक के कंपार्टमेंट में रखकर दक्षिणी दिल्ली के ओखला इलाके में करीब एक हफ्ते तक घूमता रहा। हैरानी की बात यह कि इस दौरान वह पकड़ में नहीं आया। पुलिस ने उसे कैसे किया अरेस्ट इस रिपोर्ट में जानें। पुलिस ने बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह को रविवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने खुद ही अपने गाड़ी मालिक से फोन पर बात करके अपना जुर्म कबूल किया। इसके बाद मुंबई में रहने वाले गाड़ी मालिक ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उसे पकड़ा गया। आरोपी प्रदीप ने अपनी पत्नी 34 वर्षीय नीतू सिंह की 18 या 19 नवंबर को हत्या कर दी थी। पुलिस जांच टीम के सूत्रों ने बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह को शक था कि उसकी पत्नी का किसी और से चक्कर है। पत्नी की हत्या करने के बाद लाश को ठिकाने लगाने के लिए जब आरोपी ट्रक ड्राइवर को जगह नहीं मिली तो उसने उसे चादरों से ढक दिया। वह ट्रक में ही लाश का रखकर दिल्ली के ओखला इलाके में करीब एक हफ्ते तक घूमता रहा। जांच टीम के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह 13 नवंबर को ओखला औद्योगिक क्षेत्र में एक विक्रेता को सामान की डिलीवरी करने के लिए मुंबई से दिल्ली ट्रक लेकर पहुंचा था। उसने डिलीवरी की और हरियाणा के हांसी से अपनी पत्नी को दिल्ली बुलाया। उसकी पत्नी 15 से 16 नवंबर के बीच दिल्ली पहुंची थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदीप का कहना है कि 18 या 19 नवंबर को उसकी पत्नी के साथ झगड़ा हुआ था। झगड़ा तब और बढ़ गया जब उसने नीतू पर धोखा देने का आरोप लगाया। इसी झगड़े के दौरान उसने पत्नी की हत्या कर दी। वारदात का पता तब चला जब आरोपी ने ट्रक मालिक को कॉल या मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया। इस बीच वह एक हफ्ते तक ओखला इलाके में घूमता रहा। आखिरकार वह थक गया और उसने शनिवार को अपने वाहन मालिक को फोन किया। उसने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूली। शुरुआत में ट्रक मालिक को लगा कि ड्राइवर नशे में है। इसके बाद उसने ट्रक ड्राइवर को देखने के लिए एक सहयोगी को भेजा। सहयोगी ने ट्रक में लाश देखी और तेज बदबू महसूस की। गाड़ी मालिक के सहयोगी ने तुरंत उसे घटना की जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि वाहन में कोल्ड स्टोरेज है, लेकिन आरोपी ने अपनी पत्नी की लाश को केबिन में रखने का फैसला किया।

महाराष्ट्र की नई सरकार के आगे बनते ही होगी चुनौती, मराठा आंदोलनकारी मनोज जारांगे पाटिल का बड़ा ऐलान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में फिलहाल सरकार गठन को लेकर रस्साकशी चल रही है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर दावेदारी का दौर जारी है। जल्दी ही नए मुख्यमंत्री को लेकर फैसला हो सकता है, लेकिन नई सरकार को सत्ता में आते ही एक चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती है, मराठा आरक्षण की। चुनाव में मराठा आरक्षण आंदोलन का कोई खास असर नहीं दिखा और सत्ताधारी दलों को बड़ी जीत के साथ वापसी का मौका मिला है। इसके बाद भी मराठा आरक्षण की मांग करने वाले नेता मनोज जारांगे पाटिल ने नए सिरे से आंदोलन का फैसला लिया है। उनका कहना है कि वह अब सामूहिक भूख हड़ताल करेंगे। जालना के अपने गांव अंतरवाली में मनोज जारांगे पाटिल ने यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बीड़ जिले में इस भूख हड़ताल का आयोजन होगा। मनोज पाटिल ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, %अब चुनाव खत्म हो गया है। उसकी बात छोड़िए। अब यह सोचिए कि आपके समाज और आपके बच्चों का भविष्य क्या होगा। इसलिए आरक्षण की बात की जाए। सभी मराठाओं को अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। इसलिए सभी मराठा फिर से एकजुट हो जाएं और आमरण अनशन की तैयारी करें।% उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद में सामूहिक भूख हड़ताल का ऐलान करूंगा और उसकी तारीख के बारे में भी बताऊंगा।

वहीं चुनाव के नतीजों को लेकर मनोज जारांगे पाटिल ने कहा कि मैंने तो पहले ही कहा था कि आप जिसे मतदान करना चाहें कर दें। लेकिन मेरा समाज मेरे साथ है और मैंने भी अपनी भूमिका में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना होगा कि मराठाओं से झूठे वादे न किए जाएं। पाटिल ने कहा कि भले ही वे सत्ता में वापस आ गए हैं, लेकिन हम फिर से भूख हड़ताल करेंगे। हमें अच्छे से पता है कि सरकार के पास जितनी ताकत है, वह उससे ही काम करेगी। मराठा समाज के लोगों ने विपक्ष और सत्तापक्ष दोनों की ही वोट दिया है। इसलिए दोनों तरफ के लोगों को मराठाओं के साथ खड़ा होना चाहिए।

चेन्नई में 5 घंटे तक रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में आज 27 नवंबर को कुछ इलाकों में पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी, कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह व्यवधान निर्धारित रखरखाव कार्य के कारण सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे के बीच होगा। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि अगर काम पूरा हो जाता है तो दोपहर 2 बजे से पहले बिजली कटौती फिर से शुरू हो सकती है।

चेन्नई के इन इलाकों में आज होगी बिजली कटौती गांधी स्ट्रीट, वरदराजन स्ट्रीट, मेट्टू स्ट्रीट, विलेज स्ट्रीट, क्रॉस रोड, सिवन नगर, मंगम्मल थोट्टम, जीवा नगर, एमपीटी क्वार्टर्स, एई कोइल स्ट्रीट को आज पांच घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, क्षेत्रों में बालाजी गार्डन, पुधु नगर, बाय पास रोड, अरशेन उल्लास सिटी और शांति कॉलोनी शामिल हैं। डीटी नेक्स्ट की रिपोर्ट के अनुसार, आरए पुरम और आरके नगर क्षेत्रों सहित चेन्नई के कुछ स्थानों पर कल यानी 28 नवंबर को पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, एमआरसी नगर का हिस्सा, फोरशोर एस्टेट का हिस्सा, गांधी नगर का हिस्सा, पीआरओ क्वार्टर, आरके मठ, आरके नगर, रंज मेयियाम्मई टॉवर, साथिया देव एवेन्यू, ट्रू वैल्यू होम्स, एचटी सर्विस, राजा स्ट्रीट, रॉबर्टसन लेन, राजा ग्रामानी गार्डन, केवीबी गार्डन, अप्पा ग्रामनी स्ट्रीट, वेलायुथराज स्ट्रीट, टीपी स्कीम रोड, राजा मुथैया पुरम, साउथ एवेन्यू, शनमुगापुरम, सैंथोम हाई रोड, साथिया नगर, अरिंगार अन्ना नगर, अन्नाई थेरेसा नगर, पेरुमल कोइल स्ट्रीट, साउथ कैनाल बैंक रोड में बिजली कटौती हो सकती है।

सुक्खू सरकार का ऐलान- हिमाचल परिवहन निगम की बसों से दूध सब्जियों की ढुलाई का किराया माफ

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने किसानों और पशुपालकों के लिए बड़ी सौगात दी है। इसके तहत हिमाचल सड़क परिवहन निगम ने राज्य के किसानों के लिए अपनी बसों से दूध और सब्जियों की ढुलाई के लिए किराया माफ करने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अग्निहोत्री ने अधिकारियों को एचआरटीसी बसों से गुटखा और शराब के विज्ञापनों को हटाने के भी निर्देश दिए।

दूध और सब्जियों की ढुलाई को किराए से छूट: शिमला में एचआरटीसी के निदेशक मंडल की 158वीं बैठक और बस स्टैंड प्रबंधन एवं विकास प्राधिकरण के निदेशक मंडल की 70वीं बैठक की अध्यक्षता करने के बाद उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने संवाददाताओं से कहा कि एचआरटीसी ने फैसला किया है कि यदि सामान के साथ कोई नहीं जा रहा है तो उसका किराया लिया जाएगा, लेकिन दूध और सब्जियों की ढुलाई को इससे छूट दी जाएगी।

गुटखा और शराब के विज्ञापन हटाने के निर्देश: उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल सड़क परिवहन निगम की बसों से गुटखा और शराब के विज्ञापन हटाने का निर्देश देते हुए कहा- इसका ठेका हमारे सत्ता में आने से पहले दिया गया था, लेकिन अब हम ऐसी किसी भी चीज का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं जो जनहित में ना हो। डिप्टी सीएम ने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश में 148 बस रूट निजी कंपनियों को दिए गए हैं।

खरीदी जाएंगी 327 नई इलेक्ट्रिक बसें: उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि हिमाचल सड़क परिवहन निगम बेड़े के लिए 327 नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। हिमाचल सड़क परिवहन निगम के लिए 100 मिनी बसें/टेंपो ट्रैवलर भी पेश किए जाएंगे। इस साल के अंत तक 1,000 वाहनों को बदल दिया जाएगा। जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के 177 पदों और कंप्यूटर ऑपरेटर के 12 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी। यह पेपर लीक के कारण 2022 से रुकी हुई थी।

छत्तीसगढ़ में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप, सरकारी स्कूल के 3 शिक्षकों समेत चार आरोपियों ने की वारदात

मनेंद्रगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 17 साल की एक स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात तो यह है कि वारदात का आरोप सरकारी स्कूल के 3 शिक्षकों सहित चार लोगों पर लगा है। जिसके बाद मंगलवार को पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। नाबालिग पीड़िता का कहना है कि उसके साथ कथित तौर पर दो बार 15 और 22 नवंबर को जनकपुर थाना क्षेत्र में आने वाले एक इलाके में गैंगरेप किया गया।

वारदात की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस संबंध में पीड़िता की शिकायत के आधार पर मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवगढ़ के सरकारी हायर सेकेंड्री स्कूल के दो शिक्षकों अशोक कुमार कुशवाहा और कुशल सिंह परिहार के अलावा सरकारी प्राथमिक विद्यालय देवगढ़ के प्रधानाध्यापक रवेंद्र सिंह कुशवाहा और वन विभाग के एक कर्मचारी बनवारी सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, पीड़िता जो कि एक अन्य सरकारी स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा है, पढ़ाई में उसकी मदद करने के बहाने आरोपी रवेंद्र उसे अपनी कार में बैठाकर 15 नवंबर को उसे एक अन्य आरोपी कुशल के घर ले गया। जहां पहले से ही तीसरा आरोपी अशोक भी मौजूद था। इसके बाद उन तीनों ने बारी-बारी से लड़की के साथ बलात्कार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने अपने मोबाइल से इस घटना का वीडियो भी बना लिया और पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को भी बताया तो वे इसे वायरल कर देंगे। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसी वीडियो के दम पर लड़की को ब्लैकमेल करते हुए 22 नवंबर को उसे बनवारी के किराए के मकान पर बुलाया, जहां उसके साथ फिर से बलात्कार किया गया। इस दौरान बनवारी ने भी अपराध में उनका साथ दिया।

पुलिस के मुताबिक बाद में लड़की ने हिम्मत जुटाई और अपने माता-पिता को पूरी वारदात के बारे में बता दिया। जिसके बाद मंगलवार को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई। अधिकारी ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70 (2) (सामूहिक बलात्कार), 49 (उकसाने की सजा) और 351 (2) (आपराधिक धमकी) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। मामले के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपी शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है।

फर्जी देख बनाया प्लान, किराए के फ्लैट में छापने लगा नकली नोट

गाजियाबाद। गाजियाबाद में वेब सीरिज फर्जी से प्रभावित होकर 22 साल का लड़का अपराध के रास्ते पर चल पड़ा। कॉलेज छात्र ने कथित तौर पर अपनी वित्तीय दिक्कतों को दूर करने के लिए खोड़ा कॉलोनी में किराए के फ्लैट से नकली पैसे का धंधा शुरू कर दिया। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में इस रैकेट का भंडाफोड़ किया। एक हफ्ते तक चले अभियान में पुलिस ने मास्टरमाइंड अनुराग शर्मा और उसके तीन साथियों - विकास भारद्वाज (42), सत्यम सिंह (19) और सचिन (24) को गिरफ्तार किया। डीसीपी (आउटर नॉर्थ दिल्ली) निधिन वलसन ने मंगलवार को बताया कि 500 ??रुपये के 919 नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) और 621 ए4 साइज शीट जब्त की गई हैं जिसपर 500 रुपये के नकली नोट छपे हुए थे। इनकी कुल कीमत 17.01 लाख रुपये है। इसके अलावा वॉटरमार्क बनाने के लिए गांधी की एक मोहर भी बरामद की गई है। एसीपी यशपाल सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर पवन यादव के नेतृत्व में छापेमारी करने वाली टीम ने एक लैपटॉप, एक कलर प्रिंटर, दो लेमिनेटर, एक पेपर-कटिंग मशीन, ए4 साइज के कागजों के 9 बंडल, एक पेपर प्रेसिंग मशीन और अवैध संचालन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य उपकरण भी बरामद किए हैं। शर्मा के कमरे के अंदर पुलिस को नकली नोटों का जखीरा मिला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अनुराग, जिसने अकेले विकास को 80 लाख रुपये के नकली नोट सप्लाई किए थे, कथित तौर पर पिछले छह महीनों से अपने फ्लैट में नोट छाप रहा था। पुलिस सूत्र ने दावा किया कि आरोपी ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में असली नोटों के साथ करोड़ों रुपये के नकली नोट मिक्स करके सर्कुलेट किए हैं। सूत्र ने दावा किया कि शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मकान मालिक, जो पेशे से वकील है, उसने अनुराग को छात्र बैकग्राउंड की वजह से फ्लैट किराए पर दिया था।

ओडिशा सरकार की अनूठी पहल, सभी विधायकों से 5-5 अनाथ बच्चों को गोद लेने की अपील

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की उप मुख्यमंत्री प्रवती परीदा ने संविधान दिवस के दिन राज्य सरकार की एक अनूठी पहल का ऐलान किया है। परीदा ने मंगलवार को कहा कि ओडिशा के सभी 147 विधायकों से राज्य में गोद लेने को बढ़ावा देने के लिए कम से कम पांच अनाथ बच्चों को गोद लेने के लिए कहा जाएगा। परीदा राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम समाज में एक मिसाल पेश करने और अनाथ बच्चों के प्रति संवेदनशील वातावरण तैयार करने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे अनाथ बच्चों का भविष्य संवारा जा सकेगा और इस तरह के सामूहिक प्रयास से अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर एक मॉडल के रूप में काम करने की क्षमता विकसित हो सकेगी। उप मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा, अगर ओडिशा के हरेक विधायक कम से कम पांच बच्चों को गोद ले लेते है तो 600 से अधिक बच्चों की जीवन बदल सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का कोई विरोध नहीं होगा।

उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गोद लेने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्तमान में एक सूची तैयार की जा रही है। परीदा ने कहा, सामाजिक कार्यकर्ता, वकील और किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के अधिकारी अनाथ बच्चों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैया रखते हैं। विभाग जल्द ही ऐसे बच्चों को गोद लेने के संबंध में अंतिम निर्णय लेगा। केंद्रीय दत्तक ग्रहण एजेंसी सीएआरए के अनुसार, पिछले 5 वर्षों में ओडिशा के 900 से अधिक अनाथ बच्चों को गोद लिया गया है। देश में गोद लेने के मामले में ओडिशा शीर्ष 5 राज्यों में एक बना हुआ है। ओडिशा में लगभग 329 पंजीकृत बाल देखभाल संस्थान हैं, जो अनाथ, परित्यक्त और बचाए गए बच्चों को आश्रय देते हैं। उनमें से 140 केंद्रों पर 8,000 से अधिक बच्चों की देखभाल, सुरक्षा, पुनर्वास और पुनः एकीकरण के लिए केंद्र सरकार की मिशन वात्सल्य योजना द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

छात्राओं को हर माह मिलेंगे 500 रुपये, आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे

फरीदाबाद, एजेंसी। स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए गुड न्यूज है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा 500 रुपये महीना दी जाने वाली सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। छात्रवृत्ति के लिए योग्य छात्राएं 23 दिसंबर तक आवेदन कर सकती हैं। इस छात्रवृत्ति के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। सीबीएसई ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों को पत्र जारी कर अधिक संख्या में आवेदन के लिए निर्देश जारी किए हैं। इस छात्रवृत्ति के लिए केवल वही छात्राएं पात्र होंगी, जिन्होंने 10वीं क्लास में 60 प्रतिशत अंक हासिल किए थे और छात्रवृत्ति 11वीं एवं 12वीं कक्षाओं की छात्रों को दी जाएगी।

इसके अलावा वर्ष 2023 में छात्रवृत्ति प्राप्त करने की वाली छात्राओं को रिन्युअल के लिए भी कहा गया है। वहीं ऐसी छात्राएं भी योजना का लाभ ले सकेंगी, जिनकी ट्यूशन फीस 1500 रुपये प्रति माह से अधिक नहीं है। इस छात्रवृत्ति के लिए केवल वह छात्राएं पात्र होंगी जो अपने माता-पिता की एक मात्र संतान होंगी। इसके तहत छात्राओं को 500 रुपये प्रति माह स्कॉलरशिप दी जाती है।

सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि आवेदन से पूर्व छात्राओं को अपने सभी दस्तावेज विद्यालय प्रबंधन से सत्यापित कराने होंगे। सत्यापन के बिना आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में एनआरआई छात्राएं भी पढ़ती हैं। वह भी इस छात्रवृत्ति की पात्र होंगी। उनकी ट्यूशन फीस प्रति माह छह हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। छात्राएं अधिक जानकारी के लिए संबंधित वेबसाइट पर जा सकती हैं। इस लिंक में दिए गए स्कॉलरशिप भी विकल्प पर जाकर आवेदन कर सकती हैं।

न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा: अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर हुई हिंसा व आगजनी के बाद सियासी बयानबाजी कम होने का नाम नहीं ले रही है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक कटिंग के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान के साथ लिखा कि न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान को पोस्ट किया और लिखा कि किसी को धमकाकर कोरे कागज़ पर अंगूठा लगवाना भी गुनाह है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय तत्काल संज्ञान ले और दोषी शासन-प्रशासन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करके, इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी को सजा दे। न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा। इसके पहले सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत में संभल हिंसा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद में दोबारा सर्वे का काम क्यों किया? उन्होंने कहा कि मैं भी संभल जाऊंगा। संभल जाने से क्यों रोका जा रहा है। संभल का हाल जानना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि संभल में न्याय नहीं मिल रहा है। हम संविधान का सम्मान करते हैं। हम संविधान का उत्सव कैसे मनाएं? उत्सव ढोंग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को नहीं मानती है।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवशाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काटीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादक: सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निपटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)